सुविचार
जो व्यक्ति सत्य की खोज में निकलता है, वह अक्सर अकेला रह जाता है,क्योंकि भीड़ हमेशा भ्रम के साथ चलती है।
-प्लेटो

Daily
THE PHOTON NEWS
सच के हक में...
द फोटोन न्यूज Published from Ranchi

Ranchi • Wednesday, 13 May 2026 • Year : 05 • Issue : 117 • Ranchi Edition • Page : 12 • Price : ₹3 • www.thephotonnews.com
E-Paper : epaper.thephotonnews.com

Sonakshi Sinha On Her Character... 12

SHARE

संसेक्स	:	74,559.24
निफ्टी	:	23,379.55

SARAFA

सोना	:	14,265
चांदी	:	300.00

(नोट : सोना 22 कैरेट प्रति ग्राम)

रांची सहित कई जिलों में आंधी के साथ हुई झमाझम बारिश

PHOTON NEWS RANCHI : मंगलवार को दोपहर के बाद 3 बजे के आसपास झारखंड के कई जिलों में अचानक मौसम का मिजाज बदल गया। बादलों की गड़गड़ाहट और बिजली की चमक शुरू हो गई। रांची, हजारीबाग, रामगढ, पाकुड़ सहित अन्य जिलों में तेज आंधी के साथ झमाझम बारिश हुई। मौसम विभाग की ओर से बुधवार को भी तेज हवाओं के साथ वर्षा का अलर्ट जारी किया गया है। तेज हवाओं के कारण राजधानी के अलग-अलग इलाकों में पेड़ों की डालियां और बिजली के खंभे टूटकर गिर गए। इसके चलते बिजली आपूर्ति बाधित हो गई। मौसम विभाग के मुताबिक 13 मई को राज्य के पूर्वी हिस्सों में कहीं-कहीं तेज हवा चल सकती है। 14 और 15 मई को भी अधितर जिलों में दोपहर बाद मौसम खराब रहेगा। इस दौरान 40 से 60 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चल सकती है। मेघ गर्जन और वज्रपात की आशंका जताई गई है। 15 मई को पूरे राज्य में यलो अलर्ट जारी किया गया है। लोगों को खुले स्थानों और पेड़ों के नीचे जाने से बचने की सलाह दी गई है।

दोपहर बाद अचानक बदला मौसम, छा गए काले बादल, आज भी तेज हवा के साथ वर्षा की चेतावनी

राजधानी के कई इलाकों में सड़कों पर टूटकर गिरीं पेड़ों की डालियां, बाधित हुआ आवागमन

पेड़ गिरने से सड़क पर रास्ता ही नहीं बचा
हटाने के बाद बहाल हुआ आवागमन

कई जगह बिजली के तार पर पेड़ गिरने से टूटे पोल, घंटों बाधित रही विद्युत आपूर्ति

राजधानी के कांके रोड में तिरुपति अपार्टमेंट, सिन्हा कंपाउंड के पास बिजली का खंभा गिर गया। ईस्ट जेल रोड में बिजली के तार पर पेड़ टूटकर गिर गया। लाइन टैंक रोड, बड़ा तालाब इलाका, क्लब रोड, मोरहाबादी में बिजली के पोल पर पेड़ गिर गया। रांची के सहजानंद चौक, सूचना भवन, एसएसपी आवास, रेडियम रोड सहित अन्य इलाकों में पेड़ की बड़ी-बड़ी डालियां टूटकर सड़क पर गिर गई हैं, जिससे कुछ समय के लिए आवागमन प्रभावित हुआ। इस दौरान लोगों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा। पीसीआर वाहनों की मदद से टूटी हुई डालियों को हटाया गया, जिससे आवागमन सुचारू हुआ। आधे घंटे की जोरदार बारिश ने शहरों के नालों व ड्रेनेज सिस्टम की पोल खोल दी। बारिश के बाद कई इलाकों में जलजमाव हो गया। नाले का गंदा पानी सड़कों पर बहता रहा। रांची के बरियातू रोड में आंधी की वजह से बीच सड़क पर पेड़ गिर गया। इसके कारण घंटों आवागमन बाधित रहा। इससे लोगों को काफी परेशानी हुई।

साइक्लोनिक सर्कुलेशन का दिख रहा असर

मौसम विभाग के अनुसार, 16 और 17 मई को राज्य के उत्तर-पूर्वी और दक्षिणी हिस्सों में मौसम का प्रभाव ज्यादा देखने को मिल सकता है। इन क्षेत्रों में गरज के साथ तेज हवा और वज्रपात की संभावना जताई गई है। मौसम विभाग ने स्पष्ट किया है कि साइक्लोनिक सर्कुलेशन के प्रभाव के कारण यह स्थिति बनी हुई है, जो मध्य प्रदेश और हिमालय क्षेत्र से पश्चिम बंगाल की ओर सक्रिय है। इसी वजह से झारखंड में लगातार मौसम अस्थिर बना हुआ है।

BRIEF NEWS

'सुधार के नाम पर धर्म की आजादी नहीं छीन सकते'

NEW DELHI : मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि सामाजिक सुधार के नाम पर धार्मिक स्वतंत्रता का हनन नहीं किया जा सकता। कोर्ट ने कहा कि संविधान निर्माताओं ने समाज की जरूरतों के अनुसार प्रावधान बनाए हैं, जिन्हें नौ जजों की बेंच बदला नहीं सकती। चीफ जस्टिस सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली नौ जजों की बेंच सबरीमाला मंदिर समेत धार्मिक स्थलों पर महिलाओं के प्रवेश और धार्मिक स्वतंत्रता के दायरे से जुड़े मामलों की सुनवाई कर रही है। सुनवाई मंगलवार को 14वें दिन जारी रही। जस्टिस बी वी नागरत्ना ने कहा कि धार्मिक स्वतंत्रता को सामाजिक सुधार के नाम पर खत्म नहीं किया जा सकता। कोर्ट ने संकेत दिया कि जनता की सहमति से सुधार की मांग उठे तो उस पर विचार हो सकता है। मामले की सुनवाई बुधवार को फिर होगी।

एन रंगासामी आज पुडुचेरी के सीएम पद की लेंगे शपथ

PUDUCHERRY : ऑल इंडिया एनआर कांग्रेस (एआई एनआरसी) के अध्यक्ष एन रंगास्वामी बुधवार 13 मई को पुडुचेरी के मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगे। विधानसभा चुनाव के बाद केंद्र शासित राज्य पुडुचेरी में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) की सरकार बनने जा रही है। मुख्यमंत्री रंगासामी के नेतृत्व में बनने वाली सरकार में पिछली बार की तरह ही भारतीय जनता पार्टी को दो मंत्री पद देने पर सहमति बनी है। शुरू में रंगासामी ने केवल एक मंत्री पद देने की बात कही थी, लेकिन बाद में केंद्रीय मंत्री मनसुख मांडविया के साथ हुई सीधी बातचीत के बाद रंगासामी भाजपा के दो मंत्री बनाने पर सहमत हो गए। जानकारी के अनुसार बुधवार सुबह 9:47 बजे राजभवन में होने वाले शपथ ग्रहण समारोह में उपराज्यपाल के. कैलाशनाथन एआई एनआरसी के नेता रंगासामी को मुख्यमंत्री पद की शपथ दिलाएंगे।

शुभेंदु के पीए मर्डर केस की होगी सीबीआई जांच

KOLKATA : पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी के पर्सनल असिस्टेंट (पीए) चंद्रनाथ रथ की हत्या मामले की जांच अब सीबीआई करेगी। सीबीआई ने केस अपने हाथ में लेते ही 7 मेंबर्स की स्पेशल इंवेस्टिगेशन टीम (एसआईटी) बनाई है। टीम की अगुआई डीआइजी रैंक के अधिकारी करेंगे। इस केस में अब तक बिहार और यूपी से 3 आरोपी गिरफ्तार किए गए हैं। बंगाल चुनाव नतीजों के दो दिन बाद, 6 मई को नॉर्थ 24 परगना के मध्यमग्राम में 42 साल के चंद्रनाथ की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। हमलावर ने उनकी कार रोककर कई राउंड फायरिंग की, जिसमें उन्हें सीने और पेट में तीन गोलियां लगीं। पुलिस ने मयंक राज मिश्रा, विक्की मौर्य और राज सिंह को गिरफ्तार किया है। मयंक और विक्की को बिहार के बक्सर से गिरफ्तार किया गया। वहीं, उत्तर प्रदेश के बलिया के रहने वाले राज सिंह को अयोध्या से 10 मई को पकड़ा गया था।

3 मई को हुई थी परीक्षा : 22.79 लाख परीक्षार्थी हुए थे शामिल

पेपरलीक : नीट-यूजी एग्जाम रद्द, अब सीबीआई करेगी जांच

NEW DELHI @ PTI : पेपरलीक के आरोपों के बीच नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) ने मंगलवार को नीट यूजी 2026 एग्जाम को कैंसिल कर दिया। बता दें कि यह परीक्षा 3 मई को हुई थी। 22.79 लाख स्टूडेंट्स ने इस परीक्षा में भाग लिया था। केंद्र सरकार ने इस मामले की जांच सीबीआई को सौंप दी है। एनटीए ने बताया कि भारत सरकार की मंजूरी मिलने के बाद परीक्षा को रद्द करने का फैसला लिया गया। परीक्षा में कथित अनियमितताओं और जांच एजेंसियों से मिले इनपुट के आधार पर यह निर्णय लिया गया। इस बीच एनटीए के डीजी अभिषेक सिंह ने कहा कि इस गड़बड़ी के लिए हम जिम्मेदार हैं। परीक्षा दोबारा कराई जाएगी। 6 से 8 दिनों में नई तारीख की घोषणा की जाएगी। शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान से दिल्ली में इस मामले में मीडिया ने सवाल पूछा तो उन्होंने कोई जवाब नहीं दिया।

फिर से होगा परीक्षा का आयोजन, 6 से 8 दिनों में घोषित की जाएगी तिथि

- एनटीए के डीजी अभिषेक सिंह बोले- परीक्षा में गड़बड़ी के लिए हम जिम्मेदार
- इम्तिहान में कथित अनियमितताओं और जांच एजेंसियों से मिले इनपुट के आधार पर हुआ फैसला
- अभ्यर्थियों का डेटा और चुने गए परीक्षा केंद्र आगामी पुनर्परीक्षा के लिए रहेंगे मान्य
- विद्यार्थियों से नहीं लिया जाएगा दोबारा पंजीकरण व कोई अतिरिक्त परीक्षा शुल्क

150 सवाल हूबहू हुए मैच

पेपरलीक संबंधी जानकारी के अनुसार, एक क्वेश्चन बैंक में फिजिक्स, केमिस्ट्री और बायोलॉजी के 300 से ज्यादा सवाल थे। ये सभी हाथ से लिखे गए और इनकी हैंडराइटिंग भी एक ही है। इनमें से 150 सवाल हूबहू नीट के पेपर में आए। पेपर में कुल 180 सवाल हल करने होते हैं और प्रत्येक सवाल 4 अंक का होता है। यानी 720 में से 600 नंबर के सवाल सीधे क्वेश्चन बैंक से आए। विशेषज्ञों के अनुसार, किसी विशेष गेस पेपर से परीक्षा में कुछ सवाल हूबहू आने की संभावना रहती है, लेकिन इतनी बड़ी संख्या में प्रश्न आने की संभावना आमतौर पर नहीं होती।

2024 में भी कैंसिल की गई थी परीक्षा

2024 में भी नीट-यूजी परीक्षा पेपर लीक के चलते कुछ सेंटर्स पर रद्द कर दी गई थी। परीक्षा 5 मई 2024 को हुई थी। 6 मई को एनटीए ने पेपर लीक की बात से इनकार किया था। इसके बाद बिहार और झारखंड में जांच हुई। जांच में पेपर लीक के सबूत मिले। हालांकि, सुप्रीम कोर्ट ने पूरी परीक्षा रद्द करने से इनकार कर दिया था। 1539 कैंडिडेट्स की दोबारा परीक्षा हुई थी।

परीक्षा के एक माह पहले ही कुछ विद्यार्थियों तक पहुंचा पीडीएफ

उल्लेखनीय है कि एनटीए ने पूर्व में बताया था कि 7 मई 2026 की रात नीट-यूजी परीक्षा में कथित गड़बड़ी की जानकारी मिली थी। इसके बाद मामले की जांच शुरू की गई। जांच के दौरान राजस्थान में नीट-यूजी से जुड़ा कथित गेस पेपर सामने आया। राजस्थान एसओजी के एडीजीपी विशाल बंसल ने बताया कि जांच में करीब 410 सवालों वाला एक पीडीएफ कई छात्रों के मोबाइल फोन में मिला था। दावा किया गया था कि इनमें से लगभग 120 सवाल केमिस्ट्री सेक्शन में सीधे परीक्षा में पूछे गए थे, जिसने एजेंसी समेत स्टूडेंट्स और माता-पिता की चिंता बढ़ा दी। जांच एजेंसियों के अनुसार, करीब 150 पेज का यह पीडीएफ परीक्षा से लगभग एक महीने पहले ही वाट्सएप के जरिए कुछ छात्रों तक पहुंच गया था।

रांची नगर निगम में असिस्टेंट टाउन प्लानर से क्यों नहीं पास कराया जाता नक्शा : हाईकोर्ट

PHOTON NEWS RANCHI : मंगलवार को हाईकोर्ट में रांची नगर निगम (आरएमसी) में नक्शा पास करने से जुड़ी अवमानना याचिका पर सुनवाई हुई। सुनवाई के दौरान कोर्ट के आदेश के आलोक में रांची नगर निगम के नगर आयुक्त सुशांत गौरव कोर्ट में हाजिर थे। कोर्ट ने उनसे पूछा कि जब पूरे राज्य में असिस्टेंट टाउन प्लानर (एटीपी) नक्शा पास करने के चार्ज में हैं और काम कर रहे हैं तो रांची नगर निगम में क्या परेशानी है। यहां भी असिस्टेंट टाउन प्लानर के दो पदों पर लोग नियुक्त भी हैं। फिर भी उन्हें नक्शा पास करने का काम नहीं दिया गया है। दूसरे विभागों से डेपुटेशन पर आए एग्जीक्यूटिव इंजीनियर से रांची नगर निगम में नक्शा पास करने का काम लिया जा रहा है। कोर्ट ने नगर आयुक्त से कहा कि वे कोर्ट के आदेश का अनुपालन क्यों नहीं कर रहे हैं। 12 दिसंबर 2025 के एक आदेश पर रोक लगी है। लेकिन, टाउन प्लानर के लिए आप अपने अधिकार क्षेत्र से कोई निर्णय ले सकते हैं या इससे संबंधित दस्तावेज को संबंधित विभाग को आगे बढ़ा सकते हैं। कोर्ट ने अगली सुनवाई, जो गुरुवार को होगी, में नगर आयुक्त से इसपर जवाब मांगा है। जस्टिस सुजीत नारायण प्रसाद और जस्टिस संजय प्रसाद की पीठ में मामले सुनवाई हुई। गौरतलब है कि वर्ष 2024 में झारखंड में असिस्टेंट टाउन प्लानर की नियुक्ति हो चुकी है। इन्हें झारखंड के जिलों में नियुक्त कर उनसे नक्शा पास करने का काम लिया जा रहा है।

अवमानना याचिका पर सुनवाई के दौरान नगर आयुक्त से कोर्ट ने पूछे सवाल

- अदालत ने कल होने वाली सुनवाई में नगर आयुक्त से मांगा जवाब
- जस्टिस सुजीत नारायण प्रसाद और जस्टिस संजय प्रसाद की बेंच में हुई हियरिंग

दूसरी बार असम के सीएम बने हिमंता, 4 मंत्रियों ने भी ली शपथ

हिमंता बिस्वा सरमा लगातार दूसरी बार असम के मुख्यमंत्री बने हैं। असम के गवर्नर लक्ष्मण आचार्य ने गुवाहाटी के खानापारा वेटरनरी कॉलेज ग्राउंड में उन्हें पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई। हिमंता के अलावा 4 विधायकों भाजपा के रामेश्वर तेली, अजंता नेओम, एजीपी के अतुल बोरा, बीपीएफ के चरण बोरो ने भी मंत्री पद की शपथ ली। शपथ कार्यक्रम में पीएम मोदी, गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह समेत बीजेपी-एनडीए शासित राज्यों के सीएम और कई केंद्रीय मंत्री मौजूद रहे।

गायब हुई मासूम का शव होने की आशंका, पुलिस कराएगी डीएनए जांच

रांची के बड़े नाले से मिली बच्ची की डेड बॉडी

PHOTON NEWS RANCHI : राजधानी के कोकर इलाके से चार दिन पहले 18 माह की मासूम अदिति लपता हो गई थी। मंगलवार को तलाशी के दौरान पुलिस को बड़े नाले से एक बच्ची की डेड बॉडी मिली है। आशंका जताई जा रही है कि शव मासूम का ही है। पहचान के लिए रांची पुलिस डीएनए टेस्ट कराएगी। बता दें कि 9 मई को खेलते-खेलते अदिति घर के बाहर बने बड़े नाले में गिर गई थी, भारी बारिश की वजह से वह बहकर अपने घर से दूर चली गई थी। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि बच्ची बारिश के दौरान नाले में बह गई थी या फिर घटना के पीछे कोई और कारण है। सोमवार को दिनभर चले अभियान में एनडीआरएफ की टीम को अदिति नहीं मिल पाई थी। मंगलवार को दोबारा अभियान शुरू किया गया। इसी दौरान मासूम के घर से लगभग 850 मीटर दूर नाला जहां स्वर्णरेखा नदी में मिलता है, वहां पर कुछ आवारा कुत्तों को मांस नोचते हुए देखा गया।

बच्ची बारिश में बह गई थी या फिर कोई और कारण, जांच कर रही पुलिस

सीएम ने दिया था बच्ची को खोजने का निर्देश

पुलिस और एनडीआरएफ की टीम ने कुत्तों को वहां से भगाया। देखने से साफ प्रतीत होता है कि मौके से बरामद मांस और हड्डी किसी बच्चे की हैं। सिटी एसपी पारस राणा ने बताया कि शव मासूम बच्ची का ही है, इसकी पुष्टि करवाने के लिए डीएनए टेस्ट की प्रक्रिया शुरू की जा रही है, ताकि मामले में किसी भी तरह का शक न रहे। मांस और हड्डी मिलने के बाद मामले की जांच कराने के लिए एफएसएल और डॉक्टर की टीम को बुलाया गया है। मामले की गंभीरता को देखते हुए मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने भी पुलिस अधिकारियों को बच्ची को हर हाल में खोज निकालने का निर्देश दिया था। सरकार की ओर से बच्ची को खोजने या उसके बारे में सूचना देने वाले व्यक्ति के लिए 50 हजार रुपये के इनाम की घोषणा भी की गई है।

मानसिक सेहत हाई टेक्नोलॉजी के दौर में अनावश्यक तनाव की उत्पन्न हो रही स्थिति

दिमाग की कार्यप्रणाली में संतुलन के लिए डिजिटल ब्रेक जरूरी

PHOTON NEWS @ RESEARCH DESK : मनोविज्ञान के विशेषज्ञों के अनुसार, हाई टेक्नोलॉजी के वर्तमान दौर में जीवन के हर कदम पर सुविधाओं की चाहत बढ़ गई है। इसका प्रभाव अक्सर सकारात्मक रूप में लिया जाता है, मगर इसके नकारात्मक पहलू भी स्पष्ट रूप से परिलक्षित हो रहे हैं। मानसिक स्वास्थ्य की दृष्टि से इसका अनपेक्षित प्रभाव पड़ रहा है। आज के समय में सोशल मीडिया पर हर मिनट में नोटिफिकेशन देखने की आदत और हर समय मोबाइल को हाथ में रखने की स्टाइल एक लत बन गई है।?इससे छुटकारा तो लोग पाना चाहते हैं, पर संभव नहीं हो पा रहा।?सोशल मीडिया से लोग ज्यादा देर तक दूर नहीं रह पाते। इससे अनावश्यक तनाव उत्पन्न होता है, जबकि दिमाग की कार्यप्रणाली में संतुलन के लिए डिजिटल ब्रेकअप जरूरी है। लंबे समय तक किए गए अध्ययन में अब यह तथ्य सामने आया है कि यदि स्मार्टफोन का इस्तेमाल कुछ समय के लिए सीमित कर दिया जाए तो दिमाग की कार्यप्रणाली में सकारात्मक बदलाव आ सकते हैं। इंटरनेशनल जर्नल कंप्यूटर्स इन ह्यूमन बिहेवियर से जुड़े वैज्ञानिकों ने इस जटिल विषय पर लंबे समय तक विशेष अध्ययन किया है। अध्ययन में पाया गया कि सिर्फ 72 घंटे तक स्मार्टफोन से दूरी या सीमित इस्तेमाल से दिमाग के रिवॉर्ड सेंटर की सक्रियता कम हो जाती है, जबकि ध्यान और आत्मनियंत्रण से जुड़े हिस्से अधिक सक्रिय हो जाते हैं।

तकनीकी सुविधाओं की आदतें बढ़ने से मस्तिष्क पर पड़ रहा नकारात्मक असर

स्मार्टफोन का इस्तेमाल कुछ समय के लिए रोकने पर दिमागी हलचल में आती है कमी

- कंप्यूटर्स इन ह्यूमन बिहेवियर जर्नल से जुड़े वैज्ञानिकों ने किया विशेष अध्ययन
- माइंड के आत्मनियंत्रण से जुड़े हिस्से को तत्काल सक्रिय कर देती है स्क्रीन से दूरी

हर समय मोबाइल को हाथ में रखने की स्टाइल ले रही एक लत का रूप

अध्ययन में 18 से 30 वर्ष के युवा शामिल

अध्ययन में 18 से 30 वर्ष के युवाओं को शामिल किया गया था। शोध के दौरान प्रतिभागियों को 72 घंटे तक स्मार्टफोन का उपयोग सीमित रखने के लिए कहा गया। प्रयोग से पहले और बाद में प्रतिभागियों के दिमाग की गतिविधि को फंक्शनल मैग्नेटिक रिजोनेंस इमेजिंग (एफएमआरआई) स्कैन के जरिए जांचा गया।

फोन फॉग से कमजोर हो रही याददाश्त

परिणाम में पाया गया कि तीन दिनों में ही स्मार्टफोन से जुड़े संकेतों पर दिमाग की प्रतिक्रिया में बदलाव दिखाई दिया। अनुसंधानकताओं का कहना है कि लगातार स्क्रीन पर समय बिताने से फोन फॉग जैसी समस्या देखने को मिल रही है। इसमें व्यक्ति को ध्यान केंद्रित करने में कठिनाई, मानसिक थकान और नींद से जुड़ी परेशानियां महसूस हो सकती हैं। लगातार नोटिफिकेशन और सोशल मीडिया के कारण

दिमाग को आराम नहीं मिल पाता। शोध टीम से जुड़े मनोचिकित्सक डॉ. ओम प्रकाश का कहना है कि स्मार्टफोन का अत्यधिक उपयोग दिमाग पर लगातार दबाव बनाता है। लगातार स्क्रीन देखने से ध्यान और याददाश्त कमजोर हो रही है।

कोलकाता में 15 लाख रुपये की इनामी हार्डकोर महिला माओवादी गिरफ्तार

KOLKATA : पश्चिम बंगाल की राजधानी कोलकाता में पुलिस ने उत्तर काशीपुर इलाके में छापेमारी कर झारखंड की कुख्यात महिला माओवादी नेता श्रद्धा विश्वास उर्फ बेला को गिरफ्तार किया है। झारखंड सरकार ने बेला पर 15 लाख रुपये का इनाम घोषित कर रखा था। वह झारखंड क्षेत्रीय समिति की सक्रिय सदस्य रही है। नदिया जिले के चकदह की रहने वाली श्रद्धा 2005 से झारखंड के माओवादी गलियारों में सक्रिय थी। उस पर झारखंड के घाटशिला, पूर्वी और पश्चिमी सिंहभूम क्षेत्रों में हत्या और आगजनी जैसे 20 से अधिक संगीन मामले दर्ज हैं। कोलकाता के पुलिस आयुक्त अजय कुमार नंद ने मंगलवार को अलीपुर बॉडीगार्ड लाइंस में प्रेसवार्ता के दौरान बताया कि श्रद्धा 2004-05 में पश्चिम मेदिनीपुर के बेलपहाड़ी में एक मामले में पकड़ी गई थी, लेकिन जमानत मिलने के बाद वह भूमिगत होकर झारखंड चली गई और फिर कभी वापस नहीं लौटी।

भारत में सैन्य परिवहन का पहला स्वदेशी विमान

टाटा ने फ्रांसीसी कंपनी की मदद से तैयार किया सी-295 एयरक्राफ्ट

AGENCY NEW DELHI : फ्रांसीसी कंपनी एयरबस के सहयोग से गुजरात के वडोदरा में टाटा एडवांस्ड सिस्टम्स लिमिटेड ने फाइनल असेंबली लाइन में पहला सी-295 एयरक्राफ्ट तैयार कर लिया है। यह भारत में सैन्य परिवहन का पहला एयरक्राफ्ट है, जो भारतीय वायुसेना के लिए 'आत्मनिर्भर भारत' पहल को पूरा करता है। यह पहली बार है जब किसी प्राइवेट भारतीय कंपनी ने देश में पूरी मिलिट्री एयरक्राफ्ट फाइनल असेंबली लाइन बनाई और चालू की है। यह कार्यक्रम 2021 में किए गए 21 हजार 935 करोड़ के ट्रांसपोर्ट एयरक्राफ़्ट डील के तहत वायु सेना के लिए फ्रांसीसी कंपनी

एयरबस की साझेदारी में चलाया जा रहा है। फ्रांसीसी कंपनी एयरबस डिफेंस एंड स्पेस के साथ 24 सितंबर 2021 को 56 सी-295 सैन्य परिवहन विमानों का सौदा फाइनल हुआ था। इसी सौदे के तहत यह पहला विमान स्पेन में ही तैयार करके वायु सेना को आपूर्ति भी कर दिया गया है। यह पहला सी-295 परिवहन विमान 20 सितम्बर 2023 को वडोदरा के वायु सेना स्टेशन पर उतरा था।

BRIEF NEWS

बिजली की समस्या दूर करने को बनेगा वाट्सएप ग्रुप

PALAMU : पलामू जिले में बिजली संबंधी समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए जिला प्रशासन ने नई पहल शुरू की है। उपायुक्त दिलीप प्रताप सिंह शेखावत के निर्देश पर अब प्रत्येक क्षेत्र के लिए डेडिकेटेड वाट्सएप ग्रुप बनाया जाएगा, जिसमें प्रशासनिक और बिजली विभाग के अधिकारी शामिल रहेंगे। इन वाट्सएप ग्रुप में संबंधित अनुमंडल पदाधिकारी (एसडीओ), अंचल अधिकारी (सीओ) और बिजली विभाग के अधिकारी मौजूद रहेंगे। आम लोग बिजली कटौती, तार टूटने, ट्रांसफार्मर खराब होने या अन्य समस्याओं की जानकारी सीधे ग्रुप में साझा कर सकेंगे। शिकायत मिलने के बाद संबंधित विभाग तत्काल कार्रवाई करेगा और समाधान की तस्वीर भी ग्रुप में अपलोड की जाएगी। डीसी दिलीप प्रताप सिंह शेखावत ने कहा कि गर्मी, बारिश और तेज हवा के कारण अक्सर बिजली आपूर्ति प्रभावित होती है। बिजली आम लोगों की जरूरी सेवा है, इसलिए शिकायतों का त्वरित समाधान सुनिश्चित करना प्रशासन की प्राथमिकता है। इसी उद्देश्य से यह व्यवस्था लागू की जा रही है।

लोहरदगा में बिजली-पानी संकट पर भाजपा ने किया प्रदर्शन

LOHARDAGA : लोहरदगा में बिजली और पानी की समस्या को लेकर भारतीय जनता पार्टी ने धरना-प्रदर्शन किया। भाजपा कार्यकताओं ने राज्य सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और घड़ा फोड़कर अपना विरोध जताया। इस दौरान कार्यकताओं ने हेमंत सरकार पर जनता की मूलभूत समस्याओं की अनदेखी करने का आरोप लगाया। मौके पर विधायक शशिभूषण मेहता के नेतृत्व मे जिला अध्यक्ष अजय कुमार पंकज के साथ कार्यकताओं का गुस्सा फूट पड़ा। जिला मुख्यालय में बड़ी संख्या में जुटे कार्यकताओं ने धरना देते हुए राज्य सरकार के खिलाफ प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के दौरान भाजपा नेताओं और कार्यकताओं ने हाथों में तख्तियां लेकर 'हेमंत सरकार मुदार्बाद' और 'जनता को पानी-बिजली दो' जैसे नारे लगाए। विरोध जताने के लिए कार्यकताओं ने घड़ा फोड़ प्रदर्शन भी किया। मौके पर विधायक मेहता ने कहा कि राज्य सरकार जनता को बुनियादी सुविधाएं देने में पूरी तरह विफल हो चुकी है। लोहरदगा की जनता बिजली और पानी की समस्या से परेशान है, लेकिन सरकार केवल वादे कर रही है। भाजपा नेताओं ने आरोप लगाया कि भीषण गर्मी में लोग बिजली और पानी की किल्लत से जूझ रहे हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि जल्द समस्या का समाधान नहीं हुआ तो आंदोलन और तेज किया जाएगा। धरना के बाद राज्यपाल के नाम उपायुक्त लोहरदगा को ज्ञापन भी दिया गया। मौके पर बड़ी संख्या में भाजपा नेता और कार्यकर्ता मौजूद थे।

इंटर स्कूल क्रिकेट में संत जेवियर्स बना चैंपियन

CHAIBASA : पश्चिमी सिंहभूम जिला क्रिकेट संघ के तत्वावधान में उद्योगपति पदम कुमार जैन द्वारा प्रायोजित 15वीं ज्ञानचंद जैन अंतर स्कूल क्रिकेट प्रतियोगिता का फाइनल मैच मंगलवार को खेला गया, जिसमें संत जेवियर्स बालक उच्च विद्यालय, चाईबासा ने मधुसूदन पब्लिक स्कूल आसनतलिया को एकतरफा मुकाबले में सात विकेट से पराजित कर पहली बार चैंपियन होने का गौरव प्राप्त किया। चाईबासा के बिरसा मुंडा क्रिकेट स्टेडियम में खेले गए मैच में टॉस संत जेवियर्स के कप्तान ने जीता तथा विपक्षी टीम को पहले बल्लेबाजी के लिए आमंत्रित किया। पहले बल्लेबाजी करने उतरी मधुसूदन स्कूल की पूरी टीम 10.1 ओवर में मात्र 56 रन बनाकर ऑलआउट हो गई। जीत के लिए निर्धारित लक्ष्य का पीछा करने उतरी संत जेवियर्स की टीम ने 10.2 ओवर में मात्र तीन विकेट के नुकसान पर 62 रन बनाकर मैच अपने नाम कर लिया।

फंदे पर लटका मिला विवाहिता का शव

DHANBAD : धनबाद के जोड़ापोखर थाना क्षेत्र में एक विवाहिता का शव घर में फंदे से लटका मिला। घटना रविवार की है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। मृत युवती की पहचान अंजलि कुमारी के रूप में हुई है। उसका पति आशुतोष कुमार जब रात में काम से घर लौटा तो कमरे में पत्नी को फंदे से लटका देखा। इसके बाद जोड़ापोखर थाना पुलिस को सूचना दी गई। अंजलि का मायका बिहार के बक्सर जिले में है। मंगलवार को मायके पक्ष के लोग धनबाद पहुंचे। मायके वालों ने आत्महत्या पर सवाल उठाए हैं। उनका आरोप है कि अंजलि के सिर और नाक से खून निकल रहा था और शरीर काला पड़ा हुआ था। उन्होंने आशंका जताई कि अंजलि को पहले जहर दिया गया या फिर हत्या के बाद शव को फांसी पर लटकाया गया। मृतका के पिता जय बहादुर ने बताया कि अंजलि की शादी वर्ष 2024 में हुई थी। शादी के बाद से ही बच्चा नहीं होने को लेकर ससुराल पक्ष द्वारा प्रताड़ित किया जाता था। परिवार में अक्सर विवाद होता रहता था। मृतका के देवर अभिषेक कुमार ने बताया कि रविवार शाम उसका भाई काम पर गया था और रात करीब 9 बजे लौटने पर अंजलि को फंदे से लटका देखा। उसने कहा कि पति-पत्नी के बीच छोटी-मोटी कहासुनी होती रहती थी। जोड़ापोखर थाना के कांस्टेबल घनश्याम महतो ने बताया कि घटना रविवार की है। प्रथम दृष्टया मामला फांसी लगाकर आत्महत्या का प्रतीत हो रहा है। शव का पोस्टमार्टम कराया जा रहा है।

सड़क हादसे में युवक की चली गई जान, रोड कर दिया जाम

खूंटी-रांची मेन रोड पर हुटार चौक के पास हुई घटना

AGENCY KHUNTI : खूंटी-रांची मुख्य सड़क स्थित हुटार चौक के पास मंगलवार को हुए सड़क हादसे में बाइक सवार परिमल कुमार सांगा नामक युवक की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। दुर्घटना के बाद घटनास्थल पर लोगों की भारी भीड़ जुट गई और रांची खूंटी मुख्य मार्ग पर वाहनों की लंबी कतार लग गई। हालांकि वाहनों की आवाजाही पूरी तरह बाधित नहीं हुई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार परिमल कुमार सांगा बाइक से जियरप्पा की ओर से खूंटी आ रहा था। इसी दौरान खूंटी की ओर जा रहे एक टैंकर ने उसकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि बाइक टैंकर के अंदर फंस गई और उसका एक पहिया अलग

घटनास्थल पर लगा जाम

होकर दूर जा गिरा। हादसे में युवक सड़क पर गिर पड़ा, जिससे उसकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई। दुर्घटना के बाद सड़क पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया। हादसे के बाद टैंकर सड़क के बीचों-बीच खड़ा रहा, जिससे एनएच पर वाहनों की कतार लग गई। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और भीड़ को नियंत्रित करने में जुट गई। पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया।

डंपर की चपेट में आकर बाइक सवार की मौत, सड़क जाम

DHANBAD : धनबाद के सुदामडीह थाना क्षेत्र में मंगलवार को एक सड़क हादसे में हाइवा की चपेट में आने से बाइक सवार की मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद आक्रोशित स्थानीय लोगों ने सड़क जाम कर जमकर विरोध प्रदर्शन किया। लोगों की मांग थी कि मृतक के परिजनों को उचित मुआवजा दिया जाए। सड़क जाम होने से इलाके में यातायात व्यवस्था पूरी तरह प्रभावित हो गई और सड़क के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतार लग गई। घटना सुदामडीह थाना क्षेत्र की है, जहां मंगलवार को एक तेज रफ्तार हाइवा ने बाइक सवार को अपनी चपेट में ले लिया। हादसा इतना भयावह था कि बाइक सवार की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही स्थानीय लोग मौके पर जुट गए और हाइवा वाहन को रोक लिया। इसके बाद मामले की सूचना सुदामडीह थाना पुलिस को दी गई। सूचना मिलते ही सुदामडीह थाना प्रभारी आकृष्ट अमन दल-बल के साथ मौके पर पहुंचे। इस दौरान सड़क पर सैकड़ों की संख्या में लोग जमा हो चुके थे। पुलिस ने लोगों को समझाकर सड़क खाली कराने का कई बार प्रयास किया, लेकिन आक्रोशित लोग मुआवजे की मांग को लेकर सड़क पर ही बैठे रहे और जाम जारी रखा। मृतक की पहचान कांड्रा निवासी 45 वर्षीय रंजीत डे के रूप में हुई है। घटना के बाद परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। वहीं सड़क जाम के कारण इलाके में यातायात व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई। सड़क के किनारे वाहनों की लंबी कतार लग गई और राहगीरों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है और लोगों को समझाकर जाम हटाने का प्रयास किया जा रहा है।

पलामू के पाटन थाना प्रभारी हुए निलंबित

PALAMU : पलामू जिले के पाटन थाना प्रभारी शशि शेखर पांडेय को एसपी कपिल चौधरी ने निलंबित कर दिया है। थाना प्रभारी पर वरिष्ठ अधिकारियों के आदेश की अवहेलना का आरोप है। दरअसल, पलामू पुलिस के वरीय अधिकारियों को सूचना मिली थी कि थाना प्रभारी द्वारा कई आदेशों की अवहेलना की जा रही है। इस पर डीएसपी राजेश यादव के नेतृत्व में जांच कराई गई, तो मामला सही पाया गया। जांच रिपोर्ट के बाद शशि शेखर पांडेय को निलंबित कर पाटन थाने के एक सब-इंस्पेक्टर को प्रभार दे दिया गया।

एसपी ने बताया कि डीएसपी की रिपोर्ट के आधार पर थाना प्रभारी को निलंबित किया गया है। शशि शेखर पांडेय डेढ़ साल से पाटन में थाना प्रभारी थे। इससे पहले वे हरिहरगंज थाना में जेएसआई थे। शशि शेखर पांडेय 2018 बैच के सब-इंस्पेक्टर हैं। यहां बता दें कि 2024 में शशि शेखर पांडेय की पलामू में तैनाती हुई थी।

गढ़वा में पांच दिन पुरानी दुल्हन निकली चार माह की गर्भवती

AGENCY GARHWA : गढ़वा जिले के श्रीबंशीधर नगर थाना क्षेत्र स्थित कधवन गांव के भुइयांटोला में शादी के पांच दिन बाद चौंकाने वाला मामला सामने आ गया। मामला थाने तक पहुंच गया। जानकारी के अनुसार, भुइयां टोला निवासी कुंदन भुइयां की शादी 7 मई को जमुई गांव की निवासी सुमित्रा कुमारी के साथ हुई थी। शादी के बाद सुमित्रा दुल्हन बनकर ससुराल आई। इस दौरान सब कुछ ठीक-ठाक था। 12 मई (मंगलवार) को ससुराल पक्ष को जानकारी मिली कि सुमित्रा चार माह की गर्भवती है। इसकी जानकारी मिलते ही सुमित्रा के ससुराल और मायके में हड़कंप मच गया। सुमित्रा ने पुलिस को आवेदन देकर जमुई गांव के निवासी विकास चंद्रवंशी के साथ एक वर्ष से प्रेम प्रसंग की बात बताते हुए कहा

सुमित्रा कुमारी व कुंदन भुइयां

है कि गर्भ में पल रहा बच्चा विकास का है। सुमित्रा ने पुलिस से कथित प्रेमी विकास पर कार्रवाई की मांग की है।

ससुराल पक्ष ने नाराजगी जताते हुए कहा कि उन्हें इसकी जानकारी पहले नहीं दी गई थी। ऐसी स्थिति में सुमित्रा को अपने घर में नहीं रख सकते हैं। पति कुंदन भुइयां ने बताया कि सुहागरात को सुमित्रा ने किसी ओझा-गुनी के कहने पर पांच साल तक दूरी बनाए रखने की बात कही थी, तभी मुझे शक हुआ था। बाद में कथित प्रेमी का फोन आने पर पूरे मामला सामने आ गया। थाना प्रभारी उपेंद्र कुमार ने बताया कि सुमित्रा का आवेदन प्राप्त हुआ है। थाना में कधवन के मुखिया फिरदौस अंसारी व विलासपुर पंचायत के मुखिया प्रतिनिधि राजेंद्र यादव की उपस्थिति में पुलिस ने सुमित्रा को उसके मायके वालों के सुपुर्द कर दिया।

ब्राउन शुगर के साथ युवक गिरफ्तार

CHATRA : पत्थलगडा पुलिस ने अवैध मादक पदार्थ के खिलाफ कार्रवाई करते हुए एक युवक को ब्राउन शुगर के साथ मंगलवार को गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई गुप्त सूचना के आधार पर की गई। पुलिस अधीक्षक चतरा को सूचना मिली थी कि पत्थलगडा थाना क्षेत्र अंतर्गत चरहेट-नावाडीह के पास एक युवक द्वारा अवैध मादक पदार्थ की खरीद-बिक्री की जा रही है। सूचना के सत्यापन एवं आवश्यक कार्रवाई के लिए अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी सिमरिया के नेतृत्व में छापेमारी दल का गठन किया गया। छापेमारी के दौरान पुलिस ने चरहेट-नावाडीह के पास से मनु कुमार गुप्ता (25), पिता चतुर्गुण साव, चट्टी बारियातु, थाना केरेडारी, जिला हजारीबाग को गिरफ्तार किया। तलाशी के दौरान उसके पास से करीब 20.40 ग्राम ब्राउन शुगर, एक ओप्पो कंपनी का एंड्रॉयड मोबाइल फोन एवं एक हीरो स्लेंडर प्लस मोटरसाइकिल बरामद की गई। इस संबंध में पत्थलगड़ा (थाना कांड संख्या 31/2026) में एनडीपीएस एक्ट के तहत विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज किया गया है।

धनबाद में पत्थर से कूच कर युवक की नृशंस हत्या

घटनास्थल पर जांच करते पुलिस पदाधिकारी

DHANBAD : धनबाद जिले के धनसार थाना क्षेत्र में हत्या की एक घटना हुई है। थाना क्षेत्र के चंद्रमारी ग्राउंड में एक युवक को पत्थर से कूच कर मार डाला गया। मंगलवार की सुबह युवक का क्षत-विक्षत शव बरामद हुआ है। यह शव धोवाटांड़ इलाके के बैंक मोड़ के रहने वाले जितेश रवानी का है। उसकी उम्र 21 वर्ष बताई जा रही है। घटना क्यों अंजाम दी गई। अभी तक इसका पता नहीं चल पाया है। पुलिस इस मामले में मृतक के परिजनों से जानकारी जुटा रही है। पुलिस का कहना है कि मृतक के परिजनों से जानकारी जुटाने के बाद ही पता चलेगा कि घटना को क्यों अंजाम दिया गया है। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। इलाके में मुखबिरों का जाल फैला दिया गया है। बताया जा रहा है कि शव के पास एक बाइक मिली है। यह बाइक किसकी है इसका पता लगाया जा रहा है। पुलिस का कहना है कि हो सकता है कि बाइक के जरिए हत्या की इस घटना का कोई राज फाश हो जाए।

रामगढ़ में पारिवारिक विवाद में युवक को मारी गोली, गंभीर

RAMGARH : रामगढ़ के पारसोतिया मोहल्ले में सोमवार की देर रात फायरिंग की घटना से इलाके में सनसनी फैल गई। इस घटना में बंगाली टोला के रहने वाले गर्जन यादव का पुत्र अंकित यादव गंभीर रूप से घायल हो गया। युवक को सीने में गोली लगी है और उसकी हालत गंभीर बताई जा रही है। परिजनों के मुताबिक, अंकित यादव सोमवार की शाम अपने दोस्त के साथ घर से निकला था। कुछ देर बाद उसके दोस्त उतेश गोस्वामी ने फोन कर परिवार को गोली चलने की जानकारी दी। जानकारी मिलते ही परिजन और स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे और घायल अंकित को इलाज के लिए रांची रोड स्थित पॉलीडॉक अस्पताल ले गए। प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने उसकी गंभीर स्थिति को देखते हुए उसे रांची के

अस्पताल में इलाजरत घायल

एक निजी अस्पताल में रेफर कर दिया। डॉक्टरों के मुताबिक अंकित की सीने में गोली फंसी हुई है, जिसके कारण उसकी हालत नाजुक बनी हुई है। मामले को लेकर रामगढ़ के थाना प्रभारी नवीन प्रकाश पांडे ने बताया कि शुरूआती जांच में घटना पारिवारिक विवाद से जुड़ी प्रतीत हो रही है। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की जांच कर रही है। इसके साथ ही घायल युवक का बयान भी दर्ज किया गया है। पुलिस का कहना है कि जांच पूरी होने के बाद ही घटना के वास्तविक कारणों का खुलासा हो सकेगा।

नाबालिग से दुष्कर्म के आरोप में दारोगा गिरफ्तार, गया जेल

GUMLA : गुमला जिले में नाबालिग लड़की से दुष्कर्म करने, उसका अश्लील वीडियो बनाकर इंटरनेट मीडिया पर वायरल करने के आरोप में सहायक अवर निरीक्षक (दारोगा) मनोज पासवान को रांची से गिरफ्तार किया गया है। पीड़िता द्वारा गुमला महिला थाना में नामजद प्राथमिकी दर्ज कराने के बाद पुलिस ने मंगलवार शाम को एएसआई को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया। प्राथमिकी के अनुसार, यह मामला 2017 से शुरू हुआ था। उस समय पीड़िता की उम्र 16 वर्ष थी। आरोपी मनोज पासवान ने पीड़िता की मां से एक इंश्योरेंस पॉलिसी कराई थी, जिसके बाद उसका पीड़िता के घर आना-जाना शुरू हो गया था। इसी दौरान वह पीड़िता से भी फोन पर बात करता था। 2017 में ही आरोपी ने पीड़िता को बहला-फुसलाकर गुमला के पटेल चौक के पास बुलाया और वहां से उसे एक होटल के कमरे में ले गया। होटल में आरोपी ने नाबालिग के साथ दुष्कर्म किया और उसका अश्लील वीडियो बना लिया।

कपड़े के गोदाम में लगी आग 40 लाख का हुआ नुकसान

AGENCY KODERMA : कोडरमा थाना अंतर्गत जलवाबाद स्थित एक मकान के ऊपर बने कपड़े के गोदाम में मंगलवार की सुबह अचानक आग लग जाने से गोदाम में रखा करीब 40 लाख का कपड़ा जलकर राख हो गया। मामले की जानकारी देते हुए गोदाम मालिक शमशाद आलम ने बताया कि वे अपने परिवार के साथ अपने घर में सोए हुए थे। इसी दौरान नमाज पढ़ने जा रहे घर के बगल के लोगों ने देखा कि उनके घर के ऊपर के हिस्से में तेज आग लगी हुई है। इसके पश्चात उन लोगों ने उनके छोटे भाई प्रिंस को इसकी सूचना दी। प्रिंस ने फोन कर इन्हें आगजनी की जानकारी दी। शमशाद ने बताया कि प्रिंस द्वारा सूचना दिए जाने के बाद वे

घटनास्थल पर पहुंची दमकल

आनन-फानन में उठे और घर के बाहर आकर देखा कि उनके छत पर आग की तेज लपट उठ रही थी। उन्होंने सबसे पहले बिजली के मेन कनेक्शन को कट किया और आसपास के लोगों को शोर मचाकर उठाया। इसके पश्चात आसपास के लोगों की ओर से आग बुझाने की कोशिश की गई। लेकिन आग की लपट तेज होने के कारण आग पर काबू नहीं पाया जा सका। इसके बाद इसकी सूचना अग्निशमन विभाग को दी। जिसके बाद अग्निशमन वाहन उनके घर पर पहुंची और करीब दो घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया जा सका। शमशाद ने बताया कि इस अगजनी में उन्हें करीब 40 लाख रुपये का नुकसान हुआ है। जिसमें 35 लाख रुपये का कपड़ा जला है, जबकि 5 लाख रुपये का फर्नीचर भी जलकर खाक हो गया है।

सियासत पुराने कार्यकर्ताओं को खल गई अनियमितता, संगठन मंत्री तक पहुंचा दी बात

प्रदेश नेतृत्व तक पहुंचा भाजपा के बागबेड़ा मंडल अध्यक्ष का मामला

MUJTABA RIZVI @ JSR : बागबेड़ा में भाजपा के गैर-सक्रिय सदस्य राकेश चौबे को मंडल अध्यक्ष बनाने का मामला अब तूल पकड़ता जा रहा है। इस मामले में अब जिला इकाई पर कार्रवाई की तलवार लटक गई है। माना जा रहा है कि प्रदेश नेतृत्व इस मामले में भाजपा की जिला इकाई को कारण बताओ नोटिस जारी करेगा। जमशेदपुर महानगर अध्यक्ष संजीव सिन्हा से इस बारे में पूछताछ होगी। माना जा रहा है कि अब बागबेड़ा के मंडल अध्यक्ष राकेश चौबे की नियुक्ति रद होने की नौबत भी आ सकती है।

इस मामले को लेकर 14 भाजपा कार्यकताओं ने रांची जाकर सोमवार को भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू से मुलाकात की और उन्हें लिखित शिकायत दी। इस शिकायत पर पार्टी के छह नेताओं के हस्ताक्षर हैं। इनमें

रांची में भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष से मिलने पहुंचे बागबेड़ा के कार्यकर्ता

अश्विनी तिवारी, सुबोध झा, शैलेष पाठक, मनोज कुमार सिंह, सुरेश प्रसाद और सूरज ओझा शामिल हैं। इनमें से कई नेता भाजपा की जिला इकाई में पदाधिकारी हैं या रह चुके हैं। इन सभी नेताओं ने प्रदेश अध्यक्ष को पूरे मामले से अवगत कराया है। इसके बाद प्रदेश अध्यक्ष ने भाजपा के जमशेदपुर महानगर अध्यक्ष से फोन पर बात की है। महानगर अध्यक्ष को मामले को जल्द ही शॉर्टआउट करने को कहा गया है। पार्टी के सूत्रों का कहना है कि यह शिकायत केंद्रीय संगठन के कुछ पदाधिकारियों तक भेज दी गई है। बागबेड़ा में मंडल अध्यक्ष के चुनाव में जो कुछ हुआ और जिस तरह से गैर-सक्रिय सदस्य राकेश चौबे को मंडल अध्यक्ष बनाया गया है, उससे वरिष्ठ नेताओं में नाराजगी है। वरिष्ठ नेता ऐसा मान रहे हैं कि इस मामले में पार्टी के नियमों का उल्लंघन किया गया है। इसलिए, बागबेड़ा में मंडल अध्यक्ष की नियुक्ति रद्द होनी चाहिए और इस मंडल का चुनाव दोबारा किया जाना चाहिए। सूत्र बताते हैं कि इस मामले की लीपापोती करने के प्रयास भी शुरू हो गए हैं। प्रदेश अध्यक्ष से शिकायत के बाद बीच का रास्ता निकालने की कोशिश की जा रही है। इसके लिए शिकायत करने वाले पार्टी कार्यकताओं और नेताओं से संपर्क साधा जा रहा है। उन्हें मनाया जा रहा है। सूत्रों की मानें तो शिकायत कताओं में से दो कार्यकताओं को जिले की इकाई में खाली पड़े पद देने का ऑफर भी दिया गया है। सूत्र बताते हैं कि अभी तक मामले का कोई हल नहीं निकल पाया है। शिकायत करने वाले कार्यकर्ता इस बात पर अड़े हुए हैं कि अगर बागबेड़ा मंडल अध्यक्ष का चुनाव नियमसंगत नहीं है, तो कार्रवाई होनी चाहिए और यह चुनाव प्रक्रिया रद्द की जानी चहिए। मामले की शिकायत संगठन मंत्री से कर दी गई है। बताया जा रहा है कि संगठन मंत्री ने इस मामले में जमशेदपुर भाजपा के महानगर अध्यक्ष संजीव सिन्हा से पूरी रिपोर्ट मांगी है।

भारी पड़ रहा पूर्व महानगर अध्यक्ष के खिलाफ धरना देना

बागबेड़ा के मंडल अध्यक्ष राकेश चौबे पर पूर्व महानगर अध्यक्ष सुधांशु ओझा के खिलाफ धरना देने का आरोप है। यह मामला तब का है, जब सुधांशु ओझा भाजपा के महानगर अध्यक्ष थे। उन्होंने कुछ नेताओं की नियुक्ति की थी। इससे नाराज होकर कुछ भाजपा कार्यकताओं ने साकची में पार्टी जिला कार्यालय के सामने सुधांशु ओझा के खिलाफ धरना दिया था। आरोप है कि इस धरने में राकेश चौबे भी शामिल थे। यह बात भी प्रदेश अध्यक्ष को बता दी गई है।

इस मामले में हम जमशेदपुर महानगर अध्यक्ष से बात करेंगे। अभी हमें इस मामले में ज्यादा कुछ जानकारी नहीं है। वहां से रिपोर्ट आने के बाद ही आगे की प्रक्रिया तय की जाएगी।

– कर्मवीर सिंह,
भाजपा संगठन मंत्री

गलती से हो गई होगी नाम की घोषणा

बागबेड़ा के भाजपा नेताओं ने जब मामले की शिकायत प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू से की थी तो उन्होंने पहले तो इस बात की जांच कराई कि मंडल अध्यक्ष राकेश चौबे पार्टी के सक्रिय सदस्य हैं या नहीं। जांच पूरी होने के बाद प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि हो सकता है कि राकेश चौबे का चुनाव गलती से हो गया हो। क्योंकि, मंडल अध्यक्ष 45 साल से कम उम्र का घोषित होना था। झारखंड में 500 मंडल अध्यक्ष बनाए गए हैं। ऐसे में गलती होना स्वाभाविक है। दूसरी तरफ, माना जा रहा है कि इस मामले में महानगर अध्यक्ष की भूमिका संदिग्ध है।

मामला अब प्रदेश अध्यक्ष के संज्ञान में चला गया है। इस मामले में प्रदेश जो भी निर्णय लेगा वह मान्य होगा।

– संजीव सिन्हा
जमशेदपुर भाजपा महानगर अध्यक्ष

जयंती पर टाटा स्टील ने पीएन बोस को किया याद

JAMSHEDPUR : टाटा स्टील ने मंगलवार को बिष्टुपुर के नॉर्दर्न टाउन में प्रख्यात भूवैज्ञानिक और दूरदर्शी विचारक प्रमथनाथ बोस की 171वीं जयंती के अवसर पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। इस मौके पर बतौर मुख्य अतिथि टाटा स्टील के वाइस प्रेसिडेंट-रॉ मैटेरियल्स संदीप कुमार व टाटा वर्कर्स यूनियन के वाइस प्रेसिडेंट शैलेश कुमार सिंह शामिल हुए। कार्यक्रम में वक्ताओं ने पीएन बोस के जीवन और विरासत पर प्रकाश डालते हुए उनके ऐतिहासिक योगदान को याद किया। वर्ष 1904 में उन्होंने जमशेदजी नसरवानजी टाटा को मयूरभंज क्षेत्र में लौह अयस्क भंडार संबंधी जो ऐतिहासिक पत्र लिखा था, वही आगे चलकर वर्ष 1907 में जमशेदपुर में टाटा स्टील की स्थापना का महत्वपूर्ण आधार बना। भूविज्ञान, खनिज अन्वेषण, वैज्ञानिक अनुसंधान और राष्ट्रनिर्माण के क्षेत्र में उनका अमूल्य योगदान आज भी पीढ़ियों को प्रेरित करता है।

श्रद्धांजलि देते टाटा स्टील के वीपी संदीप कुमार

कार्यक्रम में पी एन बोस को भारत के अग्रणी भूवैज्ञानिकों में से एक तथा तकनीकी शिक्षा और आत्मनिर्भरता के प्रबल समर्थक के रूप में याद किया गया। उनका योगदान केवल खनिज की खोजों तक सीमित नहीं था, बल्कि उन्होंने देश में वैज्ञानिक सोच, तकनीकी जागरूकता और औद्योगिक प्रगति को बढ़ावा देने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस अवसर पर टाटा स्टील के नेचुरल रिसोर्सेज डिवीजन (NRD) की ओर से जमशेदपुर स्थित पीएन बोस जियोलॉजिकल सेंटर में पीएन बोस के जीवन और योगदान पर एक विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया।

BRIEF NEWS

विभागीय जांच में क्लीन चिट, झाप्रसे अधिकारी निलंबन से मुक्त

RANCHI : राज्य सरकार ने झारखंड प्रशासनिक सेवा के अधिकारी अनिल कुमार सिंह को बड़ी राहत देते हुए विभागीय आरोपों से मुक्त कर दिया है। सरकार ने उनका निलंबन भी समाप्त कर दिया है। कार्मिक, प्रशासनिक सुधार तथा राजभाषा विभाग की ओर से इस संबंध में संकल्प जारी किया गया है। अनिल कुमार सिंह पर कृषि विभाग में अवर सचिव रहते हुए 10 अक्टूबर 2023 से 27 अक्टूबर 2023 तक अवकाश पर रहने के बाद अनधिकृत रूप से कार्यालय से अनुपस्थित रहने का आरोप लगा था। आरोप को लेकर वर्ष 2024 में उन्हें निलंबित करते हुए विभागीय कार्यवाही शुरू की गई थी। मामले की जांच के दौरान जांच पदाधिकारी ने आरोपों को प्रमाणित नहीं माना। इसके बाद सरकार ने पुनर्जांच कराई, जिसमें भी आरोप साबित नहीं हुए। सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी संजय सिन्हा की ओर से सौंपी गई पुनर्जांच रिपोर्ट में भी अनिल कुमार सिंह को आरोपमुक्त बताया गया। जांच रिपोर्ट, बचाव पक्ष के जवाब और उपलब्ध अभिलेखों की समीक्षा के बाद सरकार ने अंतिम निर्णय लेते हुए उन्हें पूरी तरह आरोपमुक्त कर दिया।

व्यावसायिक शिक्षकों के समर्थन में सड़क पर उतरा जेएलकेएम

RANCHI : झारखंड लोक क्रांतिकारी मोर्चा (जेएलकेएम) ने राज्य के विभिन्न विद्यालयों में कार्यरत व्यावसायिक प्रशिक्षकों के 13 माह से लंबित मानदेय भुगतान की मांग को लेकर मंगलवार को राजधानी रांची में प्रदर्शन किया। मोराबादी स्थित बापू वाटिका से अल्बर्ट एक्का चौक तक पदयात्रा निकाल सरकार एवं संबंधित विभाग के खिलाफ नारेबाजी की। जेएलकेएम के केंद्रीय वरीय उपाध्यक्ष देवेंद्र नाथ महतो के नेतृत्व में निकली पदयात्रा को पुलिस ने शहीद चौक के पास रोक दिया। इसके बाद प्रदर्शनकारी जिला स्कूल मैदान पहुंचे। हालांकि कुछ देर बाद सभी फिर अल्बर्ट एक्का चौक की ओर बढ़े, जहां पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच बहस भी हुई।

बंगाल में नवनियुक्त मुख्य सचिव को मारवाड़ी समाज ने दी बधाई

RANCHI : झारखंड प्रांतीय मारवाड़ी सम्मेलन के प्रांतीय अध्यक्ष सुरेश चंद्र अग्रवाल, महामंत्री विनोद तथा संयुक्त महामंत्री सह प्रवक्ता संजय सर्राफ ने मंगलवार को मनोज कुमार अग्रवाल को पश्चिम बंगाल का मुख्य सचिव (सीएस) नियुक्त किए जाने पर हर्ष व्यक्त करते हुए उन्हें बधाई और शुभकामनाएं दी है। सम्मेलन के पदाधिकारियों ने कहा कि मनोज कुमार अग्रवाल की यह उपलब्धि मारवाड़ी समाज के लिए गर्व और प्रेरणा का विषय है। उन्होंने कहा कि समाज के लोग शिक्षा, प्रशासन, व्यापार, राजनीति और सामाजिक क्षेत्र में अपनी प्रतिभा एवं कार्यकुशलता से देशभर में विशिष्ट पहचान बना रहे हैं।

लोकभवन में राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने की बिहार आई बैंक ट्रस्ट के कार्यों की समीक्षा

प्रदेश में अत्याधुनिक नेत्र चिकित्सा सुविधाओं के विस्तार पर दिया जोर

PHOTON NEWS RANCHI : मंगलवार को राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने लोकभवन में बिहार आई बैंक ट्रस्ट के कार्यों की समीक्षा की। राज्यपाल ने ट्रस्ट को राज्य में उत्कृष्ट, विश्वसनीय और जनहितकारी नेत्र चिकित्सा संस्थान के रूप में विकसित करने का निर्देश दिया। उन्होंने गुणवत्तापूर्ण नेत्र चिकित्सा सेवाओं के विस्तार के साथ अधिक से अधिक जरूरतमंद लोगों तक आधुनिक इलाज पहुंचाने पर जोर दिया। बैठक में राज्यपाल ने बिहार आई बैंक का नाम बदलकर जल्द झारखंड आई बैंक करने की प्रक्रिया शुरू करने का निर्देश दिया। गंगवार ने ट्रस्ट से जुड़ी भूमि संबंधी समस्याओं के त्वरित समाधान की आवश्यकता भी बताई। कहा कि ऐसा सेवा मॉडल विकसित किया जाए, जिससे संस्था को अधिक से अधिक कॉरपोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी (सीएसआर) फंड प्राप्त हो सके और एडवांस आई केयर सुविधाओं का विस्तार किया जा सके।

बैठक करते राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार व अन्य • फोटोन न्यूज

- नाम बदलकर जल्द झारखंड आई बैंक प्रक्रिया शुरू करने का दिया निर्देश
- ट्रस्ट से जुड़ी भूमि संबंधी समस्याओं के त्वरित समाधान की बताई आवश्यकता

आयुष्मान भारत योजना से जोड़ने का निर्देश

गवर्नर ने अस्पताल को आयुष्मान भारत योजना से जोड़ने की दिशा में भी आवश्यक कार्रवाई करने का निर्देश दिया, ताकि आर्थिक रूप से कमजोर मरीजों को बेहतर और सुलभ उपचार मिल सके। साथ ही अस्पताल के प्रभावी संचालन के लिए दक्ष अस्पताल प्रबंधक अथवा प्रशासक की नियुक्ति पर भी बल दिया।

डॉ. टीपी बर्णवाल को ट्रस्टी नियुक्त करने का निर्णय

बैठक में डॉ. टीपी बर्णवाल को ट्रस्टी नियुक्त करने का निर्णय लिया गया, जबकि अजय जैन का संयुक्त सचिव पद से इस्तीफा स्वीकार कर लिया गया। समीक्षा बैठक में अपर मुख्य सचिव नितिन कुलकर्णी, विकास आयुक्त-सह-अपर मुख्य सचिव स्वास्थ्य अजय कुमार सिंह, वित्त विभाग के सचिव प्रशांत कुमार, राज्यपाल सचिवालय के विशेष सचिव ए.के. सत्यजीत, बिहार आई बैंक ट्रस्ट की सचिव डॉ. प्रनन्ति सिन्हा समेत अन्य ट्रस्टी उपस्थित थे।

बीएयू में खरीफ सीजन को लेकर कृषि कार्यशाला के दौरान बनी रणनीति

किसानों तक योजनाओं का लाभ पहुंचाना प्राथमिकता : शिल्पी तिर्की

PHOTON NEWS RANCHI : झारखंड में कृषि व्यवस्था को अधिक मजबूत, संगठित और किसान केंद्रित बनाने के उद्देश्य से बिरसा कृषि विश्वविद्यालय (बीएयू) सभागार में आयोजित दो दिवसीय राज्य स्तरीय कृषि कार्यशाला का मंगलवार को समापन हुआ। इस दौरान कृषि मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने कहा कि राज्य सरकार का लक्ष्य केवल योजनाएं बनाना नहीं, बल्कि उनका लाभ अंतिम किसान तक प्रभावी ढंग से पहुंचाना है। उन्होंने कहा कि किसानों के हितों से किसी भी परिस्थिति में समझौता नहीं किया जाएगा।

कृषि मंत्री ने कहा कि मौसम विभाग द्वारा इस वर्ष एल-नीनो प्रभाव के कारण सामान्य से कम वर्षा की संभावना जताई गई है। इसे देखते हुए सभी जिलों को आकस्मिक सुखाड़ योजना (कंटिजेंसी प्लान) तैयार करने का निर्देश दिया गया है। कार्यशाला के दौरान जिलों की ओर से प्रस्तुत ड्राफ्ट कंटिजेंसी प्लान पर चर्चा कर राज्य स्तरीय समेकित रणनीति तैयार की गई। कृषि मंत्री ने कहा कि किसानों को समय पर गुणवत्तापूर्ण बीज, सिंचाई सुविधा, कृषि ऋण, उर्वरक और कीटनाशकों की उपलब्धता सुनिश्चित करना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। पंचायत स्तर तक किसानों की भागीदारी बढ़ाने, योजनाओं के समयबद्ध क्रियान्वयन तथा किसान उत्पादक संगठनों और स्वयं सहायता समूहों को कृषि योजनाओं से जोड़ने पर विशेष जोर दिया गया है। कृषि मंत्री ने जानकारी दी कि इस वर्ष मधुमक्खी पालन, लाख उत्पादन, उद्यानिकी और कृषि आधारित स्वरोजगार योजनाओं को प्राथमिकता दी जाएगी। संबंधित विभागों को समयसीमा के भीतर कार्य पूरा करने का निर्देश दिया गया है। उन्होंने कहा कि किसानों की समस्याओं का त्वरित समाधान ही सरकार की सफलता का असली पैमाना है और खेती को लाभकारी, टिकाऊ व आत्मनिर्भर बनाने के लिए राज्य सरकार पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

कृषकों के हितों से किसी भी परिस्थिति में नहीं किया जाएगा समझौता

कृषि कार्यशाला में मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की व अन्य • फोटोन न्यूज

कार्यक्रमों के लिए विस्तृत कार्ययोजना तय

कार्यशाला के समापन के साथ आगामी कार्यक्रमों के लिए विस्तृत कार्ययोजना भी तय की गई है। 15 मई को जिला स्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित होगी, जिसमें खरीफ मौसम की तैयारियों और राज्य स्तरीय निदेशों की समीक्षा की जाएगी। इसके बाद 20 मई को जिला मुख्यालयों में वृहद खरीफ कार्यशाला आयोजित होगी, जहां कम से कम 500 प्रगतिशील किसानों की भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी। किसानों के लिए मृदा परीक्षण की विशेष व्यवस्था भी की जाएगी। 22 मई को सभी प्रखंड मुख्यालयों में प्रखंड स्तरीय खरीफ कार्यशालाएं आयोजित होंगी, जिनमें पंचायत स्तर के किसानों और स्थानीय जनप्रतिनिधियों को जोड़ा जाएगा।

रोकी जाएगी उर्वरकों की कालाबाजारी

बीज वितरण व्यवस्था में इस बार एफपीओ और स्वयं सहायता समूहों की भागीदारी भी सुनिश्चित की जाएगी। इसके अलावा पशुपालन विभाग को मई के अंत तक वैक्सीनेशन और दवाइयों की खरीद प्रक्रिया पूरी करने का निर्देश दिया गया है। वहीं लंबित ट्रैक्टर और सोलर पंप वितरण को प्राथमिकता देने, तालाब निर्माण कार्य पूर्ण करने, मत्स्य बीज वितरण, डीप इरिगेशन और मल्चिंग लक्ष्य पूरे करने तथा उर्वरकों की कालाबाजारी रोकने के लिए जिला स्तर पर टास्क फोर्स गठित करने का निर्णय लिया गया है।

अग्निवीर भर्ती को लेकर 1 से 15 जून तक होगी सीईई परीक्षा जल्द जारी होंगे एडमिट कार्ड

प्रवेश पत्र में अंकित तिथि, समय और परीक्षा केंद्र के अनुसार होगा एग्जाम

PHOTON NEWS RANCHI : सेना भर्ती कार्यालय रांची ने अग्निवीर भर्ती वर्ष-2026 के लिए कॉमन एंट्रेंस एग्जामिनेशन (सीईई) की तारीखों की आधिकारिक घोषणा कर दी है। भर्ती परीक्षा 1 जून से 15 जून 2026 तक आयोजित की जाएगी। यह परीक्षा उन सभी पात्र अभ्यर्थियों के लिए होगी जिन्होंने अग्निवीर भर्ती प्रक्रिया के तहत ऑनलाइन आवेदन सफलतापूर्वक पूरा किया है। भर्ती कार्यालय की ओर से जारी सूचना के अनुसार, सभी उम्मीदवारों के एडमिट कार्ड जल्द ही भारतीय सेना की आधिकारिक वेबसाइट ज्वाइन इंडियन आर्मी पर अपलोड किए जाएंगे। अभ्यर्थियों को नियमित रूप से वेबसाइट चेक करने और एडमिट कार्ड जारी होते ही उसे डाउनलोड करने की सलाह दी गई है। परीक्षा का आयोजन एडमिट कार्ड में अंकित तिथि, समय और परीक्षा केंद्र के अनुसार किया जाएगा। परीक्षा केंद्र पर अभ्यर्थियों को प्रिंटेड एडमिट कार्ड, मूल फोटो पहचान पत्र, पासपोर्ट साइज फोटो और एडमिट कार्ड में उल्लिखित अन्य आवश्यक दस्तावेज साथ लाना अनिवार्य होगा। सेना भर्ती कार्यालय ने उम्मीदवारों को परीक्षा केंद्र पर निर्धारित रिपोर्टिंग समय से पहले पहुंचने और एडमिट कार्ड पर दिए गए सभी निर्देशों का पालन करने को कहा है। इसके साथ ही सेना भर्ती कार्यालय ने अभ्यर्थियों को दलालों और फर्जी एजेंटों से सावधान रहने की चेतावनी भी दी है। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि भारतीय सेना में चयन प्रक्रिया पूरी तरह मेरिट आधारित और पारदर्शी होती है।

मनरेगा कर्मियों को भी दिया जाएगा सरकारी सैलरी पैकेज का लाभ, डीसी-डीडीसी को निर्देश

PHOTON NEWS RANCHI : हेमंत सरकार ने मनरेगा योजना में कार्यरत 5000 से अधिक पदाधिकारियों और कर्मियों को स्टेट गवर्नमेंट सैलरी पैकेज (एसजीएसपी) योजना से जोड़ने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। इस संबंध में महात्मा गांधी नरेगा कार्यालय की ओर से सभी उपायुक्तों और उपविकास आयुक्तों को पत्र भेजकर आवश्यक कार्रवाई का निर्देश दिया गया है।

सरकार और बैंक ऑफ इंडिया के बीच हुए समझौते के तहत संचालित एसजीएसपी योजना के जरिए सरकारी, संविदा कर्मियों और पेंशनरों को विशेष बैंकिंग व बीमा सुविधाएं दी जाती हैं। अब सृजित पदों पर कार्यरत मनरेगा कर्मियों को भी इसका लाभ मिलेगा। योजना के तहत कर्मियों को कम ब्याज दर पर ऋण, व्यक्तिगत दुर्घटना बीमा, एयर दुर्घटना बीमा, स्थायी पूर्ण दिव्यांगता कवर और आंशिक दिव्यांगता कवर जैसी सुविधाएं उपलब्ध होंगी। इसके अलावा सैलरी अकाउंट पर विशेष बैंकिंग और डिजिटल सेवाओं का लाभ भी मिलेगा। महात्मा गांधी नरेगा कार्यालय के विशेष कार्य पदाधिकारी ब्रजेंद्र हेमरोम ने सभी जिलों को निर्देश दिया है कि मनरेगा कर्मियों को योजना की जानकारी देकर अधिक से अधिक लोगों को इससे जोड़ा जाए। वित्त विभाग के निर्देश के आलोक में यह पत्र लिखा गया है।

- 5000 से अधिक पदाधिकारियों और कर्मचारियों को एसजीएसपी से जोड़ने की प्रक्रिया शुरू
- योजना के तहत कम ब्याज दर पर ऋण और व्यक्तिगत दुर्घटना बीमा की मिलेगी सुविधा

हिंदपीढ़ी में नशे के कारोबार से जुड़ी महिला समेत छह गिरफ्तार

RANCHI : राजधानी के हिंदपीढ़ी इलाके में चल रहे नशा कारोबार के नेटवर्क को पुलिस ने ध्वस्त किया है। पुलिस के द्वारा की गई छापेमारी में एक महिला समेत कुल छह आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है, जबकि ब्राउन शुगर, गांजा, टैबलेट सहित नगद पैसे भी पुलिस के हाथ लगे हैं। दरअसल, रांची के हिंदीपीढ़ी थाना क्षेत्र में संगठित रूप से नशे का कारोबार किया जा रहा था। नशा तस्करों के द्वारा एजेंट बनकर ब्राउन शुगर, गांजा जैसे मादक पदार्थों की बिक्री की जा रही थी। सटीक सूचना मिलने पर एएसपी कोतवाली के नेतृत्व में चार थानों की पुलिस ने संयुक्त छापेमारी कर भारी मात्रा में ब्राउन शुगर, गांजा, नशीले इंजेक्शन, टेबलेट और लाखों रुपये नकद बरामद किए हैं।

सदर हॉस्पिटल में मनाया गया इंटरनेशनल नर्स डे, सिविल सर्जन डॉ. प्रभात कुमार बोले-

मरीजों की देखभाल, उपचार व आपातकालीन सेवाओं में नर्सों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण

PHOTON NEWS RANCHI : मंगलवार को सदर अस्पताल रांची में इंटरनेशनल नर्स डे मनाया गया। इस साल का थीम 'आवर नर्स, आवर फ्यूचर : इंपावर्ड नर्सेज सेव लाइव्स' है। जिसका मुख्य उद्देश्य नर्सों की देखभाल और बेहतर कार्य परिस्थितियों के माध्यम से स्वास्थ्य व्यवस्था व अर्थव्यवस्था को मजबूत करना है। इस दौरान अस्पताल में कार्यरत नर्सों को उनके समर्पण, सेवा भावना और मरीजों के प्रति उत्कृष्ट योगदान के लिए सम्मानित किया गया। सिविल सर्जन डॉ. प्रभात कुमार ने उत्कृष्ट कार्य करने वाली नर्सों को प्रशस्ति पत्र प्रदान किया। इस अवसर पर डॉ. प्रभात कुमार ने कहा कि नर्सें स्वास्थ्य व्यवस्था की रीढ़ होती हैं। मरीजों की देखभाल, उपचार और आपातकालीन सेवाओं में उनकी भूमिका बेहद महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि नर्सें दिन-रात अपनी सेवाएं देकर मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने में अहम योगदान देती हैं। वहीं दूसरी ओर मैटरनिटी वार्ड में नर्सों ने केक काटकर इस दिन को सेलिब्रेट किया और शपथ भी ली। नर्सों को सोशल एक्टिविस्ट ज्योति शर्मा ने शॉल भेंट कर सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि नर्सों के बिना अस्पताल की कल्पना संभव नहीं है। ये निस्वार्थ भाव से 24 घंटे मरीजों की सेवा करती हैं और हर परिस्थिति में अपने कर्तव्यों का निर्वहन करती हैं।

कार्यक्रम में उपस्थित नर्स व अन्य • फोटोन न्यूज

सेहत | हो सकती है 'लूपस' जैसी गंभीर ऑटोइम्यून बीमारी, चिकित्सक से सलाह लेना जरूरी

धूप से एलर्जी और सांस लेने में परेशानी को न करें इग्नोर

PHOTON NEWS RANCHI : विश्व लूपस दिवस के अवसर पर लूपस जैसी गंभीर ऑटोइम्यून बीमारी के प्रति जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से रिम्स के स्किन ओपीडी में एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर डॉक्टरों, स्वास्थ्यकर्मियों और उपस्थित लोगों को लूपस बीमारी के लक्षण, पहचान और उपचार के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। डॉ. प्रभात कुमार ने बताया कि इसका मुख्य उद्देश्य समाज में इस बीमारी को लेकर फैली भ्रांतियों को दूर करना और समय पर इलाज के प्रति लोगों को जागरूक करना था। धूप से एलर्जी, मुंह में छाले और सांस लेने में परेशानी की स्थिति को इग्नोर नहीं करना चाहिए। विशेषज्ञों ने बताया कि लूपस एक गंभीर ऑटोइम्यून बीमारी है, जिसमें शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली अपने ही अंगों और ऊतकों पर हमला करने लगती है। यह बीमारी त्वचा, जोड़ों, किडनी, रक्त, फेफड़ों सहित शरीर के कई महत्वपूर्ण अंगों को प्रभावित कर सकती है। समय रहते पहचान नहीं होने पर यह गंभीर रूप भी ले सकती है। इस दौरान बताया गया कि लूपस के सामान्य लक्षणों में बार-बार बुखार आना, अत्यधिक थकान महसूस होना, जोड़ों में दर्द और सूजन, चेहरे पर तितली के आकार का लाल चकत्ता (बटरफ्लाई रैश), धूप से एलर्जी, बाल झड़ना, मुंह में छाले और सांस लेने में परेशानी शामिल हैं। कुछ मरीजों में किडनी से जुड़ी समस्याएं, खून की कमी और रक्त के असामान्य थक्के बनने जैसी दिक्कतें भी सामने आती हैं।

- अपने ही अंगों और ऊतकों पर हमला करने लगती है शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली
- कुछ मरीजों को किडनी की समस्याओं और खून की कमी का भी करना पड़ता है सामना
- ऑटोइम्यून बीमारी को लेकर रिम्स के स्किन ओपीडी में हुआ जागरूकता कार्यक्रम

जागरूकता कार्यक्रम में जानकारी देते डॉ. प्रभात कुमार अन्य • फोटोन न्यूज

टेस्ट से ही इस रोग की पुष्टि संभव

डॉक्टरों ने कहा कि लूपस की पहचान केवल लक्षणों के आधार पर नहीं की जाती, बल्कि रक्त जांच जैसे एएनए, एंटी डीएस डीएनए और अन्य जरूरी जांचों के माध्यम से इसकी पुष्टि की जाती है। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि समय पर निदान और उचित इलाज से मरीज सामान्य एवं बेहतर जीवन जी सकते हैं। कार्यक्रम के अंत में लोगों से अपील की गई कि वे जागरूकता, संवेदनशीलता और समय पर उपचार को अपनाकर लूपस जैसी बीमारी से लड़ने में सहयोग करें।

सचिवालय सेवा संवर्ग की कैडर रिव्यू समिति की हुई बैठक

RANCHI : मंगलवार को झारखंड सचिवालय सेवा संवर्ग के कैडर रिव्यू को लेकर गठित समिति की बैठक हुई। सदस्य राजस्व परिषद मस्तराम मीणा की अध्यक्षता में आयोजित इस बैठक में सचिवालय सेवा से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया। बैठक में कार्मिक सचिव प्रवीण टोप्पो, वित्त सचिव प्रशांत कुमार और भू-राजस्व सचिव चंद्रशेखर मौजूद रहे। वहीं, इस बैठक में पहली बार सचिवालय सेवा के दो पदाधिकारी अध्यक्ष रितेश कुमार और महासचिव राजेश कुमार शामिल हुए, जिन्होंने जमीनी स्तर की समस्याओं और आवश्यकताओं को समिति के समक्ष रखा।

पानी-बिजली संकट पर भाजपा का घड़ा फोड़ प्रदर्शन, कांग्रेस ने बताया नौटंकी

PHOTON NEWS RANCHI : राजधानी रांची में पानी और बिजली संकट को लेकर भारतीय जनता पार्टी और कांग्रेस के बीच राजनीतिक बयानबाजी तेज हो गई है। भाजपा ने मंगलवार को जिला स्कूल मैदान शहीद चौक से जिला समाहरणालय तक घड़ा फोड़ आक्रोश प्रदर्शन रैली निकालकर राज्य सरकार के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन किया, वहीं कांग्रेस ने इसे जनता की समस्याओं पर राजनीति करार दिया। भाजपा रांची महानगर, रांची पूर्वी और रांची पश्चिमी जिला इकाइयों के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस प्रदर्शन में हजारों की संख्या में महिला और पुरुष कार्यकर्ता शामिल हुए। प्रदर्शन के दौरान जिला समाहरणालय का घेराव किया गया और राज्य सरकार के खिलाफ नारेबाजी हुई। कार्यक्रम में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू, पूर्व मुख्यमंत्री अर्जुन मुंडा, केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ और विधायक सीपी सिंह समेत कई नेता मौजूद रहे। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू ने कहा कि झारखंड में भीषण जल संकट और लगातार बिजली कटौती से जनता परेशान है।

उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य सरकार जनता को पानी और बिजली जैसी मूलभूत सुविधाएं देने में विफल रही है। उन्होंने कहा कि सरकार ने जनता की गाढ़ी कमाई को चुनाव प्रचार में खर्च किया, जबकि लोगों को पीने का पानी और निर्बाध बिजली नहीं मिल पा रही है।

समाचार सार

24 को होगी राज्य योगासन स्पोर्ट्स चैंपियनशिप

JAMSHEDPUR : जमशेदपुर में 24 मई को कदमा स्थित आंध्रा एसोसिएशन इंग्लिश स्कूल के सभागार में राज्य योगासन स्पोर्ट्स चैंपियनशिप होगी। वर्ल्ड फिटनेस फेडरेशन ऑफ योगासन स्पोर्ट्स के झारखंड चैप्टर की ओर से प्रतियोगिता के लिए नई कार्यकारिणी समिति का गठन किया गया है। इसमें अंतरराष्ट्रीय योग गुरु अंशु सरकार को संगठन का अध्यक्ष बनाया गया। वहीं सामाजिक कार्यकर्ता इंद्रजीत घोष को संरक्षक की जिम्मेदारी दी गई। इसके अलावा अंजना कुमारी सिंह और विश्वजय चौधरी को उपाध्यक्ष, इंद्रजीत चक्रवर्ती को महासचिव, एमके शर्मा को कोषाध्यक्ष और जगदीश सिंह को सह-कोषाध्यक्ष नियुक्त किया गया। इच्छुक प्रतिभागी 20 मई तक आवेदन कर सकते हैं। आयोजन में सरकार योगा एकेडमी सहयोगी संस्था की भूमिका निभाएगी। वहीं प्रसाद नंदी को मुख्य निर्णायक और गौरांग सरकार को मुख्य पर्यवेक्षक बनाया गया है।

कदमा में महिला से चेन छिनतई

JAMSHEDPUR : कदमा थाना क्षेत्र के उलियान इलाके में मंगलवार को एक महिला से चेन छिनतई हो गई। बताते हैं कि विद्यासागर पथ पर मधुसूदन अपार्टमेंट में रहने वाले उत्पल कुमार दत्ता की पत्नी किसी काम से बाहर गई थी। वह घर लौट रही थी, तभी अपार्टमेंट के गेट के पास बाइक सवार दो बदमाश आए और गले से सोने की चेन छीन कर फरार हो गए। गौरतलब है कि कुछ दिनों पहले ही कदमा में बाइक सवार बदमाशों ने एक महिला के गले से चेन की छिनतई कर ली थी। पुलिस ने इस घटना का खुलासा करते हुए तीन आरोपियों को जेल भेजा था। इसमें सोने की चेन खरीदने के बाद इसे गला कर तीन अंगूठियां बनाने वाला सोनार भी गिरफ्तार किया गया था।

भगवान वेंकटेश्वर मंदिर में ब्रह्मोत्सव प्रारंभ

CHAKRADHARPUR : चक्रधरपुर क्षेत्र के पंचमोड़ स्थित भगवान वेंकटेश्वर (बालाजी) मंदिर में मंगलवार को 43वां वार्षिक ब्रह्मोत्सव प्रारंभ हो गया। दो दिवसीय उत्सव आंध्रा एसोसिएशन की ओर से मनाया जा रहा है। मंगलवार को ध्वजारोहणम, होमम और कलशयात्रा के साथ उत्सव की शुरूआत हुई, जिसमें बड़ी संख्या में भक्त शामिल हुए। दक्षिण भारत से आए पुजारियों ने पूजा-अनुष्ठान की। संध्या चार बजे भगवान को चक्र स्नानम कराया गया। तत्पश्चात ध्वजारोहणम किया गया। इसके बाद अंकुराणम हुआ। संध्या 7.30 बजे हजार दीपों का उत्सव मनाया गया। तत्पश्चात उंजल सेवा दी गई। वहीं श्रद्धालुओं के बीच प्रसाद वितरण किया गया। ब्रह्मोत्सव का समापन बुधवार को होगा, जिसमें सुबह 6 बजे सुप्रभातम्, नित्यहोमम, महापुनवर्ती, कुंभयात्रा, सुबह 10.30 बजे सामुहिक कुमकुम अर्चना तथा संध्या 7 बजे श्री वेंकटेश्वर (बालाजी) का कल्याणम होगा।

जिम से गिरफ्तार किया गया शराब कारोबारी बबलू सिंह

GHATSILA : पूर्वी सिंहभूम जिले के घाटशिला स्थित एक जिम से मंगलवार की सुबह घाटशिला थाना की पुलिस ने दाहीगोड़ा निवासी शराब कारोबारी बबलू सिंह को गिरफ्तार किया। इसके बाद उसे घाटशिला थाना लाया गया, जहां से उसकी निशानदेही पर दिन भर छापामारी अभियान चलाया गया। पुलिस सूत्रों की मानें तो अवैध शराब के किसी पुराने मामले में बबलू सिंह के खिलाफ फरवरी में वारंट जारी किया गया था, उसी वारंट के आलोक में उसे पकड़ा गया है।

रिटायरमेंट के बाद मिली रकम तो नहीं तिहरे हत्याकांड का कारण!

बड़े बेटे अभिषेक को देखकर थाने में फूट-फूट कर रोया हत्यारोपी

- तीनों शवों का पोस्टमॉर्टम होने के बाद किया गया अंतिम संस्कार

PHOTON NEWS JSR: सिदगोड़ा थाना क्षेत्र के एग्रिको में सोमवार को हुए तिहरे हत्याकांड में अब तक पुलिस को घटना का कारण नहीं पता चल सका है। फिर भी पुलिस कई एंगल से मामले की जांच कर रही है। बताया जा रहा है कि इस घटना के पीछे रवींद्र प्रसाद सिंह के रिटायरमेंट के मौके पर मिली मोटी रकम भी हो सकती है। हो सकता है कि इस बड़ी रकम को लेकर घर में कलह शुरू हो गई हो। चारों भाई-बहन के बीच रकम का बंटवारा कैसे हो। कितनी रकम माता-पिता के पास रहे, इसे लेकर खींचतान की आशंका जताई जा रही है। अब पुलिस की जांच इस एंगल की तरफ भी मुड़ गई है। हत्यारोपी रवींद्र प्रसाद सिंह पर मंगलवार को केस दर्ज हो गया है। पुलिस ने आरोपी को सोमवार को ही घटनास्थल से गिरफ्तार कर लिया था। केस दर्ज कराने के लिए जब हत्यारोपी का रायपुर में रहने वाला बड़ा बेटा अभिषेक जब अपनी दिल्ली वाली बहन प्रिया के साथ थाने पहुंचा, तो हत्यारोपी रवींद्र प्रसाद सिंह अपने बच्चों को देख कर फूट-फूट कर रोने लगा। हत्यारोपी ने अभिषेक से कहा कि वह डिप्रेशन में था। उसने अचानक आपा खो दिया और यह घटना हो गई। मामले में केस दर्ज होने के बाद पुलिस अब रवींद्र प्रसाद सिंह को जेल भेजने की तैयारी कर रही है।

पोस्टमार्टम रिपोर्ट में क्या निकला : पुलिस ने मंगलवार की सुबह ही तीनों शवों का पोस्टमार्टम कराया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के अनुसार आरोपी की पत्नी सरिता के शरीर पर तीन बड़े घाव मिले हैं। इनमें से दो घाव टांगी के और एक घाव हथौड़े का बताया जा रहा है। टांगी का एक घाव सरिता के सिर की बाईं तरफ और दूसरा घाव कलाई पर है। जबकि, हथौड़े से हुआ तीसरा बड़ा घाव सरिता के बाएं गाल पर है। सूत्रों की मानें तो सरिता के सिर के बाएं तरफ जो पहला वार हुआ था, उसी से उसकी मौत हो गई थी।

आरोपी के बेटे रवि पर दो बड़े वार किए गए हैं। इनमें से एक वार टांगी का और दूसरा हथौड़े का बताया जा रह है। रवि के भी सिर के बाएं हिस्से की तरफ आरोपी ने टांगी से वार किया था। बताया जा रहा है कि इस पहले वार से ही रवि ने दम तोड़ दिया था। इसी दौरान टांगी टूट गई और फिर रवि ने हथौड़े से रवि के माथे पर वार किया था। आरोपी ने अपनी बेटी सुप्रिया सिंह के भी सिर के बाएं हिस्से पर हथौड़े से वार किया था। इस वार से ही सुप्रिया की जान चली गई थी।

भुइयांडीह बर्निंग घाट पर हुआ भाई-बहन में विवाद : पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट के बाद तीनों के शव भुइयांडीह स्थित स्वर्णरेखा बर्निंग घाट लाए गए। यहां सभी का अंतिम संस्कार हुआ। इस दौरान आरोपी के बड़े बेटे और बेटी के बीच झगड़ा हो गया। आरोपी की बेटी ने भाई पर आरोप लगाया कि वह थाने पर पिता के खिलाफ केस दर्ज कराने के लिए क्यों आवेदन दे रहा है। बाद में आसपास मौजूद लोगों ने बीच-बचाव कर मामले को शांत कराया।

सिदगोड़ा थाने में आरोपी

आज भेजा जाएगा जेल

इस मामले में पुलिस ने मंगलवार को आरोपी रवींद्र प्रसाद सिंह के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। आरोपी को जेल भेजने की तैयारी शुरू कर दी गई है। पुलिस अब बुधवार को आरोपी को जेल भेजेगी। आरोपी सारण जिले के नगरा थाना अंतर्गत अरवा गांव का निवासी है।

जमशेदपुर में 29 टन सरिया के साथ तीन आरोपी गिरफ्तार

JAMSHEDPUR : गोलमुरी थाना की पुलिस ने मंगलवार को सरिया चोरी और ठगी के एक बड़े मामले का खुलासा करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों की निशानदेही पर करीब 29 टन सरिया बरामद किया है। ज्ञात हो कि भुइयांडीह स्थित शांतिनगर ग्वाला बस्ती निवासी अखिलेश यादव ने इसी साल 22 अप्रैल को गोलमुरी थाना में लिखित शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत में वाहन संख्या उत्र53-2138 के मालिक बलवंत कुमार यादव और चालक सुमंत कुमार पर ठगी, जालसाजी और माल चुराने का आरोप लगाया गया था। शिकायत के आधार पर पुलिस ने जांच शुरू की। अनुसंधान और छापेमारी के दौरान 11 मई को पुलिस ने वाहन मालिक बलवंत कुमार यादव, चालक सुमंत कुमार और खरीददार गुड्डू कुमार यादव को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपियों की निशानदेही पर कुल 540 बंडल यानी करीब 29 टन सरिया बरामद किया गया। गिरफ्तार आरोपियों में गढ़वा जिले के धुरकी थाना क्षेत्र के पुतुर निवासी वाहन मालिक बलवंत कुमार यादव और चालक सुमंत कुमार शामिल हैं। वहीं तीसरा आरोपी गुड्डू कुमार यादव पलामू जिला अंतर्गत भवनाथपुर थाना क्षेत्र के बुका मेन रोड का रहने वाला बताया गया है, जो कथित रूप से चोरी के माल का खरीददार था। इस कार्रवाई में गोलमुरी थाना के पुलिस अवर निरीक्षक राज रौशन सिन्हा, इन्द्रदेव राम, रफीक आलम तथा सशस्त्र बल के जवान शामिल थे।

चक्रधरपुर में दूसरे दिन भी चलाया गया अतिक्रमण हटाओ अभियान

PHOTON NEWS CHAIBASA : पश्चिमी सिंहभूम जिले के चक्रधरपुर नगर परिषद क्षेत्र में लगातार दूसरे दिन मंगलवार को भी अतिक्रमण हटाओ अभियान जारी रहा। पूर्व निर्धारित योजना के अनुसार एनएच-75ई मेन रोड पर नगर परिषद कार्यालय से असलम चौक तक व्यापक कार्रवाई हुई, जिससे दुकानदारों में अफरातफरी मची रही। कार्यपालक पदाधिकारी विजय कुमार हांसदा और पुलिस प्रशासन की संयुक्त टीम ने सड़क किनारे बने अवैध कब्जों को हटवाया। अतिक्रमित दुकानों के शेड बुलडोजर से तोड़े गए। असलम चौक पर रेलवे ओवरब्रिज के नीचे अतिक्रमण कर बनाई गई दुकानों को भी हटाया गया। अभियान में नगर परिषद के पदाधिकारी, कर्मचारी और पुलिस बल तैनात थे। नियमों के अनुसार, अतिक्रमण हटाओ अभियान में मजिस्ट्रेट की मौजूदगी अनिवार्य होती है, लेकिन मंगलवार को कोई मजिस्ट्रेट प्रतिनियुक्त नहीं किया गया था। स्थानीय लोगों और दुकानदारों ने नगर परिषद पर मनमानी का आरोप लगाया। दुकानदारों का कहना है कि कुछ जगहों पर अतिक्रमण नहीं होने के बावजूद उनसे जुमार्ना वसूला गया और सामग्री जब्त की गई।

भवन निर्माण के लिए रखे गए सीमेंट-बालू को भी जब्त कर लिया गया। एक जगह बुलडोजर से शेड तोड़ते समय दुकान के शटर को भी नुकसान पहुंचा, जिससे हंगामा हुआ। अभियान के दौरान नगर परिषद ने विभिन्न दुकानों से 10 हजार रुपये जुर्माना वसूला और अवैध रूप से रखी सामग्री जब्त की। अभियान के दौरान पदाधिकारियों ने दुकानदारों और स्थानीय लोगों को चेतावनी दी कि दोबारा सड़क या सरकारी भूमि पर अतिक्रमण पाए जाने पर जुमार्ने के साथ कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

चक्रधरपुर में अतिक्रमण हटाता बुलडोजर

बाजार क्षेत्र की सड़कें जाम से होंगी मुक्त : नगर परिषद

कार्यपालक पदाधिकारी विजय कुमार हांसदा ने बताया कि अतिक्रमण के कारण चक्रधरपुर बाजार क्षेत्र की सड़कें आए दिन जाम रहती थीं, जिससे राहगीरों और वाहन चालकों को परेशानी होती थी। उन्होंने कहा कि यातायात व्यवस्था सुचारु बनाने के लिए यह अभियान जारी रहेगा। अभियान में सिटी मैनेजर राहुल कुमार समेत नगर परिषद के अन्य कर्मी मौजूद रहे।

झींकपानी के तीर कांड का आरोपी किया गया गिरफ्तार

मामले की जानकारी देते एसडीपीओ बहामन टुटी • फोटोन न्यूज

CHAIBASA : पश्चिमी सिंहभूम जिले के झींकपानी थाना क्षेत्र के टंकी बांदा के पास 9 मई को हुए तीर कांड का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। पुरानी रंजिश में 60 वर्षीय चुइया बिरुली पर तीर से हमला करने वाले आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर मंगलवार को जेल भेज दिया। पुलिस के अनुसार, भगवान बिरुली उर्फ दोपे (39, निवासी चिड़िया पहाड़ी) ने इस घटना को पुरानी रंजिश में अंजाम दिया था। आरोपी ने बताया कि पुरानी रंजिश के कारण उसने चुइया बिरुली की हत्या के इरादे से तीर-धनुष से हमला किया था। आरोपी की निशानदेही पर घटना में प्रयुक्त तीर-धनुष को जब्त कर लिया गया है। चुइया बिरुली सदर अस्पताल में इलाजरत है।

चाकुलिया की युवती से गैंगरेप मामले में तीन दोषियों को 20 साल की सजा

PHOTON NEWS JSR : पूर्वी सिंहभूम जिला अंतर्गत चाकुलिया में 2023 में हुए अपहरण और सामूहिक दुष्कर्म के मामले में अदालत ने तीनों दोषियों को कड़ी सजा सुनाई है। एडीजे-1 की अदालत ने महेश्वर महतो, सूजन टुडू और अजय मुर्मू को 20-20 वर्ष के कठोर कारावास की सजा सुनाई है। इसके साथ ही सभी दोषियों पर 20-20 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया गया है। अदालत ने 5 मई को ही तीनों आरोपियों को दोषी ठहराया था। इसके बाद सजा के बिंदु पर सुनवाई पूरी होने के बाद अंतिम फैसला सुनाया गया। घटना के समय अजय मुर्मू नाबालिग था, इसलिए उसे बाल सुधार गृह में रखा गया था, जबकि अन्य दो आरोपी जेल में बंद थे। अभियोजन पक्ष की ओर से पेश किए गए आधा दर्जन से अधिक गवाहों और पुलिस जांच रिपोर्ट को अदालत ने महत्वपूर्ण माना।

यह घटना 8 मई 2023 की है। पीड़िता अपने रिश्तेदार के घर चाकुलिया आई हुई थी। वह अपनी एक सहेली के साथ मेला देखने गई थी। मेला घूमने के बाद दोनों एक निमार्णाधीन मकान में बैठी थीं। इसी दौरान तीनों आरोपी बाइक से वहां पहुंचे और पीड़िता की दोस्त को धमकाकर भगा दिया। इसके बाद युवती को जबरन नदी किनारे ले जाकर उसके साथ सामूहिक दुष्कर्म किया गया। घटना के बाद आरोपी पीड़िता को गांव के बाहर छोड़कर फरार हो गए थे।

अगले दिन पीड़िता की शिकायत पर चाकुलिया थाना में मामला दर्ज किया गया था। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए दो बालिग आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था, जबकि नाबालिग आरोपी को रिमांड होम भेजा गया था। अदालत के फैसले के बाद पीड़िता के परिजनों ने न्याय मिलने पर संतोष जताया है।

पोटका में एक कंपनी से करीब 9 लाख रुपये व लैपटॉप चोरी

पोटका प्रखंड स्थित कोवाली थाना

JAMSHEDPUR : पूर्वी सिंहभूम जिले के पोटका प्रखंड स्थित कोवाली थाना क्षेत्र के हल्दीपोखर में रेलवे स्टेशन के पास स्थित नेवफिंस लिमिटेड फाइनेंस कंपनी में चोरी की घटना सामने आई है। यहां से 8 लाख 74 हजार 407 रुपये नकद और लैपटॉप पार कर दिया गया है। कंपनी के मैनेजर भोजपुर (बिहार) के धनगाई थाना क्षेत्र के दीघा गांव निवासी वीरेंद्र सिंह के आवेदन पर नामजद एफआईआर दर्ज हुई है। वीरेंद्र सिंह ने पुलिस को बताया है कि यह चोरी रांची के रातू रोड पर खादगढ़ा स्थित जयप्रकाश नगर के रहने वाले किशन सोनी और रांची के ही चुटिया थाना क्षेत्र की कमरूटोली लोअर के निवासी आशीष ठाकुर ने अंजाम दी है। पुलिस ने इन दोनों के खिलाफ नामजद रिपोर्ट दर्ज कर ली है। घटना 10 से 11 मई के बीच की बताई जा रही है। प्राथमिकी दर्ज करने के बाद मंगलवार को पुलिस आरोपियों की तलाश में जुट गई है। आरोपियों का फोन नंबर जुगाड़ करने के बाद इन दोनों को थाने बुलाया गया है।

डेंटल कॉलेज के पास दो बाइकों की टक्कर में सिक्योरिटी गार्ड की मौत

एमजीएम में घायलों को बेड नहीं मिलने पर परिजनों ने किया हंगामा

PHOTON NEWS JSR : मानगो के एमजीएम थाना क्षेत्र में नेशनल हाईवे-33 पर डेंटल कॉलेज के पास मंगलवार को दो बाइकों की आमने-सामने टक्कर हो गई। इस सड़क दुर्घटना में भिलाईपहाड़ी के रहने वाले 35 वर्षीय प्रमोद कुंडू की मौत हो गई। जबकि, मुखियाडांगा के रहने वाले विशाल और मोनू गंभीर रूप से घायल हो गए। दोनों घायलों को परिजन इलाज के लिए एमजीएम अस्पताल ले गए। यहां इन्हें वार्ड नहीं दिया जा रहा था। कहा जा रहा था कि वार्ड में बेड खाली नहीं है। इस पर परिजनों ने जमकर हंगामा किया। हंगामा। के बाद दोनों घायलों को बेड मिला और उनका इलाज शुरू हो पाया। बताते हैं कि उलीडीह के पास संजीवनी नेत्रालय नर्सिंग होम का सिक्योरिटी गार्ड प्रमोद कुंडू ड्यूटी करने के बाद अपने घर लौट रहा था। तभी नेशनल हाईवे पर सामने से आ रही है बाइक से उसकी टक्कर हो गई। सामने वाली बाइक पर विशाल और मोनू सवार थे। सभी लोग सड़क पर गिर पड़े और गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना की जानकारी मिलने पर मौके पर पहुंचे लोगों ने सभी को इलाज के लिए एमजीएम अस्पताल पहुंचाया। यहां डॉक्टरों ने प्रमोद कुंडू को मृत घोषित कर दिया। घायल विशाल और मोनू का इलाज अस्पताल में चल रहा है। घटना के बाद प्रमोद कुंडू के घर में शोक का माहौल है। परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल है।

एमजीएम में हंगामा करते परिजन • फोटोन न्यूज

विरोध रोजगार के लिए मुंडा-मानकी संघ के बैनर तले करीब एक दर्जन गांव के लोग दे रहे धरना

गुवा की खदान में चक्का जाम आंदोलन जारी, उत्पादन-परिवहन ठप

PHOTON NEWS CHAIBASA : पश्चिमी सिंहभूम जिले के गुवा स्थित सेल (स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड) के लौह अयस्क खदान क्षेत्र में स्थानीय युवाओं को रोजगार देने की मांग को लेकर चल रहा अनिश्चितकालीन चक्का जाम आंदोलन लगातार दूसरे दिन मंगलवार को भी जारी रहा।

मुंडा-मानकी संघ के बैनर तले कई गांवों के ग्रामीणों के आंदोलन से खदान क्षेत्र में उत्पादन और परिवहन व्यवस्था बुरी तरह प्रभावित रही।

आंदोलन स्थल पर सैकड़ों ग्रामीण, मजदूर और मुंडा-मानकी प्रतिनिधि डटे रहे। आंदोलनकारियों ने स्पष्ट किया कि जब तक स्थानीय 500 युवाओं को सम्मानजनक रोजगार, हटाए गए मजदूरों की बहाली, हैंड माइनिंग व मैनुअल रैक लोडिंग शुरू करने और 75 प्रतिशत स्थानीय लोगों को रोजगार देने पर ठोस निर्णय नहीं होता, आंदोलन वापस नहीं होगा।

रांजाबुरु माइंस के सामने प्रदर्शन करते ग्रामीण • फोटोन न्यूज

सीजीएम स्तर की वार्ता पर अड़े आंदोलनकारी

आंदोलनकारी नेता मंगता सुरीन ने बताया कि दूसरे दिन भी सेल प्रबंधन का कोई वरिष्ठ अधिकारी वार्ता के लिए नहीं पहुंचा। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रबंधन टालने की रणनीति अपना रहा है। मंगलवार शाम 3 बजे तक कोई औपचारिक वार्ता नहीं हुई। अधिकारी डॉ. टीसी आनंद ने फोन पर बताया कि वे और सीएसआर अधिकारी अनिल कुमार बातचीत के लिए आ सकते हैं। इस पर आंदोलनकारियों ने कहा कि वे केवल सीजीएम स्तर के अधिकारी से ही बात करेंगे। ग्रामीणों का कहना है कि अब उन्हें मौखिक आश्वासन नहीं, लिखित और ठोस निर्णय चाहिए।

40 रोजगार का प्रस्ताव नाकाफी : आंदोलनकारी

मंगता सुरीन के अनुसार सेल प्रबंधन पहले 25 लोगों को रोजगार देने की बात कर रहा था, जिसे अब बढ़ाकर 40 करने का प्रस्ताव दिया जा रहा है। यह रोजगार मां सरला ठेका कंपनी के अधीन देने की बात कही जा रही है। आंदोलनकारियों ने इसे नाकाफी बताते हुए कहा कि आंदोलन सिर्फ 40 नौकरियों के लिए नहीं, बल्कि सैकड़ों स्थानीय बेरोजगार युवाओं के भविष्य के लिए है।

आंदोलन तेज करने की चेतावनी

लगातार दूसरे दिन आंदोलन का असर गुवा खदान क्षेत्र के उत्पादन पर साफ दिखा। लौह अयस्क उत्पादन बाधित रहने से कई विभागों का काम प्रभावित हुआ और भारी वाहनों की आवाजाही ठप रही। ग्रामीणों ने चेतावनी दी कि यदि जल्द सकारात्मक पहल नहीं हुई तो आंदोलन को और व्यापक किया जाएगा, जिसकी जिम्मेदारी सेल प्रबंधन और प्रशासन की होगी।

सरकारी जमीन को कब्जा मुक्त कराने के लिए सौंपा ज्ञापन

ज्ञापन सौंपने पहुंचे ग्रामीण • फोटोन न्यूज

GHATSILA : राजाबासा गांव के ग्रामीणों ने सरकारी जमीन को कब्जा मुक्त कराने की मांग को लेकर मंगलवार को अंचलाधिकारी को ज्ञापन सौंपा। ग्रामीणों का आरोप है कि सरकारी जमीन जिसका प्लॉट नंबर 314, 325, 326 खाता संख्या 208 पर जो गांव के उत्क्रमित विद्यालय, जाहेर स्थान तथा आंगनबाड़ी केंद्र स्थित है। उस पर गांव के सुपाई मुर्मू एवं लखविंदर मुर्मू द्वारा कब्जा किया जा रहा है। इस जमीन को कब्जा मुक्त करने की मांग ग्रामीणों ने अंचलाधिकारी निशांत अंबर से की है। ग्रामीणों का आरोप है कि पूजा स्थल परंपरा एवं धार्मिक आस्था का केंद्र है, उसे षड्यंत्र के तहत दखल करने तथा गांव में इन लोगों द्वारा अशांति फैलाने की कोशिश की जा रही है। हम सभी ग्रामीण जब इसका विरोध करते हैं, तो अतिक्रमणकारी गलीगलौज तथा मारपीट करने की धमकी दे रहा है। कुछ दिन पहले आरोपी ग्रामसभा से अलग होकर सामाजिक संस्था सेंगेल अभियान से जुड़ गए थे। ग्रामीणों ने सीओ से आग्रह किया है कि अवैध कब्जा को मुक्त किया जाए। इसकी प्रतिलिपि गालूडीह के थाना प्रभारी को भी दी गई।

राशन कार्ड निर्माण व खाद्यान्न वितरण में लाएं पारदर्शिता : मंत्री

- अशोक चौधरी ने जन वितरण प्रणाली की दुकानों में रिक्त पदों को तय समय सीमा के अंदर भरने पर दिया विशेष जोर
- खाद्यान्न आपूर्ति में लापरवाही बरतने वाले ट्रांसपोर्टरों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई करने का निर्देश
- 80 वर्ष से अधिक आयु के बुजुर्गों को उनके घर तक खाद्यान्न पहुंचाने की संभावनाओं का होगा आकलन

अधिकारियों के साथ बैठक करते खाद्य एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री अशोक चौधरी

AGENCY PATNA : खाद्य एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री अशोक चौधरी ने आज विभागीय योजनाओं एवं कार्यक्रमों की प्रगति की समीक्षा को लेकर उच्चस्तरीय बैठक की। बैठक में मंत्री ने स्पष्ट कहा कि राशन कार्ड निर्माण एवं खाद्यान्न वितरण में पारदर्शिता और समयबद्धता सुनिश्चित करें।

बैठक में विभाग के विभिन्न योजनाओं, अधिप्राप्ति कार्यों, जन वितरण प्रणाली एवं उपभोक्ता संरक्षण से संबंधित विषयों पर विस्तृत समीक्षा की गई।

समीक्षा बैठक के दौरान विभागीय योजनाओं एवं कार्यक्रमों की प्रगति की जानकारी मंत्री को पीपीटी प्रस्तुतीकरण के माध्यम से दी गई।

समीक्षा के क्रम में मंत्री ने नए राशन कार्ड निर्माण की प्रक्रिया को पूर्ण पारदर्शिता के साथ निर्धारित समय सीमा के भीतर पूरा करने का निर्देश दिया। उन्होंने जन वितरण प्रणाली दुकानों में रिक्त पदों को भी तय समय सीमा के अंदर भरने पर विशेष बल दिया।

मंत्री ने प्रबंध निदेशक, बिहार राज्य खाद्य एवं असैनिक आपूर्ति निगम को सही समय पर सही मात्रा में लाभुकों को गुणवत्तापूर्ण खाद्यान्न उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। खाद्यान्न आपूर्ति में लापरवाही बरतने वाले ट्रांसपोर्टरों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई करने का भी निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि लाभुकों को समय पर खाद्यान्न उपलब्ध कराना विभाग की सर्वोच्च प्राथमिकता है तथा इसमें किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

बैठक में मंत्री ने 80 वर्ष से अधिक आयु के बुजुर्गों को उनके घर तक खाद्यान्न पहुंचाने हेतु पायलट परियोजना लागू करने की संभावनाओं का आकलन कर आवश्यक प्रस्ताव तैयार करने का निर्देश दिया। साथ ही, उन्होंने कहा कि पायलट परियोजना के परिणामों के आधार पर इसे राज्यव्यापी स्तर पर लागू करने की दिशा में आगे की कार्रवाई की जाएगी।

इसके अतिरिक्त दलहन अधिप्राप्ति कार्य की समीक्षा करते हुए मंत्री ने सहकारिता विभाग के साथ समन्वय स्थापित कर खरीद प्रक्रिया में तेजी लाने का निर्देश दिया। उन्होंने पीपीपी मॉडल पर गोदाम निर्माण की संभावनाओं पर भी विचार करने को कहा, ताकि भंडारण क्षमता को और मजबूत बनाया जा सके।

मंत्री ने विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों, प्रिंट एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में विभाग एवं उपभोक्ता संरक्षण निदेशालय की विभिन्न योजनाओं, कार्यक्रमों एवं विभिन्न गतिविधियों का व्यापक प्रचार प्रसार में कराने का निर्देश दिया।

NEWS BOX

बैठक में डीएम ने तैयार किया जिले के भविष्य का रोडमैप

AGENCY BHAGALPUR : भागलपुर के समीक्षा भवन में जिले के सर्वांगीण विकास को लेकर मंगलवार को एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की

गई, जिसकी अध्यक्षता जिलाधिकारी नवल किशोर चौधरी ने की। बैठक में जिले के शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों के संतुलित विकास, बुनियादी ढांचे को मजबूत करने और आम लोगों की सुविधाओं को बेहतर बनाने पर विस्तार से चर्चा हुई। डीएम ने कहा कि प्रशासन का मुख्य उद्देश्य प्लानिंग एरिया का विस्तार कर नए इलाकों को विकास की मुख्यधारा से जोड़ना है। बैठक में बढ़ती आबादी और ट्रैफिक को देखते हुए नए बायपास, चौड़ी सड़कें और जल निकासी व्यवस्था को बेहतर बनाने की रणनीति तैयार की गई। इसके साथ ही पर्यावरण संरक्षण पर भी विशेष जोर दिया गया। पौधारोपण अभियान, जल निकायों के संरक्षण और वेस्ट मैनेजमेंट की आधुनिक तकनीकों को अपनाने की बात कही गई। बैठक में जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों, मुखिया, प्रमुख और नगर आयुक्त ने भी हिस्सा लिया और अपने क्षेत्रों की समस्याओं को रखा डीएम ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि योजनाओं को केवल कागजों तक सीमित न रखा जाए बल्कि समयबद्ध तरीके से धरातल पर उतारा जाए।

भारत-नेपाल सीमा पर ब्राउन शुगर के साथ दो तस्कर गिरफ्तार

AGENCY KISHANGANJ : जिले के भारत–नेपाल सीमावर्ती क्षेत्र में एसएसबी और बिहार पुलिस की संयुक्त टीम ने बड़ी कार्रवाई करते हुए

306.08 ग्राम ब्राउन शुगर के साथ दो कथित तस्करों को गिरफ्तार किया है। कार्रवाई दिघलबैंक थाना क्षेत्र के स्कूल चौक के समीप विशेष संयुक्त नाका अभियान के दौरान की गई। इस दौरान तस्करी में प्रयुक्त एक अपाचे बाइक भी जब्त की गई है। जानकारी के अनुसार, एसएसबी एवं बिहार पुलिस द्वारा सीमावर्ती इलाके में संयुक्त रूप से विशेष जांच अभियान चलाया जा रहा था। इसी दौरान खुफिया सूचना मिली कि कुछ तस्कर हरवाडंगा क्षेत्र से ब्राउन शुगर लेकर दिघलबैंक बाजार की ओर जाने वाले हैं। सूचना के आधार पर सुरक्षा बलों ने सीमा स्तंभ संख्या–134 से लगभग 750 मीटर भारतीय क्षेत्र में स्थित दिघलबैंक स्कूल चौक के पास घेराबंदी कर वाहन जांच शुरू की। जांच के दौरान एक संदिग्ध अपाचे बाइक को रोककर तलाशी ली गई। तलाशी के क्रम में बाइक सवार दो व्यक्तियों के पास से कुल 306.08 ग्राम ब्राउन शुगर बरामद की गई। मौके पर ही दोनों को गिरफ्तार कर लिया गया। जब्त बाइक का नंबर बीआर 37एम911 बताया गया है। दिघलबैंक थाना अध्यक्ष विपिन कुमार ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों की पहचान दिघलबैंक थाना क्षेत्र निवासी शाह जमाल तथा बहादुरगंज थाना क्षेत्र निवासी समशुल आलम के रूप में हुई है।

भागलपुर रेलवे स्टेशन में परिचालन गतिविधियों को किया गया मजबूत

AGENCY BHAGALPUR : मालदा मंडल के मंडल रेल प्रबंधक मनीष कुमार गुप्ता के मार्गदर्शन में मालदा मंडल ने रेलवे के बुनियादी ढांचे को मजबूत

करने और परिचालन दक्षता में सुधार की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम उठाया है। यह जानकारी मालदा मंडल के पीआरओ ने मंगलवार को दी और बताया कि इस संबंध में भागलपुर रेलवे स्टेशन पर शंटिंग नेक के पास एक नई स्टेबलिंग लाइन विकसित की गई है, ताकि ट्रेनों को संभालने की क्षमता बढ़ाई जा सके और स्टेशन क्षेत्र में परिचालन गतिविधियों को अधिक सुचारू बनाया जा सके। मंगलवार को एक 'लाइट इंजन ट्रायल' के माध्यम से इसकी परिचालन तत्परता का सफल परीक्षण किया गया। यह नव–विकसित बुनियादी ढांचा कोचिंग रेकों की बेहतर स्टेबलिंग और प्रबंधन में सहायता करेगा, परिचालन संबंधी भीड़भाड़ को कम करेगा और भागलपुर स्टेशन पर ट्रेन संचालन की समग्र दक्षता में सुधार लाएगा। इस बुनियादी ढांचे के विकास कार्य को मालदा मंडल के इंजीनियरिंग, परिचालन, सिग्नल एवं दूरसंचार तथा अन्य विभिन्न विभागों के बीच घनिष्ठ समन्वय और सामूहिक प्रयासों के माध्यम से सफलतापूर्वक पूरा किया गया है।

BRIEF NEWS

सिवान में आपराधिक घटना की योजना बनाते पांच गिरफ्तार

SIWAN : सिवान जिले के दरौंदा थाना पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए भीखाबांध नहर के समीप आपराधिक घटना की योजना बना रहे पांच युवकों को गिरफ्तार कर लिया। छापेमारी के दौरान पुलिस ने एक देशी पिस्तौल, दो जिंदा कारतूस, तीन मोबाइल फोन, एक बाइक और एक कार बरामद की है। वहीं दो आरोपित अंधेरे का फायदा उठाकर मौके से फरार हो गए। थानाध्यक्ष विकास कुमार सिंह ने मंगलवार को जानकारी दी कि सोमवार की शाम पुलिस टीम क्षेत्र में गश्त और आसूचना संकलन कर रही थी। इसी दौरान गुप्त सूचना मिली कि कुछ युवक भीखाबांध नहर के पास जुटकर किसी बड़ी आपराधिक घटना की योजना बना रहे हैं। सूचना मिलते ही वरीय अधिकारियों को अवगत कराया गया तथा डायल 112 टीम को भी मौके पर बुलाया गया। पुलिस के पहुंचते ही वहां मौजूद युवक भागने लगे। तत्परता दिखाते हुए पुलिस ने घेराबंदी कर पांच युवकों को दबोच लिया, जबकि दो आरोपित फरार होने में सफल रहे। गिरफ्तार युवकों शहाबुद्दीन अंसारी उर्फ कैश, सलाउद्दीन अंसारी, इरशाद अंसारी, राजन यादव एवं विक्की यादव शामिल है।

सुब्रतो कप टूर्नामेंट के लिए ऑनलाइन आवेदन शुरू

SARAN : बिहार राज्य खेल प्राधिकरण के निदेशानुसार 65वीं सुब्रतो मुखर्जी कप इंटरनेशनल फुटबॉल टूनामेंट 2026 के लिए सारण जिले में तैयारी शुरू हो गई है। आगामी 18 अगस्त से 25 सितंबर तक नई दिल्ली में आयोजित होने वाली इस प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए जिले के सभी सरकारी और मान्यता प्राप्त निजी विद्यालयों के लिए निबंधन कराना अनिवार्य कर दिया गया है। जिला खेल पदाधिकारी ने जानकारी दी कि इच्छुक विद्यालयों को टूर्नामेंट की आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर ऑनलाइन आवेदन करना होगा। निबंधन के लिए 2000 रुपए का शुल्क निर्धारित है और इसकी अंतिम तिथि 15 जुलाई 2026 है। जिला स्तरीय प्रतियोगिता से पहले ऑनलाइन निबंधन कराना अनिवार्य है इसके बिना टीमें हिस्सा नहीं ले सकेंगी।

रात के एक बजे से सुबह सात बजे तक 15 ऑर्केस्ट्रा समूहों पर हुई कार्रवाई

ऑर्केस्ट्रा ग्रुप से 40 से ज्यादा लड़कियां मुक्त, 22 गिरफ्तार

ऑर्केस्ट्रा ग्रुप के ठिकाने पर छापा मारती पुलिस

- मुक्त कराई गईं लड़कियों की उम्र 10 से 17 साल
- झांसा देकर ट्रैफिकिंग के जरिए पश्चिम बंगाल, असम, दिल्ली, पंजाब, राजस्थान और छत्तीसगढ़ जैसे राज्यों से लाई गई थीं बच्चियां

AGENCY GOPALGANJ : बिहार के गोपालगंज जिले में आर्केस्ट्रा समूहों में नाबालिग लड़कियों के शोषण व उत्पीड़न के खिलाफ हालिया समय की सबसे बड़ी छापेमारी में 40 से ज्यादा नाबालिग लड़कियों को मुक्त कराया गया है।

जिले के कुचायकोट थानाक्षेत्र में रात एक बजे से सुबह सात बजे तक तकरीबन 15 आर्केस्ट्रा समूहों पर हुई इस कार्रवाई में ट्रैफिकिंग व बच्चों के शोषण के आरोप में 22 संदिग्धों को गिरफ्तार किया गया। यह पूरा अभियान अपर पुलिस महानिदेशक (कमजोर वर्ग) अमित जैन व गोपालगंज के पुलिस अधीक्षक विनय तिवारी की देखरेख में कुचायकोट पुलिस, एसोसिएशन फॉर वालंटरी एक्शन, नारायणी सेवा संस्थान व पटना स्थित बिहार पुलिस मुख्यालय ने संयुक्त रूप से चलाया।

छापे की इस कार्रवाई में शामिल एसोसिएशन फॉर वालंटरी एक्शन और नाराणी सेवा संस्थान बाल अधिकारों की सुरक्षा व संरक्षण के लिए 250 से अधिक नागरिक समाज संगठनों के देश के सबसे बड़े नेटवर्क जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रेन के सहयोगी संगठन हैं। मुक्त कराई गई लड़कियों की काउंसलिंग के बाद उनको सुरक्षित जगह भेज दिया गया और उनकी उम्र के सत्यापन की प्रक्रिया व अन्य कानूनी कार्रवाई जारी है। मुक्त कराई गई लड़कियों की उम्र 10 से 17 साल है। इन बच्चियों को झांसा देकर ट्रैफिकिंग के जरिए पश्चिम बंगाल, असम, दिल्ली, पंजाब, राजस्थान और छत्तीसगढ़ जैसे राज्यों से लाया गया था।

बिहार में ट्रैफिकिंग गिरोहों व आर्केस्ट्रा समूहों के बीच गहरी सांठगांठ की ओर संकेत करते हुए एसोसिएशन फॉर वालंटरी एक्शन के वरिष्ठ निदेशक मनीष शर्मा ने कहा, 'इस अभियान ने इस तथ्य को उजागर किया है कि कितने बड़े पैमाने पर लड़कियों की ट्रैफिकिंग कर उन्हें राज्य के विभिन्न हिस्सों में चल रहे आर्केस्ट्रा समूहों में धकेला जा रहा है। इन लड़कियों को बहला-फुसलाकर यौन शोषण व उत्पीड़न के अंतहीन दलदल में धकेल दिया जाता है। दोषियों को सख्त सजा देने के साथ पीड़ित बच्चियों के पुनर्वास व पर्याप्त मुआवजे की तत्काल आवश्यकता है। न्याय में किसी भी तरह की देरी इन बच्चों को दोबारा निराश कर सकती है।'

एसोसिएशन फॉर वालंटरी एक्शन और नारायणी सेवा संस्थान पिछले एक महीने से इन आर्केस्ट्रा समूहों की गतिविधियों पर नजर रख रहे थे। उन्होंने पाया कि आर्केस्ट्रा समूह शादी-ब्याह के समय ट्रैफिकिंग के जरिए पड़ोसी राज्यों से नाबालिग बच्चियों को लाते हैं और इन्हें विवाह समारोहों में भोजपुरी गानों पर अश्लील नृत्य के लिए मजबूर किया जाता है।

ऐसे मामलों में जवाबदेही व तत्काल कार्रवाइयों की जरूरत पर जोर देते हुए जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रेन के राष्ट्रीय संयोजक रविकांत ने कहा, 'यह देखना दुखद है कि संगठित ट्रैफिकिंग गिरोह आर्केस्ट्रा समूहों के जरिए शोषण के इरादे से विभिन्न राज्यों में बच्चों को निशाना बना रहे हैं। यह कोई इकलौती घटना नहीं है बल्कि एक संगठित आपराधिक तंत्र की ओर इशारा करती है जो बच्चों की लाचारी, आर्केस्ट्रा जैसे धंधों में उनकी मांग और कानूनी सख्ती में कमी की वजह से फल-फूल रहा है।

सुपौल में स्वास्थ्य व्यवस्था होगी हाईटेक, 1 जून से बिना 'आभा कार्ड' के बढ़ सकती है परेशानी

AGENCY SUPAUL : जिले में स्वास्थ्य सेवाओं को आधुनिक और तकनीक आधारित बनाने की दिशा में बड़ा कदम उठाया जा रहा है। स्वास्थ्य विभाग ने तय किया है कि आगामी 1 जून से जिले के सरकारी अस्पतालों और स्वास्थ्य केंद्रों में इलाज से जुड़ी अधिकतर प्रक्रियाएं डिजिटल माध्यम से संचालित की जाएंगी। इसके तहत मरीजों का पंजीकरण, डॉक्टर की सलाह, जांच रिपोर्ट और पुराने इलाज का पूरा रिकॉर्ड ऑनलाइन उपलब्ध रहेगा। नई व्यवस्था को प्रभावी ढंग से लागू करने के लिए विभाग ने लोगों से जल्द से जल्द आभा कार्ड बनवाने की अपील की है। अधिकारियों का कहना है कि डिजिटल हेल्थ सिस्टम में

सदर अस्पताल सुपौल

मरीजों की पहचान और मेडिकल हिस्ट्री सुरक्षित रखने के लिए आभा कार्ड अहम भूमिका निभाएगा। स्वास्थ्य विभाग द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार जिले में लगभग 27.50 लाख लोगों का आभा कार्ड बनाया जाना है, लेकिन अब तक करीब 16.50 लाख लोग ही इससे जुड़ पाए हैं। लक्ष्य पूरा करने के लिए गांव-गांव और पंचायत स्तर पर विशेष शिविर लगाए जा रहे हैं। स्वास्थ्य कर्मियों को अधिक से अधिक लोगों का पंजीकरण सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया है। आयुष्मान कार्ड निर्माण को लेकर भी अभियान तेज कर दिया गया है। जिले में लगभग 23.91 लाख लोगों को आयुष्मान योजना से जोड़ने का लक्ष्य रखा गया है, जबकि अब तक करीब 11.82 लाख लोगों का ही कार्ड बन पाया है।

मलमास मेले को लेकर कई मार्गों पर लगाया गया प्रतिबंध

NALANDA : नालंदा जिले के राजकीय मलमास मेला 2026 का आयोजन प्रस्तावित है, जहां विगत वर्षों में अत्यधिक संख्या में श्रद्धालुओं द्वारा मलमास मेला की अवधि में राजगीर का भ्रमण किया गया है, इस वर्ष भी मलमास मेला में अत्यधिक संख्या में श्रद्धालुओं के आने की संभावना है। उक्त अवसर पर 15 मई से 15 जून तक यातायात व्यवस्था सुचारू संचालित करने हेतु राजगीर शहर एवं समीपवर्ती क्षेत्रों का ट्रैफिक प्लान निर्धारित किया गया है,जिसमें राजगीर की ओर सभी प्रकार के व्यवसायिक वाहनों यथा ट्रक, ट्रेक्टर, पिकअप आदि का प्रवेश एवं परिचालन प्रतिबंधित किया गया है।

कराटे में नालंदा के खिलाड़ियों ने जीते 19 पदक

AGENCY NALANDA : पटना में 9 एवं 10 मई को आयोजित राज्य स्तरीय सब जूनियर, कैडेट एवं जूनियर कराटे प्रतियोगिता में नालंदा जिले के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए कुल 19 पदक जीतकर जिले का नाम रोशन किया। प्रतियोगिता में बिहार के विभिन्न जिलों से करीब 650 खिलाड़ियों ने भाग लिया था। नालंदा का प्रतिनिधित्व करते हुए एकेडमी ऑफ मार्शल आर्ट एंड स्पोर्ट्स जोन के 20 खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया और अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन से सभी का ध्यान आकर्षित किया।प्रतियोगिता में नालंदा टीम ने कुल 6 स्वर्ण, 4 रजत और 9 कांस्य पदक अपने नाम किए।

खिलाड़ियों के शानदार प्रदर्शन से जिले में खुशी का माहौल है।प्रतियोगिता की सबसे बड़ी उपलब्धि मुस्कान कुमारी के नाम रही। उन्होंने जूनियर वर्ग के एकल काता और -48 किलोग्राम भार वर्ग में शानदार प्रदर्शन करते हुए दो स्वर्ण पदक जीतकर नालंदा का गौरव बढ़ाया।

इसके अलावा आरुष राज, मुदित शौर्य, मयंक कुमार गुप्ता और दीपक राज ने भी अपने-अपने वर्गों में स्वर्ण पदक हासिल किए।रजत पदक जीतने वालों में दिव्यांशु राज, कुमारी तृप्ति, सृष्टि कुमारी एवं अपूर्वा रानी शामिल रहीं। वहीं कांस्य पदक विजेताओं में अंकित कुमार, आरुष राज, दिव्यांश बसु, शुभम राज, वैभव आनंद, हंसिका रानी और हनी सिंह ने बेहतर प्रदर्शन कर जिले को गौरवान्वित किया।

इस अवसर पर एकेडमी के संस्थापक एवं मुख्य प्रशिक्षक सह अंतरराष्ट्रीय रेफरी राकेश राज ने खिलाड़ियों की उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि यह सफलता खिलाड़ियों की कठिन मेहनत, अनुशासन और समर्पण का परिणाम है।

अभ्यास पटना के शहरी क्षेत्रों में कल सिविल डिफेंस ब्लैकआउट, मॉकड्रिल का होगा आयोजन

हवाई हमले से बचाव के लिए लोगों को किया जाएगा जागरूक

AGENCY PATNA : पटना के शहरी क्षेत्रों में सिविल डिफेंस ब्लैकआउट, मॉकड्रिल का आयोजन गुरूवार को शाम 7 से 7:15 बजे तक किया जाएगा। इसमें हवाई हमले से बचाव के लिए नागरिक सुरक्षा अभ्यास किया जाएगा। जिला प्रशासन ने लोगों से अपील है कि निर्धारित समय पर अपने घर, दुकान, प्रतिष्ठान इत्यादि की सभी लाइट बंद रखें। जिलाधिकारी, पटना ने विभिन्न विभागों के पदाधिकारियों को आपस में सुदृढ़ समन्वय स्थापित कर सिविल डिफेंस ब्लैकआउट, मॉकड्रिल की त्रुटिहीन तैयारी करने का निदेश दिया है। साथ ही उन्होंने लोगों से अपील की है कि पैनिक एकदम न हों। यह मॉकड्रिल हवाई

अधिकारियों के साथ बैठक करते पटना के जिलाधिकारी

हमला की वास्तविक स्थिति में तंत्र की प्रभावशीलता के परीक्षण के लिए सरकार के आदेश के आलोक में एक पूर्व निर्धारित कार्यक्रम है। वास्तविक तौर पर किसी तरह की हमला की स्थिति नहीं है। यह केवल मॉकड्रिल है।

प्रशासन ने आम जनता से अपील है कि वे किसी भी प्रकार के अफवाह पर ध्यान न दें। केवल आधिकारिक सूचना पर ही विश्वास करें। हवाई हमला चेतावनी मॉकड्रिल एवं ब्लैकआउट निर्धारित मानक संचालन प्रक्रिया के अनुसार की जाएगी तथा इसमें राहत एवं बचाव कार्यों (रिलीफ एण्ड रेस्क्यू ऑपरेशन) के लिए तंत्र की क्रियाशीलता की जाँच की जाएगी। मॉकड्रिल से लोगों के लिए आवश्यक सेवाओं की उपलब्धता पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा।

जिलाधिकारी ने कहा कि नागरिक सुरक्षा निदेशालय के द्वारा निर्धारित मापदंडों के अनुरूप पटना शहरी क्षेत्रों यथा पटना नगर निगम एवं नगर परिषदों, दानापुर निजामत, खगौल तथा फुलवारीशरीफ में मॉकड्रिल/ब्लैकआउट का आयोजन किया जाएगा। इसके लिए विभिन्न कोषांग क्रियाशील है जो लॉजिस्टिक, प्रकाश व्यवस्था, यातायात प्रबंधन, विधि-व्यवस्था, वैकल्पिक संचार व्यवस्था, प्रचार-प्रसार, डॉक्यूमेंटेशन इत्यादि कार्यों को देख रहे हैं। मॉक अभ्यास हेतु पटना जिला में सिमुलेशन स्थलों का चयन किया गया है जिसमें पटना समाहरणालय, बिस्कोमान भवन, बांकीपुर बस स्टैण्ड एवं आईजीआईएमएस शामिल है।

31 मामलों में जब्त 2370 लीटर से ज्यादा शराब की गई नष्ट

SUPAUL : जिले के पिपरा थाना परिसर मे शराबबंदी कानून के तहत जब्त बड़ी मात्रा में शराब का विनष्टीकरण किया गया। प्रशासनिक निगरानी में अलग-अलग कांडों से बरामद कुल 2370.725 लीटर शराब को नष्ट किया गया। कार्रवाई के दौरान पुलिस और मद्य निषेध विभाग के अधिकारी मौजूद रहे। थानाध्यक्ष राजेश कुमार झा ने जानकारी देते हुए बताया कि थाना क्षेत्र में दर्ज 31 मामलों में जब्त शराब को नियमानुसार विनष्ट किया गया। नष्ट की गई शराब में करीब 1947.1 लीटर देशी शराब और 380.625 लीटर विदेशी शराब शामिल थी। शराब विनष्टीकरण की पूरी प्रक्रिया प्रशासनिक अधिकारियों की देखरेख में संपन्न कराई गई।

नीट परीक्षा रद्द होने से प्रदेश के लाखों छात्रों को नुकसान : तेजस्वी

AGENCY PATNA : देशभर में 3 मई को आयोजित हुई नीट यूजी-2026 परीक्षा को रद्द कर दिया गया है। पेपर लीक के मामले सामने आने के बाद राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) ने यह बड़ा फैसला लिया है। मामले की गंभीरता को देखते हुए जांच अब केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) को सौंप दी गई है। परीक्षा को रद्द किए जाने को लेकर नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने इसे बिहार के लाखों छात्रों के भविष्य से खिलवाड़ बताया है। तेजस्वी यादव ने सोशल मीडिया पर लिखा, 'पेपर लीक के कारण 2026 की परीक्षा रद्द कर दी गई है। 23 लाख छात्रों के भविष्य से एक बार फिर खिलवाड़ किया गया। बिहार और देश में पेपर लीक का अंतहीन सिलसिला खत्म ही नहीं हो रहा है। क्या भाजपा की

सरकारों में इतनी भी प्रशासनिक क्षमता, योग्यता, इच्छाशक्ति व कौशल नहीं है कि एक सामान्य परीक्षा को बिना पेपर लीक हुए सुनियोजित ढंग से आयोजित कर सके या फिर ये भी कोई 'संयोग और प्रयोग वाला दांव' है जिससे देश की रुलाई में भी सत्ता की मलाई मिलती रहे। तेजस्वी यादव ने आगे लिखा कि सत्ता संरक्षण में लगातार होते 'पेपर लीक' से सरकार की नीति और नीयत पर ही सवाल उठ रहा है। दिखावटी जांच की औपचारिकता की बजाय सरकार को 'आत्मनिरीक्षण' करने की जरूरत है।

भारत का यूपीआई स्विफ्ट का विश्वसनीय विकल्प

फरवरी में जब अमेरिका और इजरायल ने ईरान पर हमला किया तो पश्चिम एशिया में हड़कंप मच गया। ईरान ने जवाबी कार्रवाई में इजरायल, बहरीन, कुवैत, कतर, सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात पर सैकड़ों मिसाइलें और ड्रोन दागे तथा होर्मुज जलडमरूमध्य बंद कर दिया। यह वह समुद्री रास्ता है, जिससे दुनिया का 20 प्रतिशत तेल और अरबों डालर का व्यापार होता है। बैंकिंग के रास्ते धीमे पड़ गए, पैसे भेजना मुश्किल हो गया। 40 दिनों की भीषण लड़ाई के बाद दो हफ्ते का युद्धविराम हुआ, लेकिन उसके विस्तार के बाद भी स्थिति नाजुक बनी हुई है। इस जंग ने दुनिया की आर्थिक व्यवस्था को तहस-नहस कर दिया। होर्मुज बंद होने से तेल के दाम आसमान छू गए। शिपिंग कंपनियां रास्ता बदलने पर मजबूर हो गईं और सबसे बड़ी तकलीफ यह रही कि भारत के लाखों मजदूर जो यूएई, कुवैत, बहरीन और सऊदी अरब में काम करते हैं, उनके परिवारों तक पैसे भेजना मुश्किल हो गया। पारंपरिक बैंकिंग व्यवस्था संकट में आ गई। यह पहला मौका नहीं है जब दुनिया ने देखा कि पैसों की व्यवस्था को हथियार बनाया जा सकता है। 2022 में रूस-यूक्रेन युद्ध के बाद पश्चिमी देशों ने रूस को स्विफ्ट से बाहर कर दिया था। इस व्यवस्था के जरिए दुनिया के बैंक आपस में पैसे भेजते हैं। सीधे शब्दों में यह बैंकों का वाट्सएप है। रूस के स्विफ्ट से बाहर होने के बाद रूसी लोग दुनिया से कट गए। अब ईरान पर भी कड़े प्रतिबंध हैं। भारत ने यूपीआआई यानी यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस को 2016 में तब शुरू किया था, जब दुनिया में इस तरह के संकटों की कल्पना भी मुश्किल थी। नेशनल पेमेंट्स कार्पोरेशन आफ इंडिया यानी एनपीसीआई ने यह व्यवस्था इसलिए बनाई थी, ताकि हर भारतीय को सस्ता, तेज और आसान डिजिटल भुगतान मिल सके। उस समय किसी ने नहीं सोचा था कि यही यूपीआई एक दिन दुनिया के लिए स्विफ्ट का सबसे बड़ा निष्पक्ष विकल्प बन सकता है। रूस-यूक्रेन युद्ध और अब अमेरिका- इजरायल और ईरान की जंग ने यह साबित कर दिया कि भारत ने जो व्यवस्था अपने नागरिकों के लिए बनाई थी, वह आज पूरी दुनिया की जरूरत है। स्विफ्ट ने वादा किया था कि वह निष्पक्ष रहेगा, लेकिन राजनीति आई तो उसने पक्ष लिया। यूपीआई किसी के हाथ का हथियार नहीं और यही उसकी सबसे बड़ी ताकत है। यूपीआई जिसे आप फोन पे, गूगल पे या पेटीएम के जरिए रोज इस्तेमाल करते हैं, दुनिया की सबसे तेज और सबसे सस्ती भुगतान व्यवस्था है। अब यह देश की सीमाएं पार कर रही है। सिंगापुर, यूएई, फ्रांस और मारीशस जैसे कई देशों से यूपीआई का जुड़ाव हो चुका है। भारत दुनिया में सबसे ज्यादा विदेशी पैसा मंगाने वाला देश है। हर साल करीब 11 लाख करोड़ रुपये भारतीय विदेश से अपने घर भेजते हैं। लंदन में बैठी नर्स, ह्यूस्टन का इंजीनियर, दुबई का दुकानदार सब अपने परिवार को पैसे भेजते हैं। पुराने तरीकों से पैसे भेजने में 6-7 प्रतिशत तक की फीस कट जाती है। यूपीआई के जरिए यह खर्च लगभग खत्म हो सकता है। जब दुनिया में जंग हो तब पैसा रुकना नहीं चाहिए। यूपीआई यही सुनिश्चित करने का काम कर रहा है। अब सवाल उठता है कि क्या रूस या चीन ने भी ऐसा कुछ नहीं बनाया। बनाया तो, लेकिन दुनिया ने उन्हें नहीं अपनाया, क्योंकि भरोसा नहीं था। ईरान के खिलाफ युद्ध में यही देखा गया कि जो देश अमेरिका के निशाने पर हैं, उनकी भुगतान व्यवस्था दुनिया स्वीकार नहीं करती। भारत न किसी पर प्रतिबंध लगाता है और न किसी को धमकाता है। इसीलिए कई देश यूपीआई से जुड़ने को तैयार हैं। इस युद्ध ने एक और बात साफ कर दी कि दुनिया डॉलर पर निर्भरता कम करना चाहती है। भारत की रुपये आधारित यूपीआई सेटलमेंट इसका एक व्यावहारिक जवाब है। कुछ लोग सोचते हैं कि अगर भारत अपनी यूपीआई तकनीक दूसरे देशों को दे रहा है तो वे इसे कापी कर लेंगे। यह सोच सही नहीं। तकनीक कापी हो सकती है, लेकिन नेटवर्क नहीं। जैसे वाट्सएप की तकनीक कोई भी बना सकता है लेकिन उसके करोड़ों उपयोगकर्ता कोई नहीं छीन सकता। यूपीआई का नेटवर्क, उसके करोड़ों उपयोगकर्ता और उसकी साख यही भारत की असली पूंजी है। आज भारत प्रोजेक्ट नेक्सस जैसी वैश्विक पहलों में सक्रिय भूमिका निभा रहा है। प्रोजेक्ट नेक्सस का मतलब है दुनिया के अलग-अलग देशों की फास्ट पेमेंट व्यवस्थाओं को एक साथ जोड़ना। यह स्विफ्ट का एक खुला और निष्पक्ष विकल्प बन सकता है, जिसे कोई एक देश बंद नहीं कर सकता। अभी यूपीआई वैश्विक स्तर पर पूरी तरह सरल नहीं बन पाया है। विदेश में रहने वाले भारतीयों को अभी भी भारतीय सिम कार्ड की जरूरत पड़ती है। सभी देशों में सभी दुकानों पर यूपीआई नहीं चलता, लेकिन रिजर्व बैंक और एनपीसीआई इस पर काम कर रहे हैं। जल्द ही यह रुकावटें दूर होंगी। आज दुनिया जिस तरह अनिश्चितता से भरी है, उसमें यूपीआई की जरूरत और भी ज्यादा है। युद्ध का मैदान अब सिर्फ जमीन पर नहीं है। वह बैंकों में, पेमेंट सिस्टम में और डिजिटल नेटवर्क में भी है। अमेरिका,इजरायल और ईरान की जंग ने फिर साबित किया कि जब दुनिया बंट जाती है तो पैसों की निष्पक्ष व्यवस्था सबसे बड़ी जरूरत बन जाती है।

इतिहास की पुनरावृत्ति या अमेरिकी लोकतंत्र की कमजोरी

ANALYSIS

✍ डॉ. प्रियंका सौरभ

वर्ष 1981 में इसी स्थान के बाहर तत्कालीन राष्ट्रपति रोनाल्ड रीगन पर जॉन हिंकली जूनियर ने गोली चलाई थी। उस हमले में रीगन गंभीर रूप से घायल हो गए थे और उनके प्रेस सचिव जेम्स ब्रैडी को स्थायी रूप से विकलांगता का सामना करना पड़ा था। उस समय भी यही सवाल उठे थे सुरक्षा में चूक कैसे हुई और आज, लगभग 45 वर्ष बाद, वही प्रश्न फिर हमारे सामने खड़ा है। फर्क सिर्फ इतना है कि अब दुनिया कहीं अधिक जटिल हो चुकी है और खतरों के स्वरूप भी बदल चुके हैं। घटना के दौरान मौजूद लोगों के अनुसार सब कुछ सामान्य ढंग से चल रहा था। हंसी-मजाक, भाषण, मीडिया और राजनीति का मिश्रण- यह रात्रिभोज हमेशा से अमेरिकी लोकतंत्र की एक अनूठी परंपरा रहा है। लेकिन, अचानक हुई गोलीबारी ने इस परंपरा को झकझोर कर रख दिया। लोग अपनी सुरक्षा के लिए टेबलों के नीचे छिपने लगे, अफरा-तफरी मच गई और कुछ ही क्षणों में पूरा वातावरण नियंत्रण से बाहर होता प्रतीत हुआ। हालांकि राहत की बात यह रही कि इस घटना में कोई बड़ा जान-माल का नुकसान नहीं हुआ, लेकिन मानसिक और मनोवैज्ञानिक प्रभाव को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता।

वॉशिंगटन के प्रतिष्ठित वॉशिंगटन हिल्टन में हुई गोलीबारी ने पूरी दुनिया को एक बार फिर चौंका दिया। यह केवल एक सुरक्षा संबंधी घटना नहीं थी, बल्कि एक ऐसा क्षण था जिसने इतिहास, राजनीति और लोकतंत्र तीनों को एक साथ खड़ा कर दिया। जब व्हाइट हाउस संवाददाता रात्रिभोज के दौरान अचानक गोलियों की आवाज गूंजी, तो वहां मौजूद हजारों लोगों के लिए यह किसी भयावह स्वप्न से कम नहीं था। इस कार्यक्रम में डोनाल्ड ट्रंप, मेलानिया ट्रंप और जेडी वेंस जैसे शीर्ष नेता उपस्थित थे। कुछ ही पलों में उत्सव का माहौल भय और अराजकता में बदल गया। अमेरिकी सीक्रेट सर्विस की तत्परता ने स्थिति को नियंत्रित कर लिया, लेकिन इस घटना ने कई गहरे सवाल खड़े कर दिए, जिनका उत्तर सरल नहीं है। इस घटना की सबसे चौंकाने वाली और साथ ही डरावनी बात यह है कि यह पहली बार नहीं हुआ। यही होटल, जिसे कभी-कभी हिंकली हिल्टन के नाम से भी जाना जाता है, पहले भी अमेरिकी इतिहास की एक बड़ी हिंसक घटना का गवाह रह चुका है। वर्ष 1981 में इसी स्थान के बाहर तत्कालीन राष्ट्रपति रोनाल्ड रीगन पर जॉन हिंकली जूनियर ने गोली चलाई थी। उस हमले में रीगन गंभीर रूप से घायल हो गए थे और उनके प्रेस सचिव जेम्स ब्रैडी को स्थायी रूप से विकलांगता का सामना करना पड़ा था। उस समय भी यही सवाल उठे थे सुरक्षा में चूक कैसे हुई और आज, लगभग 45 वर्ष बाद, वही प्रश्न फिर हमारे सामने खड़ा है। फर्क सिर्फ इतना है कि अब दुनिया कहीं अधिक जटिल हो चुकी है और खतरों के स्वरूप भी बदल चुके हैं। घटना के दौरान मौजूद लोगों के अनुसार सब कुछ सामान्य ढंग से चल रहा था। हंसी-मजाक, भाषण, मीडिया और राजनीति का मिश्रण- यह रात्रिभोज हमेशा से अमेरिकी लोकतंत्र की एक अनूठी परंपरा रहा है। लेकिन, अचानक हुई गोलीबारी ने इस परंपरा को झकझोर कर रख दिया। लोग अपनी सुरक्षा के लिए टेबलों के नीचे छिपने लगे, अफरा-तफरी मच गई और कुछ ही क्षणों में पूरा वातावरण नियंत्रण से बाहर होता प्रतीत हुआ। हालांकि राहत की बात यह रही कि इस घटना में कोई बड़ा जान-माल का नुकसान नहीं हुआ, लेकिन मानसिक और मनोवैज्ञानिक प्रभाव को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। यह घटना केवल एक सुरक्षा चूक नहीं है, बल्कि यह अमेरिकी समाज में बढ़ते राजनीतिक तनाव का भी संकेत देती है। पिछले कुछ वर्षों में अमेरिका में वैचारिक ध्रुवीकरण तेजी से बढ़ा है। 6 जनवरी कैपिटल दंगा जैसी घटनाएं यह दिखा चुकी हैं कि राजनीतिक मतभेद अब केवल बहस और विचार-विमर्श तक सीमित नहीं रह गए हैं। वे सड़कों पर, संस्थानों में और अब उच्च-स्तरीय आयोजनों में भी खुलकर सामने आ रहे हैं। इस संदर्भ में वॉशिंगटन हिल्टन की यह घटना एक अलग-थलग घटना नहीं लगती, बल्कि एक व्यापक प्रवृत्ति का हिस्सा प्रतीत होती है। डोनाल्ड ट्रंप की राजनीति भी इस पूरे परिदृश्य में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। उनकी अमेरिका फर्स्ट और मेक अमेरिका ग्रेट अगेन जैसी नीतियों ने जहां एक बड़े वर्ग को आकर्षित किया, वहीं दूसरी ओर समाज के एक हिस्से में असंतोष और विरोध भी पैदा किया। मीडिया के साथ उनका टकराव, फेक न्यूज जैसे शब्दों का प्रयोग, और राजनीतिक विरोधियों के प्रति तीखी भाषा इन सबने सामाजिक माहौल को और अधिक संवेदनशील बना दिया। ऐसे में जब कोई हिंसक घटना घटित होती है, तो वह केवल एक व्यक्ति का कृत्य नहीं प्रतीत होती, बल्कि उस व्यापक सामाजिक और राजनीतिक वातावरण का परिणाम लगती है जिसमें असहमति को अक्सर शत्रुता के रूप में देखा जाने लगा है। सुरक्षा व्यवस्था पर प्रश्न उठना स्वाभाविक है। अमेरिकी सीक्रेट सर्विस को विश्व की सबसे सक्षम सुरक्षा एजेंसियों में गिना जाता है। 1981 की घटना के बाद इसमें कई महत्वपूर्ण सुधार किए गए अत्याधुनिक तकनीक का उपयोग, अधिक प्रशिक्षित सुरक्षा कर्मी, और उन्नत निगरानी प्रणाली। फिर भी इस प्रकार की घटना का होना यह दर्शाता है कि भीड़भाड़ वाले सार्वजनिक आयोजनों में जोखिम को पूरी तरह समाप्त नहीं किया जा सकता। आज के समय में खतरे केवल पारंपरिक हथियारों से नहीं आते, बल्कि वे मानसिक अस्थिरता, ऑनलाइन कट्टरता और व्यक्तिगत निराशा जैसे कारकों से भी जुड़े होते हैं। इस घटना का एक और महत्वपूर्ण पहलू है डिजिटल युग और सोशल मीडिया की भूमिका। आज विचारों का प्रसार अत्यंत तेज गति से होता है। गलत जानकारी, षड्यंत्र सिद्धांत और कट्टरपंथी विचारधाराएं कुछ ही समय में लाखों लोगों तक पहुंच जाती हैं। जहां 1981 में जॉन हिंकली जूनियर पर फिल्मों के प्रभाव की चर्चा हुई थी, वहीं आज के समय में हमलावरों पर डिजिटल दुनिया और सोशल मीडिया का प्रभाव अधिक देखा जाता है। यह बदलाव सुरक्षा एजेंसियों के सामने नई चुनौतियां प्रस्तुत करता है, क्योंकि अब खतरे की पहचान करना और उसे समय रहते रोकना पहले से कहीं अधिक कठिन हो गया है। वैश्विक स्तर पर भी इस घटना के प्रभाव को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। अमेरिका को दुनिया का सबसे शक्तिशाली लोकतंत्र माना जाता है, और वहां होने वाली घटनाएं अन्य देशों के लिए संकेत का काम करती हैं। भारत जैसे देशों के लिए, जहां बड़े पैमाने पर राजनीतिक और सामाजिक कार्यक्रम आयोजित होते हैं, यह एक चेतावनी है। केवल तकनीकी रूप से सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करना पर्याप्त नहीं है; इसके साथ-साथ सामाजिक सौहार्द, संवाद और आपसी विश्वास को भी बढ़ावा देना आवश्यक है। इस घटना ने एक गहरा प्रश्न भी उठाया है क्या लोकतंत्र वास्तव में सुरक्षित है? लोकतंत्र केवल चुनावों और संस्थाओं का नाम नहीं है, बल्कि यह एक विचारधारा है, जिसमें असहमति को स्वीकार किया जाता है और संवाद को प्राथमिकता दी जाती है। जब समाज में संवाद की जगह टकराव ले लेता है, तो लोकतंत्र की नींव कमजोर होने लगती है। वॉशिंगटन हिल्टन की यह घटना इसी संभावित कमजोरी की ओर संकेत करती है। इसके सामाजिक निहितार्थ भी अत्यंत गहरे हैं। मीडिया, जो इस कार्यक्रम का मुख्य केंद्र होता है, स्वयं इस घटना का हिस्सा बन गया। पत्रकार, जो सत्ता से प्रश्न पूछने और लोकतंत्र को मजबूत करने के लिए वहां उपस्थित थे, अचानक स्वयं एक संकट का सामना करने लगे। यह स्थिति हमें यह सोचने पर विवश करती है कि क्या प्रेस की स्वतंत्रता और उसकी भूमिका को लेकर समाज में बढ़ती असहिष्णुता भी इस प्रकार की घटनाओं को जन्म दे रही है। अंततः यह घटना केवल अमेरिका के लिए नहीं, बल्कि पूरे विश्व के लिए एक चेतावनी है। इतिहास स्वयं को दोहराता है, लेकिन हर बार वह एक नया संदेश भी देता है। 1981 की घटना के बाद सुरक्षा व्यवस्था में सुधार हुए थे, 2026 की इस घटना के बाद संभवतः और व्यापक बदलावों की आवश्यकता होगी। लेकिन, सबसे महत्वपूर्ण परिवर्तन तकनीक या सुरक्षा में नहीं, बल्कि हमारी सोच में होना चाहिए। जब तक समाज में सहिष्णुता, संवाद और पारस्परिक सम्मान को बढ़ावा नहीं मिलेगा, तब तक ऐसी घटनाओं को पूरी तरह रोक पाना कठिन रहेगा। वॉशिंगटन हिल्टन की यह रात केवल एक घटना नहीं, बल्कि एक दर्पण है जिसमें हम लोकतंत्र की शक्ति और उसकी कमजोरियों दोनों को स्पष्ट रूप से देख सकते हैं।

मौसम विभाग की चेतावनियों से बढ़ी लोगों की चिंता

देश के बड़े हिस्से में इस समय भीषण गर्मी ने अपने तेवर दिखाने शुरू कर दिए हैं। उत्तर भारत से लेकर पश्चिम और पूर्वी क्षेत्रों तक तापमान लगातार बढ़ रहा है और आम जनजीवन पर इसका गहरा असर पड़ रहा है। खासकर बिहार और उत्तर प्रदेश जैसे राज्यों में हालात ज्यादा गंभीर होते जा रहे हैं, जहां तापमान 40 से 44 डिग्री सेल्सियस के बीच पहुंच चुका है। मौसम विभाग द्वारा जारी चेतावनियों ने लोगों की चिंता और बढ़ा दी है, क्योंकि आने वाले दिनों में स्थिति और अधिक विकट होने की संभावना जताई गई है। बिहार में गर्मी ने अप्रैल के महीने में ही जून जैसी स्थिति पैदा कर दी थी। कई जिलों में तापमान सामान्य से 2 से 6 डिग्री अधिक दर्ज किया जा रहा है, जो स्पष्ट संकेत देता है कि मौसम का संतुलन तेजी से बिगड़ रहा है। बक्सर, भोजपुर, कैमूर, रोहतास, औरंगाबाद, गया, नवादा, पटना, अरवल और जहानाबाद जैसे जिलों में हीट वेव का अलर्ट जारी किया गया है। इन इलाकों में तेज गर्म हवाएं चलने और तापमान 44 डिग्री तक पहुंचने की आशंका है। दिन के समय सड़कों पर निकलना किसी चुनौती से कम नहीं रह गया है। लोग जरूरी काम के बिना घर से बाहर निकलने से बच रहे हैं और जो निकल रहे हैं, वे सिर पर गमछा या दुपट्टा लपेटकर ही बाहर जा रहे हैं। पटना सहित कई शहरों में तापमान 41 डिग्री के पार जा चुका है, जबकि बक्सर में 44.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से काफी अधिक है। रोहतास के डेहरी, गया, शेखपुरा और अरवल जैसे क्षेत्रों में भी तापमान 42 डिग्री के आसपास बना हुआ है। इस तरह की स्थिति न केवल असहज है बल्कि स्वास्थ्य के लिए भी गंभीर खतरा पैदा कर सकती है। खासकर बच्चों, बुजुर्गों और बीमार लोगों के लिए यह मौसम बेहद चुनौतीपूर्ण बन गया है। हालांकि मौसम विभाग ने उत्तर और उत्तर-पूर्वी बिहार के कुछ हिस्सों में थोड़ी राहत की संभावना जताई है। पश्चिम चंपारण, पूर्वी चंपारण, सीतामढ़ी, शिवहर, मधुबनी, सुपौल, अररिया और किशनगंज में हल्की से मध्यम बारिश और तेज हवा के साथ वज्रपात की संभावना व्यक्त की गई है। लेकिन यह राहत सीमित और अस्थायी ही मानी जा रही है, क्योंकि पूरे राज्य में गर्मी का प्रभाव अभी बना रहेगा। उत्तर प्रदेश में भी हालात कम चिंताजनक नहीं हैं। यहां भी तापमान तेजी से बढ़ रहा है और लू का असर स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है। बुंदेलखंड क्षेत्र में स्थिति सबसे अधिक गंभीर है, जहां बांदा जिले का तापमान 43.8 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया है। प्रयागराज भी 43.7 डिग्री के साथ पीछे नहीं है। मौसम विभाग ने प्रदेश के 22 जिलों में हीट वेव की चेतावनी जारी की है और कहा है कि 25 अप्रैल तक तापमान में लगातार वृद्धि होती रहेगी। लखनऊ स्थित आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार, 26 अप्रैल के बाद एक पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय हो सकता है, जिससे कुछ क्षेत्रों में बादल छाने और हल्की बूंदाबांदी की संभावना है। इससे तापमान में थोड़ी गिरावट आ सकती है, लेकिन तब तक लोगों को इस प्रचंड गर्मी का सामना करना ही पड़ेगा। देश के अन्य हिस्सों की बात करें तो गुजरात, महाराष्ट्र, ओडिशा और राजस्थान जैसे राज्यों में भी गर्मी ने लोगों को बेहाल कर दिया है। कई शहरों में तापमान 40 डिग्री से ऊपर बना हुआ है और लू के थपेड़े लोगों को दिन के समय घरों में रहने के लिए मजबूर कर रहे हैं। सड़कों पर दोपहर के समय सन्नाटा छा जाता है और केवल जरूरी काम से ही लोग बाहर निकलते हैं। इस बढ़ती गर्मी का असर केवल इंसानों पर ही नहीं, बल्कि पशु-पक्षियों पर भी पड़ रहा है। जलस्रोत सूखने लगे हैं और पक्षियों को पानी की कमी का सामना करना पड़ रहा है। कई सामाजिक संगठन और जागरूक नागरिक पक्षियों के लिए पानी के बर्तन रखकर राहत पहुंचाने की कोशिश कर रहे हैं। गर्मी के इस प्रकोप ने स्वास्थ्य सेवाओं पर भी दबाव बढ़ा दिया है। अस्पतालों में हीट स्ट्रोक, डिहाइड्रेशन और अन्य गर्मी से जुड़ी बीमारियों के मरीजों की संख्या बढ़ रही है। डॉक्टरों का कहना है कि इस समय सावधानी बरतना बेहद जरूरी है। शरीर में पानी की कमी न होने दें, हल्का और ठंडा भोजन करें और तेज धूप में बाहर निकलने से बचें। जलवायु परिवर्तन भी इस तरह की चरम मौसम स्थितियों का एक बड़ा कारण माना जा रहा है। विशेषज्ञों का कहना है कि हर साल तापमान में बढ़ोतरी और हीट वेव की घटनाओं में इजाफा हो रहा है। यह केवल एक मौसमी बदलाव नहीं बल्कि एक गंभीर वैश्विक समस्या का संकेत है, जिसका समाधान सामूहिक प्रयासों से ही संभव है। सरकार और प्रशासन भी इस स्थिति से निपटने के लिए प्रयास कर रहे हैं। कई जगहों पर हीट एक्शन प्लान लागू किया गया है, जिसमें लोगों को जागरूक करने, पानी की व्यवस्था करने और स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने जैसे कदम शामिल हैं। लेकिन इस चुनौती का सामना केवल सरकारी प्रयासों से नहीं, बल्कि समाज के हर व्यक्ति की जागरूकता और सहयोग से ही किया जा सकता है। गर्मी के इस दौर में जीवनशैली में बदलाव भी जरूरी हो गया है। दिनचर्या को इस तरह से ढालना होगा कि शरीर पर गर्मी का असर कम से कम पड़े। सुबह और शाम के समय ही जरूरी काम निपटाने की कोशिश करनी चाहिए और दोपहर के समय घर के अंदर ही रहना बेहतर है। अंततः यह कहा जा सकता है कि इस समय देश भीषण गर्मी की चपेट में है और आने वाले कुछ दिन और कठिन हो सकते हैं।

Social Media Corner

सच के हक में...

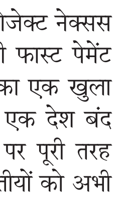

असम में तीसरी बार एनडीए सरकार ने सत्ता संभाली है। मैं डॉ. हिमंता बिस्वा सरमा को कार्यभार संभालने पर हार्दिक बधाई देता हूं। उन्होंने एक कुशल प्रशासक के रूप में अपनी पहचान बनाई है और राज्य के लिए कई परिवर्तनकारी कार्य किए हैं। आगामी कार्यकाल के लिए मेरी हार्दिक शुभकामनाएं। मैं श्री रामेश्वर तेली, श्री अतुल बोरा, श्री चरण बोरो और श्रीमती अजंता नियोग को असम सरकार के मंत्री पद की शपथ लेने पर हार्दिक बधाई देता हूं। मैं असम के विकास पथ को सुदृढ़ करने में उनके प्रभावशाली कार्यों के लिए उन्हें शुभकामनाएं देता हूं।

(प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का 'एक्स' पर पोस्ट)

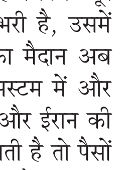

पश्चिम बंगाल में मुख्य निर्वाचन अधिकारी रहे अधिकारी को मुख्य सचिव बनाए जाने को लेकर विपक्ष जिस प्रकार अनावश्यक विवाद खड़ा कर रहा है, वह पूरी तरह राजनीतिक मानसिकता को दर्शाता है। अधिकारी की नियुक्ति चुनी हुई सरकार के विवेक और संवैधानिक प्रक्रिया पर निर्भर करती है। यदि नियुक्ति नियमों और प्रशासनिक प्रक्रिया के तहत हुई है, तो केवल राजनीतिक आरोप लगाना उचित नहीं कहा जा सकता। झारखंड में वर्ष 2019 में जब कांग्रेस, झामुमो और राजद गठबंधन की सरकार बनी थी, उस समय श्री विनय चौबे मुख्य निर्वाचन अधिकारी के रूप में चुनाव प्रक्रिया का संचालन कर रहे थे। बाद में मुख्यमंत्री द्वारा उन्हें प्रधान सचिव नियुक्त किया गया, लेकिन तब भाजपा ने कभी यह आरोप नहीं लगाया कि किसी अधिकारी की भूमिका के कारण जनादेश प्रभावित हुआ। भाजपा ने हमेशा लोकतांत्रिक प्रक्रिया और जनादेश का सम्मान किया है। वास्तव में चुनाव हारने के बाद संवैधानिक संस्थाओं पर सवाल उठाना, भ्रष्टाचार के मामलों में जांच एजेंसियों पर भेदभाव का आरोप लगाना और हर प्रशासनिक निर्णय को राजनीतिक रंग देना कांग्रेस, तृणमूल कांग्रेस, झामुमो, आम आदमी पार्टी और उनके सहयोगी दलों की पुरानी प्रवृत्ति रही है।

(बाबूलाल मरांडी का 'एक्स' पर पोस्ट)

आस्था, अवसर और आधुनिकता का संगम

जब भारत की आत्मा की बात होती है, तो वह केवल भूगोल की रेखाओं में नहीं,बल्कि उन यात्राओं में बसती है, जो मन, मस्तिष्क और जीवन को जोड़ती हैं। इसी दृष्टि से एक नई शुरूआत का प्रतीक बनकर सामने आ रहा है, जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वाराणसी-पुणे और अयोध्या-मुंबई (लोकमान्य तिलक टर्मिनस) अमृत भारत एक्सप्रेस ट्रेनों को हरी झंडी दिखाई। यह केवल दो नई रेल सेवाओं का शुभारंभ नहीं,बल्कि भारत की सांस्कृतिक विरासत, आध्यात्मिक चेतना और आर्थिक गतिशीलता के त्रिवेणी संगम का साकार रूप है। भारतीय रेल का यह कदम उस चलते-फिरते भारत की कहानी कहता है, जिसमें हर यात्री केवल एक गंतव्य की ओर नहीं बढ़ता, बल्कि वह अपने साथ अपनी आस्था, अपनी आकांक्षाएं और अपनी जड़ों का रिश्ता भी लेकर चलता है। अमृत भारत एक्सप्रेस, अपने नाम के अनुरूप,उसी अमृत को जन-जन तक पहुंचाने का प्रयास है, जिसमें सुविधा, सुरक्षा और सस्ती यात्रा का संतुलित समावेश है। जब यह ट्रेन वाराणसी की पवित्र धरती से प्रस्थान करेगी, तो वह केवल एक स्टेशन से नहीं, बल्कि उस सनातन चेतना से निकलती प्रतीत होगी, जो काशी विश्वनाथ मंदिर की घंटियों, गंगा घाटी की आरती और गंगा की अविरल धारा में अनवरत बहती है। काशी, जहां हर कदम पर इतिहास सांस लेता है और हर घाट पर जीवन का दार्शनिक अर्थ खुलता है, अब सीधे जुड़ रहा है पूणे से एक ऐसा शहर जो आधुनिक भारत की शिक्षा, तकनीक और औद्योगिक ऊर्जा का प्रतीक है। यह जुड़ाव केवल दूरी कम करने का साधन नहीं, बल्कि दो युगों के मिलन का प्रतीक है एक ओर आध्यात्म की अनंत गहराई, दूसरी ओर आधुनिकता की ऊंची उड़ान। काशी से निकलकर जब यह रेल प्रयागराज, झांसी,भोपाल, इटारसी और भुसावल जैसे शहरों से गुजरती हुई पुणे के हडपसर तक पहुंचेगी, तो वह अपने साथ उन लाखों सपनों को भी लेकर चलेगी, जो रोजगार, शिक्षा और बेहतर जीवन की तलाश में सीमाओं को पार करते हैं। इसी प्रकार अयोध्या से प्रारंभ होने वाली अमृत भारत एक्सप्रेस एक अलग ही भावभूमि को स्पर्श करती है। अयोध्या, जहान श्री राम मंन्दिर की दिव्यता आज नए भारत के आत्मविश्वास का प्रतीक बन चुकी है, वहां से चलकर यह ट्रेन मुम्बई तक पहुंचती है एक ऐसा महानगर जो सपनों को आकार देता है, परिश्रम को पहचान देता है और जीवन को गति देता है। यह यात्रा केवल 28 घंटे का समय नहीं, बल्कि उन असंख्य भावनाओं का सेतु है,जो एक प्रवासी के मन में घर और कर्मभूमि के बीच झूलती रहती हैं। सुल्तानपुर, प्रतापगढ़, प्रयागराज, जबलपुर, इटारसी, नासिक और ठाणे जैसे पड़ाव इस यात्रा को केवल भौगोलिक नहीं, बल्कि सामाजिक और सांस्कृतिक विविधता का जीवंत मानचित्र बना देते हैं। अमृत भारत एक्सप्रेस की विशेषता यह है कि यह सामान्य जन के लिए असाधारण सुविधा लेकर आई है। पूरी तरह नॉन-एसी होने के बावजूद इसमें आधुनिक तकनीक का समावेश है- सीसीटीवी निगरानी, इमरजेंसी टॉक-बैक सिस्टम, अग्निशमन प्रणाली और बेहतर कोच डिजाइन इसे सुरक्षित बनाते हैं। वहीं आरामदायक सीटें, मोबाइल चार्जिंग सुविधा,स्वच्छ शौचालय और दिव्यांगजन-अनुकूल व्यवस्था इसे मानवीय संवेदनाओं से जोड़ती है। यह ट्रेन बताती है कि विकास केवल तेज गति का नाम नहीं, बल्कि हर वर्ग को साथ लेकर चलने का संकल्प भी है। यह भी एक दिलचस्प यथार्थ है कि जहां वंदे भारत एक्सप्रेस ने भारत की रेल यात्रा को गति और आधुनिकता का नया आयाम दिया है, वहीं अमृत भारत एक्सप्रेस उस आधार को मजबूत कर रही है, जिस पर देश का आम नागरिक खड़ा है।यह एक ऐसी पहल है,जो समावेशी विकास की परिभाषा को धरातल पर उतारती है। इन ट्रेनों का मार्ग केवल शहरों को नहीं जोड़ता, बल्कि उन संस्कृतियों को जोड़ता है,जो भारत की विविधता को एकता में बदलती हैं। प्रयागराज का संगम, झांसी की वीरता, भोपाल की झीलें, नासिक की आस्था और मुंबई की भागदौड़- ये सभी इस यात्रा के पड़ाव हैं, जो यात्री को केवल मंजिल तक नहीं, बल्कि अनुभवों की एक नई दुनिया तक ले जाते हैं।

विद्यार्थियों की आत्महत्या

यह समय की मांग थी कि उच्च शिक्षण संस्थानों में छात्रों की आत्महत्या को लेकर शिक्षा मंत्रालय सभी संस्थानों को सतर्क करते हुए उन्हें विद्यार्थियों की काउंसलिंग करने और तय एसओपी अर्थात मानक संचालन प्रक्रिया का पालन करने को कहता, लेकिन केवल इतना ही पर्याप्त नहीं। उसे यह सुनिश्चित करना चाहिए कि सभी उच्च शिक्षा संस्थानों में वह तंत्र पर्याप्त क्षमता, संवेदनशीलता और संसाधनों के साथ सक्रिय है या नहीं, जिस पर अवसादग्रस्त या किसी अन्य समस्या से घिरे छात्रों की काउंसलिंग करने का उत्तरदायित्व होता है। उच्च शिक्षा संस्थानों में छात्रों की आत्महत्या पर समय-समय पर विभिन्न स्तरों पर चिंता जताने और उन्हें रोकने की आवश्यकता पर बल देने के बाद भी बात बनती दिख नहीं रही है। यह सामान्य बात नहीं कि आईआईटी खड़गपुर में पिछले डेढ़ वर्ष में नौ छात्रों ने आत्महत्या की। इसी तरह एनआईटी कुरुक्षेत्र में बीते दो महीनों में तीन छात्रों और एक छात्रा ने अपनी जान दे दी। इन दोनों शिक्षा संस्थानों में इतने कम समय में इतने अधिक विद्यार्थियों की आत्महत्या सामान्य बात नहीं। दुर्भाग्य से विभिन्न शिक्षा संस्थानों में छात्रों की आत्महत्या के मामले रह-रहकर सामने आते ही रहते हैं। ये मामले यही बताते हैं कि हमारे उच्च शिक्षा संस्थानों और विशेष रूप से उनके छात्रावासों में वैसा स्वस्थ और सकारात्मक वातावरण नहीं कि किसी कारण से परेशान कोई छात्र अपने प्राण त्यागने जैसा अतिवादी कदम न उठाने पाए। छात्र-छात्राएं भिन्न-भिन्न कारणों से आत्महत्या करते हैं। कोई परीक्षा में लगातार असफलता से निराश होकर अपनी जान दे देता है, कोई नए माहौल में खुद को समायोजित न कर पाने के कारण, कोई हीनभावना से घिर जाने के चलते और कोई अपने साथ जातिगत, क्षेत्रगत भेदभाव के कारण। कुछ मामलों में कोई छात्र अपने साथी छात्रों द्वारा ही दुर्व्यवहार का शिकार होकर आत्महत्या कर लेता है।

Printed and Published by Fahim Akhtar on behalf of MAA MEDIA VENTURE and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, 835222, Jharkhand And Published at Roshpa Tower, 5th Floor, Main Road, Ranchi, Jharkhand-834001. R.N.I Number - JHABIL/2022/85899, Editor- Fahim Akhtar. Mob - 9431311669, E-mail : thephotonnewsjharkhand@gmail.com

Layers within Telangana's caste pyramid

The Union government gives special grants only for those states or regions that are deemed 'backward' for their development to bring them on par with others. But what determines if a state is backward?Economic metrics such as gross domestic product and per-capita income are used to measure the relative backwardness of states. Sounds logical, right? Similarly, shouldn't social justice schemes also focus more on castes that are more backward than others? If yes, how does one measure the relative backwardness of a caste?

For the first time in India, a composite backwardness index (CBI) has been constructed in Telangana to objectively measure the relative backwardness of a caste. The analytical framework is methodologically modest in description and conceptually radical in implication: it produces a single, comparable number for the relative backwardness of each of 242 caste groups, derived from the responses of 3.55 crore people across 75 fields of information.

The CBI is built on 42 equally-weighted parameters spanning education, occupation, income, land and assets, living conditions, access to finance, gender and social discrimination. Each caste is scored on a scale of 0 to 126, where a higher score denotes greater backwardness. The least backward caste in Telangana, the Kapu community, scores 12. The most backward, the scheduled caste Dakkal, scores 116. The state average is 81. Above that line lie 135 of the 242 castes, accounting for two-thirds of the population. Below it lie 107, including all 18 general castes. The numbers, for the first time, settle questions that have so far been the province of assertion.The Mandal Commission, whose 1980 report shaped four decades of reservation policy, used 11 parameters and relied largely on field visits and judgement to classify social and educational backwardness. It was a serious effort with the tools then available. The CBI uses 42 parameters and 3.55 crore observations, distinguishes rural and urban living standards within each parameter, and produces a continuous score rather than a binary classification.The CBI provides empirical evidence of the established ugly truth of Indian society—people belonging to SC and ST communities are three times and the backward classes 2.7 times more backward than the general castes. A whopping two-thirds of Telangana's population belong to really oppressed castes that badly need help.

The index also changes the paradigm of welfare design, which has so far been built around broad clusters such as BC, SC and ST. The data shows that even within these groups, inequality is sharp. The SC Madiga community is more than double the population of SC Malas and 15 percent more backward. Shaik Muslims are five times more numerous than general-caste Muslims and 40 percent more backward. People from the Padmasali BC are actually less backward than the state average. Aggregating these communities into a single category obscures more than it reveals.Nearly a third of the beneficiaries of Telangana's flagship welfare schemes belong to castes less backward than the state average. The CBI reframes the welfare question itself: instead of filling a common well from which marginalised groups draw in proportion to their population, the state can now deliver resources in proportion to each caste's backwardness.The CBI also reveals the specific drivers of backwardness. Contrary to popular belief, it is not land ownership but access to English-medium education that is the strongest predictor of where a caste sits on the scale. People from the Lambadi tribe and Mudiraj backward group rank well on irrigated land ownership, but remain among the more backward groups. Meanwhile, the Gouds, goldsmiths and BC Christians score better than the average because of school access.

The gloves are off in Punjab

THE GREAT GAME: The BJP is certainly sharpening its metaphorical knives in the AAP-ruled state

THE Punjab BJP celebrated the victory in the West Bengal elections in a five-star hotel in Chandigarh on Friday evening, barely a day after the Enforcement Directorate cracked down on three Punjabi real-estate developers in Mohali, just outside the garden city. The two incidents are separate but everyone also knows they are connected. The newfound confidence in the BJP stems from what once was an oft-repeated adage : What Bengal does today, the rest of the country does tomorrow.And so, in the air, hangs the question, "Is Punjab next?" It's a question not just Punjab, but all the country is asking. Certainly, the gloves are off.

Let's start with the map of India that has turned mostly saffron in the last 12 years since PM Modi took power. Except for Himachal Pradesh and Punjab in the north, Kerala, Tamil Nadu, Telangana and Karnataka in the south and Jharkhand in eastern India, the rest of the country today belongs to the BJP. No need to repeat how the dominoes have fallen.We also know the BJP likes to detail. In Bengal, the Special Intensive Revision was thrown into the "poriborton" mix of caste and gender and religion; alongside these pages, senior journalist Jayanta Ghosal writes how the BJP decided to subdue the "Jai Shri Ram" narrative it has favoured elsewhere to focus, instead, on the anti-incumbency ills associated with Mamata Banerjee. Even Bangladesh was not spared in this "no stone to be left unturned" strategy — Dinesh Trivedi, former Trinamool Congress MP who moved to the BJP five years ago, was sent to Dhaka as High Commissioner (a story broken by my colleague Ujwal Jalali) — to showcase its pro-Bengal intent.The focus on Punjab has been a long time coming. PM Modi visited Gurdwara Sachkhand Ballan in February to mark the anniversary of Sant Ravidas, revered by the Sikh Ravidassia sect, while the sect head was given a Padma Shri in January — about 22 per cent of the state's Sikhs are Dalits. Haryana CM Nayab Singh Saini's forays into Punjab in a turban are well-known.

It seems the seven defector AAP MPs who recently joined the BJP will soon set up camp in Chandigarh — their staffers are already here. Even the banquet for Vietnamese President To Lam in Rashtrapati Bhavan earlier this week was designed by Punjab celebrity chef Harpal Singh Sokhi (check out his interview and food stories-cum-recipes in The Tribune) — the menu featured Bathinda vaale aloo, Dal Amritsari, and with a nod to Haryana, Hisar bajra khichdi.With speculation gaining ground that elections in Punjab will be held towards the end of the year — Census operations are likely to start by middle-January 2027, which means they can't overlap with the conduct of polls — the state BJP is certainly sharpening its metaphorical knives. It hasn't escaped anybody's notice that the ED named the president of AAP Punjab, Aman Arora, as being linked with one of the realtors raided on Thursday morning.Oh yes, the gloves are off. The BJP is targeting the ruling

AAP. CM Bhagwant Mann is hitting back at the Akali Dal — and implicitly, the BJP — by upping the ante against the 2015 sacrilege incidents that took place when the Akalis-BJP were in power. AAP will certainly fight to keep Punjab, keenly aware it is the only way it will still be taken seriously as the third pole in Indian politics. The recent passage of the Jaagat Jot Sri Guru Granth Sahib Satkar (Amendment) Act, 2026, is also intended to whittle down the incredible influence of the SGPC (and therefore the Akali Dal), which issues AAP-critical statements every day.

Winning Bengal has certainly pumped up the BJP. And yet, as Delhi's Lt Governor Taranjit Sandhu — grandson of Teja Singh Samundri, a blue-blooded reformer of the 1920s Gurdwara reform movement and a founder member of the SGPC — discovered, as the BJP candidate for the Amritsar Lok Sabha seat in mid-2024, that the powerful Sikh peasantry wasn't ready to let him into their villages, even to campaign. (He had much better luck with the Hindu communities.)

That big question remains, even if much else has changed these past two years. Are Punjab's Sikhs prepared to let the BJP in today?Or, perhaps, that's not the right question, because it would be folly to think the Sikhs are an undifferentiated, holistic group of people. The right question, perhaps, should be : How will the different Sikh communities, or castes, vote? And will some Sikh castes/communities let BJP candidates in, more than others?Certainly the BJP will attempt to fragment the Sikh vote, in the hope that it can wean some people away. Talk of a BJP-Akali Dal alliance, before or after the poll, refuses to go away, despite Home Minister Amit Shah's announcement the BJP will fight alone. It's clear the two parties need each other — the Akalis need the Hindu vote the BJP can provide and the BJP needs the Akali vote.

The big difference between 2024, when BJP-Akali Dal talks fractured over which party would get more seats in the Lok Sabha polls, and now is that most of the country today, including big Bengal, has been coloured saffron. In this scenario, will Shah still be willing to play second fiddle to Akali Dal's Sukhbir Badal?

Where, you might ask, is the grand old party in this political melee? The interesting thing about the Congress, which has just dumped its old partner, the DMK, in Tamil Nadu, and won back Kerala on an anti-incumbency Left vote, is that it has a good chance of retaking Punjab — if its various factions can still come together and hang together and woo the citizenry in its favour. (At the moment, though, that seems like a really tough ask.)It may well, then, be time for Punjab to (tunelessly) hum the Satinder Sartaaj two-liner : Saanu saariyaan visar gaiyaan raavan ve/Kehre paase jaiye sajana. All our paths seem to have disappeared/What direction should I take now?

Hung mandate: Let Tamil Nadu Assembly floor decide

The Governor is expected to determine which formation is most likely to command the confidence of the Assembly

TAMIL Nadu's unfolding post-election uncertainty has once again brought the constitutional role of the Governor under scrutiny. With Vijay's Tamilaga Vettri Kazhagam emerging as the single largest party but falling short of the halfway mark, the question before Raj Bhavan is politically explosive yet constitutionally settled: who should be invited to form the government? The Constitution does not automatically grant the single largest party the right to govern. The Governor is expected to determine which formation is most likely to command the confidence of the Assembly. However, decades of political controversies have shown how this discretionary power can become a source of suspicion, allegations of bias and charges of partisan intervention.The Supreme Court has repeatedly clarified the constitutional position, emphasising that majority must be tested on the floor of the House, not in the Governor's subjective satisfaction. The Karnataka 2018 episode is the clearest precedent, when the BJP emerged as the single largest party but lacked a

majority. The Governor invited it to form the government and granted 15 days to prove numbers. The SC intervened, ordered an immediate floor test to prevent prolonged political manoeuvring and possible defections. Unable to gather support, BJP's Yediyurappa resigned before the trust vote, after which HD Kumaraswamy formed the government with Congress support. In 2017, in Goa, the Governor invited a post-poll coalition because it demonstrated majority support earlier than the Congress, despite the latter being the largest party. These cases establish a crucial principle: numbers on the Assembly floor matter more than claims outside it.

If Vijay can demonstrate a workable majority, he should be allowed to take oath and face a floor test within days. Equally, if another coalition reaches the majority mark first, it too has a legitimate constitutional claim. Hung verdicts are part of democracy. Constitutional ambiguity should not be.

UAE-Israel ties have deeper historical roots

It is shortsighted for India to give primacy to one Arab peninsula state, as it is doing today

RESPONSIBLE sections of the western media have reported that Israel has deployed its Iron Dome and Iron Beam anti-missile defences in the UAE during this period of intense armed hostilities, currently paused, in the Gulf. Along with the equipment, military personnel have also been sent to the Arab Gulf country. These systems have been sent, for the first time, by Israel outside its territories. Neither Israel nor the UAE have denied the reports; hence, there is no reason to doubt their veracity.The US, under the Trump 1 administration, brokered the normalisation of UAE-Israeli ties in 2020. This was under the rubric of the Abraham Accords. Under their agreement, Israel and the UAE established diplomatic, commercial and security ties. Observers are tracing the deployment of the Iron Dome and the Iron Beam systems to the normalisation of Israel-UAE ties. However, the reasons lie deeper in history.The implacable enmity between Israel and Iran goes back to the beginning of the Khomeini Revolution in 1979. In the past 47 years, Iran has refused to recognise Israel's right to exist. That was a position taken by all the Arab states until Egypt recognised Israel in 1978, under Anwar-us-Sadat, in the Camp David Accords. The Arab states considered it a sellout, as did Khomeini. This was different from the Shah of Iran's approach to Israel; the Shah fled Iran in January 1979. Khomeini returned to the country in February that year and soon took it in his iron grip. That system has continued under the Vilayat-e-Faqih framework.

The UAE's animosity towards Iran has historical roots. It arose from the traditional cultural superciliousness of Persians towards the Arab bedouin and the disdain with which the Shah treated them. This was exhibited when he occupied the Greater and the Lesser Tunbs and Abu Musa just days before the UAE was formed in December 1971. The Tunbs were disputed between Iran and Ras al

Khaimah and Abu Musa between Sharjah and Iran. The Iranian action further embittered relations, but the extent and persistence of negativity became clear when in early 1997, the UAE's Minister of State for Foreign Affairs (and now Foreign Minister) Abdullah bin Zayed conveyed an astonishing position to India's then External Affairs Minister IK Gujral. I know this personally and it would be timely to disclose it in more detail than he has done earlier.Gujral visited Tehran and decided to spend a few hours in Abu Dhabi to meet his counterpart on his way back to Delhi. In Tehran, apart from bilateral ties, he focussed on the situation in Afghanistan, where the Taliban had captured Kabul some five months before his visit. Both Iran and India along with Russia were assisting the anti-Taliban alliance. While an exchange of views on Palestine took place, the situation in the Gulf and Iran-Gulf relations were not on the agenda; there was no need for them to be so.After the Abdullah-Gujral meeting had gone on for some time, after discussions on bilateral ties, the former asked to meet the latter alone. All officials present, including me, left the chamber. Gujral and Abdullah were together for around 20 minutes. Gujral came out and looked troubled. When some of the accompanying officials were alone with him and could talk to him in confidence, they asked what had happened. His words are embedded in my memory. He said that Abdullah had cautioned him on Iran and then had added these words: "We can imagine ourselves to be in the same trenches with Israel against Iran"! In the context of the times, this was a bombshell.

While it was known that Sheikh Zayed, UAE President and Abu Dhabi ruler, as well as some rulers of the six other UAE sheikhdoms did not have positive feelings for Iran, the possibility of their making common cause with Israel against Iran had never been contemplated in Delhi. A little under three decades later, Israel and the UAE have made common cause against Iran and how!

The UAE has moved away in its approaches to society and diplomacy from other Arab Gulf states in recent years. A substantial degree of antipathy has emerged between Saudi Crown Prince Mohammed bin Salman (MBS) and Mohammed bin Zayed (MBZ), the current Abu Dhabi ruler. UAE senior officials have openly complained that none of the other Arab Gulf states came to their country's support when it was facing a far higher degree of missile and drone attacks by Iran since the beginning of the present conflict.

This is not far from the facts. In a kind of response, the UAE left OPEC and OPEC+. Having the sixth largest oil reserves and producing over 3 million barrels per day of oil, the UAE is a significant factor in the hydrocarbons world. It will try to chart its own path, but OPEC+ countries will continue to dominate the oil markets. It is likely that the UAE will get more elbow room for taking independent decisions on its oil production, but it will have to align itself on other issues with OPEC+.

India declines US-sanctioned Russian LNG despite supply strain

India has told Russia it will not buy liquefied natural gas cargoes covered by US sanctions. The decision has left a tanker waiting near Singapore and underlined the compliance risks around Russian LNG.

New Delhi,.(Agency)

India has declined Russia's offer to sell it liquefied natural gas subject to US sanctions despite a shortfall driven by Middle East tensions, said two sources with direct knowledge of the matter, leaving a tanker bound for India in limbo as talks continue on permitted cargoes.

The stance highlights the fine balance the world's third-biggest oil importer and consumer is seeking to strike between securing energy supplies and avoiding LNG cargoes on which the US has placed sanctions, which are harder to disguise and carry greater compliance risk. It also underscores the limits of Moscow's ability to pivot its LNG exports to new markets.India's reluctance has left an LNG cargo from Russia's US-sanctioned Portovaya plant in the Baltic Sea unable to discharge, despite indicating India as its destination in mid-April, one of the sources said.The vessel was tracked despite documentation suggesting the cargo was non-Russian, the source added.Reuters had reported in mid-April, citing LSEG shipping data, that the 138,200-cubic-metre tanker Kunpeng was heading to the Dahej LNG import terminal in western India. The vessel is now near Singaporean waters with no destination broadcast, according to LSEG.India, the biggest buyer of Russian seaborne crude, conveyed its decision not to buy LNG that was under sanction to Russia's Deputy Energy Minister Pavel Sorokin during his April 30 visit,

when he met Indian officials including Petroleum and Natural Gas Minister Hardeep Singh Puri, one of the sources said. It was their second meeting in as many months, and Sorokin could return in June for further talks, said the source.India's Oil and Gas Ministry and Russia's embassy in Delhi did not immediately respond to requests for comment.'RUSSIA KEEN TO SELL, INDIAN COMPANIES CAUTIOUS'

India's purchases of Russian crude have meanwhile continued unabated, aided by a temporary waiver of U.S. sanctions introduced to help countries cope with an energy crisis resulting from the US-Israeli war on Iran, which began on February 28.Arctic LNG 2 is Russia's other export plant subject to US sanctions. Washington stepped up sanctions on the LNG plants in early 2025 over Russia's war on Ukraine.

While crude oil cargoes can be hidden through ship-to-ship transfers at sea, LNG shipments are far harder to conceal from satellite tracking, one of the sources said.India is open to buying authorised Russian LNG, but most of those volumes are committed to Europe, the source said. The source said China remains a major buyer of both sanctioned and unsanctioned Russian LNG.Moscow is also seeking long-term deals to supply India with LNG and fertilisers.

West Bengal govt to implement Ayushman Bharat scheme: How to apply for Rs 5 lakh cashless treatment

MORBI.(Agency)

The newly elected BJP government led by Chief Minister Suvendu Adhikari has made a host of announcements at its first Cabinet in Nabanna, West Bengal. Much to expectations, the Bengal government has announced that the state will be aligned to centre's Ayushman Bharat Pradhan Mantri Jan Arogya Yojana' (PM-JAY). Under the Ayushman Bharat health-insurance scheme, citizens can avail cashless treatment of Rs 5 lakh.Ayushman Bharat, world's largest health-insurance scheme, offers annual hospitalisation benefits of up to Rs 5 lakh per family for secondary and tertiary care.1. Ayushman Bharat –Pradhan Mantri Jan Aarogya Yojana provides cashless and paperless access to services for the beneficiary at the point of service. AB-PMJAY is the world's largest Government funded health assurance scheme.

ALSO READ: 6.5 lakh people registered under Ayushman Bharat in Delhi

2. The benefits under AB-PMJAY are portable across the country. There is no cap on family size, or age or gender.3. Entitled families are able to use the quality health services they need without facing financial hardships.4. AB-PMJAY provides services only for inpatient treatment, therefore, only hospitals providing inpatient services are empanelled under this scheme.5. AB-PMJAY provides treatment corresponding to a total of 1669 procedures under 26 different specialties including chronic diseases like Cancer, Diabetes, Heart Disease and other non-communicable diseases and renal and corneal transplant. Chemotherapy and Radiotherapy packages, along with surgical oncology are covered as part of cancer treatment under the scheme.

Impact of higher fuel prices yet to hit Indian consumers: Uday Kotak

New Delhi.(Agency)

At a time of rising geopolitical uncertainty and fears of an energy-price shock from the ongoing Middle East conflict, Uday Kotak on Tuesday urged India Inc and policymakers to prepare for "rough weather", warning that the impact of higher fuel prices is yet to fully hit Indian consumers.

Speaking at the CII Annual Business Summit 2026, Kotak said India must prepare itself for economic shocks before they arrive rather than react after the damage is done."I would like India to assume we will be in rough weather and prepare to do very well in rough weather. Men and women and strength are not built in good weather," Kotak said during the session.He warned that India has not yet fully experienced the impact of the recent surge in global energy prices triggered by tensions in the Middle East, but said the transmission of higher oil prices into the domestic economy was inevitable.

"We have not seen the impact in the last two months of the Middle East war in terms of energy price transmission. It's coming, and it's coming big, and consumers have not felt the pressure at all," he said.

Explaining the likely impact on households, Kotak said consumers with limited incomes would face a double blow as fuel costs rise directly and also push up prices of other goods dependent on transportation and energy inputs."The shock is coming. Oil companies had the ability to be the shock absorber, and it's a large amount of money," he said, adding that the situation could improve only if geopolitical tensions ease quickly.Kotak also highlighted the growing role of domestic investors in India's economy, contrasting it with foreign capital flows. According to him, while foreign investors have invested roughly ?1.5 trillion, domestic investors including retail participants and insurance companies have invested nearly ?80 trillion into the economy.

Stock markets open lower as oil surge, US-Iran conflict hurt sentiment

New Delhi.(Agency)

Equity benchmark indices tumbled in early trade on Tuesday amid rising crude oil prices as uncertainty surrounding the West Asia conflict clouded markets' confidence.Unabated foreign fund outflows also dragged the markets lower.The 30-share BSE Sensex fell by 525.44 points to 75,489.84 in early trade. The 50-share NSE Nifty dropped 164.5 points to 23,651.35.From the 30-Sensex firms, Tata Consultancy Services, Infosys, Tech Mahindra, HCL Tech, Adani Ports and Bajaj Finserv were among the major laggards.

Bharti Airtel and NTPC were the winners.

Brent crude, the global oil benchmark, traded 0.93 per cent higher at USD 105.2 per barrel.

"The ongoing US-Iran conflict continues to weigh on global sentiment, keeping risk appetite subdued across financial markets and resulting in heightened headline-driven volatility across equities and commodities.Investors remain wary as uncertainty surrounding the duration and potential outcome of the conflict continues to cloud market confidence," Ponmudi R, CEO of Enrich Money, an online trading and wealth-tech firm, said.US President Donald Trump on Monday said the ceasefire with Iran was at its "weakest" and on "massive life support", a day after he rejected Tehran's proposal to end the months-long war as "totally unacceptable".

"It is at its weakest. After reading that piece of garbage they sent us. It's on life support, massive life support," Trump told reporters at the Oval Office in response to a question on the ceasefire with Iran in the wake of the rejection of the peace proposal.Foreign Institutional Investors (FIIs) offloaded equities worth Rs 8,437.56 crore on Monday, according to exchange data.In Asian markets, South Korea's benchmark Kospi and Shanghai's SSE Composite index were trading lower, while Japan's benchmark Nikkei 225 index and Hong Kong's Hang Seng index quoted higher.

AI can improve portfolios, but good investing still needs context: Geojit's Jones George

As India's retail investing boom accelerates, AI-driven tools are reshaping how investors access markets and build portfolios. But technology alone cannot replace discipline, judgment and long-term financial understanding, says Jones George, Executive Director at Geojit Financial Services.

New Delhi.(Agency)

India's retail investing landscape is undergoing a major transformation, driven by rising participation in equities, digital investing platforms and growing use of AI-led tools. But even as long-term investing gains traction, speculative trading behaviour continues to dominate among a large segment of new investors.In an interview with IndiaToday.in, Jones George, Executive Director at Geojit Financial Services, spoke about the evolution of retail investing in India, the growing dominance of derivatives trading, investor behaviour during volatile markets, the role of AI in portfolio construction and why hybrid "phygital" wealth models could define the future of investing.Q. Retail participation in India has surged sharply, but data shows a large share of activity is still concentrated in

derivatives, where most retail investors tend to lose money. Do you see clear evidence of a shift towards long-term wealth creation, or is the trading mindset still dominant beneath the surface?Retail participation has undoubtedly deepened, but it is happening in two parallel tracks. On one side, we are seeing a very healthy structural shift toward long-term wealth creation through SIPs, mutual funds, retirement products, and diversified investment portfolios. The consistent growth in systematic investing and the increasing acceptance of goal-based investing are strong indicators of maturity.At the same time, the trading mindset, particularly in derivatives, remains dominant for a large segment of new entrants, especially younger investors attracted by speed, leverage, and short-term excitement. Many enter markets through trading before they understand investing. So, the shift is real, but incomplete.The challenge for the industry is to convert participation into disciplined investing. Platforms, advisors, and regulators must work together to move investors from speculation to financial planning. True financial inclusion is not just about market access; it is about helping people stay invested long enough to create wealth or achieve their financial goals.Q. Markets have seen sharp swings in recent months, from global shocks such as the West Asia conflict to domestic corrections. In your view, has this phase of volatility improved investor discipline, or has it pushed retail investors towards more reactive, short-term behaviour?Volatility tends to reveal investor behaviour more than it changes it. For disciplined investors, market corrections often reinforce the importance of asset allocation, diversification, and staying invested through cycles.

Groww shares tumble sharply after block deal: Should investors worry?

New Delhi.(Agency)

Shares of Billionbrains Garage Ventures, the parent company of Groww, fell sharply on Tuesday after a large block deal involving early investors triggered heavy selling pressure on the stock.The stock dropped as much as 10% during intraday trade before recovering partially. Shares were later trading around Rs 186-187 levels, still significantly lower than the previous close.The sharp decline came after reports that several early investors, including Peak XV, Ribbit Capital and other institutional backers, were looking to pare stakes through block deals following the expiry of the company's pre-IPO lock-in period.According to media reports, the shares were offered at a discount to the previous closing price, which added to selling pressure on the counter.

Why did Groww shares fall?

The biggest trigger behind the selloff appears to be the sudden increase in supply after the lock-in expiry.When lock-in periods end after a company's listing, early investors and pre-IPO shareholders become eligible to sell their holdings in the open market. Large stake sales by institutional investors often pressure stock prices temporarily, especially if transactions happen at discounted prices.Markets also tend to interpret such exits cautiously, particularly in newly listed technology and fintech companies where valuations remain sensitive.

Groww has been one of India's closely watched fintech listings, benefiting from the country's retail investing boom and rising participation in equities and derivatives trading.However, analysts said Tuesday's sharp fall does not necessarily signal weakness in the company's underlying business.Large investor exits after lock-in expiries are common in listed startups and fintech firms. Venture capital and private equity investors typically monetise part of their holdings after listing, especially following strong gains in stock prices.

Importantly, there has been no major negative operational update or regulatory action against the company linked to Tuesday's fall.Analysts tracking the fintech and broking sector said the correction appears largely driven by supply pressure, profit booking and broader market weakness rather than deterioration in fundamentals.

Govt reduces oil, gas royalty burden across offshore and deepwater blocks

SYDNEY.(Agency)

The Centre has reduced the royalty burden on crude oil and casing head condensate production from offshore deepwater and ultra-deepwater blocks, according to revised royalty provisions notified in the latest schedule under the oil and gas regime. Under the revised structure, royalty for deepwater areas has been fixed at 5 per cent for the first seven years from the commencement of commercial production and 10 per cent from the eighth year onwards.For ultra-deepwater blocks, no royalty will be charged for the first seven years of commercial production. In addition, a royalty rate of 5 per cent will apply from the eighth year onwards.Moreover, the revised royalty schedule covers areas awarded under various regimes, including nomination-based awards to national oil companies, blocks awarded before the New Exploration Licensing Policy (NELP), and areas awarded under the Hydrocarbon Exploration and Licensing Policy (HELP) and Discovered Small Field (DSF) Policy.

For onland and shallow water areas, royalty rates remain at 12.5 per cent in most categories, while certain offshore and ultra-deepwater production categories will attract lower levies.The government has also retained a 7.5 per cent royalty rate for some categories specified under the revised framework, while production-sharing contracts awarded under earlier policies will continue to follow rates specified in respective agreements.The government's move comes at a time when economies across the world are facing pressure due to the ongoing conflict in West Asia and rising volatility in global energy markets.

Additionally, the government has said that we have adequate stocks of petroleum products.

Gold prices remain steady: Should you sell now or wait?

With gold prices showing little movement in recent days, many investors are left wondering what to do next. Is this a pause before another rise, or a good moment to lock in profits and sell?

New Delhi.(Agency)

For many Indians, gold is more than just a metal. It is tradition, emotion and a trusted savings option, especially during weddings. But lately, the yellow metal has not seen the kind of sharp price rally many expected. Even as global tensions remain high, buying activity appears subdued after Prime Minister Narendra Modi urged people to avoid non-essential gold purchases for a year amid rising economic pressure.At around 11:30 am, MCX Gold was trading at Rs 1,53,850, up slightly by Rs 183. While prices remain elevated, the pace of movement has slowed, with traders closely watching global developments and domestic sentiment.

WHY PM MODI'S REMARKS MATTER

Prime Minister Narendra Modi's recent appeal asking Indians to avoid buying gold for weddings for one year may have sounded surprising at first. In a country where gold is closely tied to celebrations, family traditions and long-term savings, the suggestion has sparked conversations.However, the message comes against a larger economic backdrop. India is dealing with pressure from rising crude oil prices and uncertainty linked to tensions in West Asia. Concerns around the Strait of Hormuz, one of the world's busiest oil shipping routes, have added to worries over energy supplies and import bills.Since India imports both crude oil and large quantities of gold, higher purchases can put additional strain on the country's foreign exchange reserves and weigh on the rupee.

STEADY YET STRONG

Even though physical demand may have slowed, market experts say gold prices are still finding support from global uncertainty.Ponmudi R, CEO of Enrich Money, believes MCX Gold is showing renewed strength after breaking out of a recent consolidation phase."MCX Gold opened with a gap up and is trading near the Rs 1,54,000 zone, breaking out of the recent consolidation range and trading above the ascending trendline with renewed bullish momentum. Immediate resistance stands at Rs 1,54,750–Rs 1,55,000; a sustained move above this level could extend the rally toward Rs 1,55,500–Rs 1,56,000," he said.He added that Rs 1,53,000 remains an important

support level. If prices fail to hold above it, gold could slip back into the Rs 1,51,500–Rs 1,53,500 range. Still, Ponmudi believes the near-term outlook remains "cautiously bullish", helped by safe-haven demand amid rising geopolitical tensions.

WHAT IS DRIVING VOLATILITY IN GOLD?

According to Gaurav Garg, research analyst at Lemonn Markets Desk, recent price swings in gold and silver are being influenced by multiple factors at the same time."The recent volatility in gold and silver markets can be attributed to a mix of geopolitical risks and technical trading patterns, with investors balancing these factors against expectations of forthcoming economic data," Garg said.

In simple terms, investors are currently caught between fear and caution. On one hand, global uncertainty is supporting gold prices. On the other, traders are waiting for fresh economic signals before making aggressive bets.TECHNICAL **SIGNALS STILL FAVOUR 'BUY ON DIPS'**

Dr Ravi Singh, Chief Research Officer at Master Capital Services Limited, said MCX Gold June futures continue to hold a positive trend."MCX Gold June utures maintained their upward trajectory, closing at 153,663, up 0.74%, as the metal capitalises on its recent breakout. This advance reinforces the bullish structure, with prices now holding firmly above the 153,000 level," Singh said.He said that technical indicators continue to support a 'buy on dips' approach, with immediate support around the Rs 1,52,000 level and resistance near Rs 1,55,300.

Singh also pointed to broader global factors helping gold prices stay firm.

Catcalled, Beaten, Clothes Torn: Morning Tea Horror For 2 Women In Delhi

The women alleged that one of them was molested and her clothes were torn, while the accused uttered racist slurs and even attacked them with a bamboo stick while they were trying to escape.

New Delhi.(Agency)

Two women were sipping tea on a peaceful Sunday morning in Delhi's Nehru Place. Suddenly, a group of men started passing derogatory remarks, a response from one of the women to which instigated physical assault. Soon, their clothes were torn and they were allegedly molested as a crowd watched, but no one intervened.

The incident occurred at a tea stall outside a hotel on May 10 around 7 am. Two men took off their shirts and starting catcalling, the women recounted in their police complaint. "We confronted them about it. Afterwards, we moved further away and sat down quietly," one of the women told ANI.

The men returned and were soon joined by more, all provoking the two women - one from Assam and the other from Bihar - while also attacking them. The women alleged that one of them was molested and her clothes were torn, while the accused uttered racist slurs and even attacked them with a bamboo stick while they were trying to escape. "Those men came really close to us, and when my friend pushed him, one of them slapped her," one of the women recounted.

According to police, one of the clips recorded by the women, around two minutes long, purportedly shows a group of men hurling abuses at the women while appearing to be under the influence of alcohol. The video also allegedly captures

a tense exchange in which one of the accused is heard attempting to stop the recording. "In the footage, one of the men can be heard saying, 'Bhai ye toh video bana rahi hai, kya karey?' (She is making a video, what should I do?) Following which, abusive language was used," the officer said.

As the incident unfolded, the women claimed that several people stood witness, some even "watching and laughing", but no one responded to calls for help. My blood pressure dropped because of the aggression and stress. We were also on our periods at that time and were already uncomfortable," one of the women told PTI.

The incident, one of the victims said, was long in the making. "They tried to harass me many times, but I never gave those people any attention. Since my friends were not present there on that particular day, they took advantage of the situation. The local police do not patrol the area at night," she said. The accused continued to follow them and they did not feel protected even while the police accompanied them, the women said.

Even after the incident was over, the women felt the fear of being followed, the trauma of the alleged assault and the struggle to feel normal again. "I haven't been able to eat or sleep since the incident. My entire body is in pain. I'm worried about my mental health," one of them told PTI. "I am bold, and I want to continue being bold, but I also want to feel safe. I am able to speak up, but there are many girls who cannot. What will happen to them? That is why I want safety," the woman from Assam added.

Delhi HC okays relocation of three slum clusters near PM's residence

New Delhi.(Agency)

The Delhi High Court on Monday directed the inhabitants of three slum clusters near the Prime Minister's residence in the Race Course area to vacate the camps within 15 days and move to the alternative location provided by government authorities. The court cited "security concerns" and said the authorities would be free to take action after they fail to comply with the order.

Justice Purushaindra Kumar Kaurav said that the residents were first served eviction notices on October 29, 2025, and "sufficient time has elapsed since then". The court accepted the authorities' contention related to the "contemporary geopolitical events", and their "national security concerns", as specific reasons for eviction.The court was hearing petitions filed by residents of Bhai Ram Camp, DID Camp, and Masjid Camp, who challenged their eviction and relocation to Savda Ghevra in outer Delhi.

The judge noted that the government had taken the policy decision due to "national security concerns" and said that the court "ought not to be too eager to interfere" with such actions.

The bench held that the 'right to shelter and livelihood' were 'intricately connected' to the right to life, protected under Article 21 (right to life) of the Constitution. The rehabilitation, however, would itself not violate constitutional rights if authorities comply with rehabilitation policies and ensure adequate facilities.

Therefore, it directed the government to ensure compliance with the provisions of the DUSIB (Delhi Urban Shelter Improvement Board) policy and the DUSIB protocol, including securing education, travel, water and sanitation facilities, etc. for the residents. The petitioners had claimed that shifting families far from their current homes would disrupt their livelihood.

Delhi Fire Services to get modernisation push under new masterplan

New Delhi.(Agency)

The Delhi government has decided to prepare a long-term firefighting master plan aimed at strengthening fire safety infrastructure and improving emergency response mechanisms across the capital.

Delhi Home Minister Ashish Sood on Monday chaired a review meeting with senior officials and divisional officers of the Delhi Fire Services to assess fire preparedness and prevention measures in the capital.

During the meeting, officials reviewed existing fire prevention systems, emergency response preparedness, availability of modern firefighting equipment, procurement of new fire vehicles and plans for modernization of the Fire Department. Discussions were also held on developing a comprehensive Fire Fighting Master Plan to address future requirements in view of national capital's expanding population and rapid urbanisation.

The meeting focused on improving response time, modernising the department's communication systems and establishing an advanced command and control network. The government also stressed the need for advanced technical training for fire personnel to keep pace with evolving technologies.

Sood directed officials to strengthen and technologically upgrade Delhi's fire safety system to ensure swift action during emergencies. He said the government was committed to modernising the Fire Department's infrastructure and machinery while prioritising the safety of residents.

465 students barred from semester exams for low attendance

New Delhi.(Agency)

Nearly 465 students of Shaheed Rajguru College of Applied Sciences for Women have been declared ineligible to appear for the upcoming end-semester examinations after failing to meet the minimum attendance requirement mandated by the University of Delhi.

According to a notification, students who did not secure the required 66.67 per cent attendance will not be permitted to sit for semester examinations. Departments have also been directed to circulate the list of attendance defaulters in class groups to ensure students are informed about their examination status.

Confirming the move, principal Payal Maggo said the college was obligated to implement university regulations strictly. She stated that students falling short of the prescribed attendance percentage could not be allowed to take the examinations.

An analysis of the attendance data revealed that Semester 2 recorded the highest number of defaulters, with 181 students accounting for nearly 39 per cent of the total cases. Semester 6 had 113 students barred from exams, followed by 112 students in Semester 4 and 59 students in Semester 8. The notification highlighted the strict enforcement of the attendance policy, with even marginal shortages resulting in disqualification.The development sparked debate over attendance policies at the University of Delhi. Students have often argued that internships, preparation for competitive examinations, and long commuting hours make it difficult to maintain rigid attendance requirements, raising questions about balancing academic discipline with flexibility in higher education.

Mayor Pravesh Wahi peeved at garbage pileup on roads

New Delhi.(Agency)

Mayor Pravesh Wahi conducted an extensive inspection in the city's Badli area under the Civil Lines Zone to review the ground-level status of sanitation arrangements and civic amenities in the locality.During the inspection, he also expressed deep dissatisfaction after witnessing garbage scattered across several locations, debris lying unattended on roads, and the severely deteriorated sanitation conditions in the Badli area.

Wahi visited various locations across the area and met residents, listened to their grievances and instructed the senior officials present on the spot to ensure immediate resolution of the issues raised by the public.

A video of the mayor personally picking up garbage was seen on social media that was aimed at sending a strong message to officials and sanitation staff that cleanliness in Delhi is a core responsibility of the municipal corporation, not merely a formality.The mayor's approach and intervention were welcomed by local residents, who expressed satisfaction over the immediate action and appreciated the administration's responsiveness in addressing civic issues on the ground, said officials.

He also strongly reprimanded the officials concerned and sanitation staff and categorically stated that any form of negligence or indifference towards cleanliness and public services would not be tolerated under any circumstances.

During his interaction with shopkeepers and traders in the area, he appealed to them to mandatorily place dustbins outside their establishments. The mayor stated that the responsibility of making Delhi clean and well-organised does not rest solely with the Municipal Corporation.

Livelihood at stake ahead of sealing drive

New Delhi.(Agency)

Shop owners near Ashok Nagar metro station are fearing loss of livelihood. The Municipal Corporation of Delhi and the Delhi Development Authority are scheduled to undertake a sealing drive on Tuesday against properties or shops in that area, citing that commercial activities cannot be carried out in a residential area.

An official letter, accessed by this newspaper, was sent by the DDA to the DCP (East) on May 6, requesting for police assistance during the sealing drive near the New Ashok Nagar Metro Station road and in Village Chilla Saroda Bangar.

The letter further stated that the sealing programme directed by the monitoring committee will be carried out by the MCD as per the identification of properties by the DDA and under the supervision of the assistant director (LM East Zone), DDA, and the concerned AE, MCD.

Despite the official orders, there was no intimation provided to the shop owner or residents regarding the drive. "The information spread among us through word of mouth and was sudden," said a shop owner in the area while adding, "We started shutting the shops with bricks from Sunday."

The last two days in that area have captured an image which is different from usual. What appears to be usually a crowded neighbourhood market selling groceries, vegetables, meat and daily essentials resembled a construction zone instead.

Frontages of shops were being walled up, goods being shifted onto pavements, and bewildered residents wandering from one blocked shopfront to another trying to find basic necessities.Sandeep, who has been running a grocery store in that area for several years now, said, "There are around 1,500-1,800 shops here, and we have been put in a difficult spot all of a sudden and are clueless about what to do." Another shop owner, Vijender, said, "We don't know what the civic authorities want; such actions hamper the livelihood of so many people."

'Continue driving': Delhi gets its first barrier-free toll plaza on UER-II

On Monday (May 11), all 24 boom barriers at Mundka-Bakkarwala toll plaza on Urban Extension Road (UER)-II went up. The fare displays, line cameras, signal light and FASTag readers were turned off. A rectangular structure mounted on each lane gantry with three high-tech cameras and high-performance FASTag readers went live instead.

New Delhi.(Agency)

On Monday (May 11), all 24 boom barriers at Mundka-Bakkarwala toll plaza on Urban Extension Road (UER)-II went up. The fare displays, line cameras, signal light and FASTag readers were turned off. A rectangular structure mounted on each lane gantry with three high-tech cameras and high-performance FASTag readers went live instead.The new board on the toll plaza read: "Continue driving". Replacing the old system with a new one, thus, also marked the beginning of Delhi-NCR's first and India's second Multi-Lane Free Flow (MLFF) barrier-less tolling system.

Union Minister of Road Transport and Highways, Nitin Gadkari, inaugurated the advanced tolling system at Mundaka on Monday. This is a major milestone in the electronic toll collection (ETC) infrastructure of the country, which was started in 2014,

replacing the manual tolling system.

Now, vehicles will not have to stop at the toll plaza for user fee or toll payment. The toll amount will be deducted with the help of high-performance Radio Frequency Identification (RFID) readers and Automatic Number Plate Recognition (ANPR) cameras mounted over the gantry. The RFID and ANPR cameras work and read the FASTag and Vehicle registration Number (VRN) even when vehicles being driven at a speed of 80-100 kmph pass the gate, and the required amount gets deducted.

UER-II, officially called NH-344M, is a 75.7-km-long six-lane highway in Delhi, which starts from Mahipalpur and ends at Alipur.

Commuters crossing the toll gate on Monday morning were surprised and ended up stopping hesitantly even though boom barriers were up. Meanwhile, at lane number 14, Vikas Shukla, a toll supervisor, continuously waved hand asking drivers not to stop. "Aage badhiye, toll apne aap hi kat jaayega (Move ahead, the toll will be deducted automatically)," Shukla said to a person driving an SUV. He added that the new system is expected to end fights reported at the toll gate."The work at a toll booth is very difficult. People say all kinds of things to you. Even when they eat at fault. Everyday, there was something or the other," said Puneet Mishra, another employee at the fee plaza.

NEWS BOX

Epstein files on display at New York pop-up exhibit, all 3.5 million pages

KATHMANDU. (Agency)

A US transparency advocacy group has opened a temporary exhibition in New York with only one text on display: a print-out of all the files released by the US Department of Justice -- roughly 3.5 million pages -- relating to financier and convicted sex criminal Jeffrey Epstein.The library, dubbed "The Donald J. Trump and Jeffrey Epstein Memorial Reading Room," has bound all the documents released under the Epstein Files Transparency Act in 3,437 volumes, all numbered and organized on shelves."The truth is hard to deny when it's printed and bound for you to see," reads the website for the Institute of Primary Facts, the Washington-based nonprofit behind the display.Those interested in seeing the files at the library in Tribeca can do so by registering online.However, due to errors by the Department of Justice in failing to redact the names of some of the victims included in the documents, the general public is not allowed to consult the files. The exhibit offers exceptions for some professionals like journalists and lawyers.The pop-up also has a display on the longstanding relationship between President Donald Trump and Epstein, who died in federal custody in 2019 while awaiting trial on sex trafficking charges involving minors.

The pair were friends for decades before they reportedly fell out in 2004 over a property deal, after which Trump reportedly denounced his former ally. He has repeatedly denied any wrongdoing after showing up repeatedly in the so-called "Epstein Files.""We're a pro-democracy organization, with the goal of educating the public using these kinds of sort of pop-up museums and other in-real-life experiences to help people understand the corruption in the United States, the dangers to democracy," David Garrett, one of the creators behind the project, told AFP.

Nvidia CEO Jensen Huang Excluded From Trump's China Visit: Report

World.(Agency)

Nvidia CEO Jensen Huang is not going to Beijing during President Donald Trump's trip to China this week, a person familiar with the matter said on Monday.Huang was not invited, the source said, with the White House focusing more on agriculture and commercial aviation matters, such as orders for Boeing planes, on the current trip. The White House did not immediately respond to a request for comment.A number of CEOs were expected to travel with Trump to help drum up business for US companies, a top priority for his administration.

A person familiar with the matter confirmed last week that Citigroup CEO Jane Fraser was invited. Qualcomm CEO Cristiano Amon will attend as long as the trip goes ahead as planned, another source with knowledge of the matter said last week.

Trump has developed a strong relationship with Huang since he has been in office and agreed to allow the company's H200 AI chips to be exported to China. But they have not yet been sold, Commerce Secretary Howard Lutnick said on April 22nd, citing difficulties with Chinese companies getting permission to buy them from the Chinese government.

Quest for a rare bird, a landfill visit, a deadly outbreak: How Leo Schilperoord became hantavirus 'patient zero'

World.(Agency)

Dutch ornithologist Leo Schilperoord, whose lifelong quest for the rare and the beautiful ended in a global health emergency, has been identified as patient zero in the deadly hantavirus outbreak aboard the expedition cruise ship MV Hondius, according to Argentine authorities.

Authorities believe the 70-year-old and his wife, Mirjam Schilperoord, 69, contracted the virus during a birdwatching visit to a landfill outside Ushuaia in late March.The couple, from Haulerwijk, had spent five months traveling across South America. They first arrived in Argentina on November 27 before traveling through Chile and Uruguay and returning to Argentina for another birdwatching trip.Longtime bird enthusiasts, the Schilperoords co-authored a study on pink-footed geese in the Dutch ornithological magazine Het Vogeljaar in 1984. Their travels also took them to Sri Lanka in 2013, where they joined a private birdwatching and wildlife tour and spotted the rare Serendib Scops Owl.On March 27, the couple visited a landfill outside Ushuaia that attracts birdwatchers searching for the white-throated caracara, also known as Darwin's caracara after Charles Darwin.Authorities suspect the couple inhaled virus particles from the feces of long-tailed pygmy rice rats carrying the Andes strain of hantavirus, the only known form capable of spreading from person to person."It is common for birdwatchers to visit landfills because there are many birds there," photographer and local guide Gastón Bretti told Ansa Latina, adding, "It's a mountain of waste that today far exceeds the limit initially established by the authorities," as quoted by the New York Post.Four days later, the couple boarded the MV Hondius in Ushuaia on April 1 along with more than 100 passengers, many of them birdwatchers and scientists.Leo Schilperoord developed symptoms including fever, headache, stomach pain and diarrhea on April 6 and died on board five days later.

Trump and Xi appear intent on keeping deep differences over Iran war from overshadowing China summit

Beijing publicly insists that it wants to see the war end, and has been working diplomatically behind the scenes to help its ally Pakistan push to broker a peace agreement.

WASHINGTON. (Agency)

President Donald Trump on Tuesday is set to leave for Beijing to meet with President Xi Jinping after weeks of trying, and failing, to persuade the Chinese government to use its considerable leverage to prod Iran to agree to US terms to end the two-month old war — or at the very least, reopen the critical Strait of Hormuz.Trump has veered between venting that China, the world's biggest buyer of Iranian oil, hasn't done more to get the Islamic Republic in line, and acknowledging that Xi's government helped de-escalate the conflict last month by nudging Tehran back to ceasefire talks when negotiations wobbled.But ahead of the US leader's high-stakes visit, the White House has set low expectations that Trump will be able to persuade Xi to change China's posture.Instead, the administration seems determined not to let differences on Iran overshadow efforts to make headway on other difficult matters in the complicated relationship — ranging from trade to further Chinese cooperation to block exports of fentanyl precursors.

"We don't want this to be something that derails the broader relationship or the agreements that might come out of our meeting in Beijing," US Trade Representative Jamieson Greer said on Bloomberg TV last week.US administration sanctioned China ahead of the tripBeijing publicly insists that it wants to see the war end, and has been working diplomatically behind the scenes to help its ally Pakistan push to broker a peace agreement. It has also sent a "subtle message of discontent to Iran" for closing the Strait of Hormuz, and to the US for its blockade of Iranian shipping, said Ahmed Aboudouh, a specialist on China's influence in the Middle East with the London-based Chatham House think tank.

"They are very cautious, risk-adverse, and they don't want to be involved in anything that would drag them into something that they don't consider their problem," he said.

In recent days, Secretary of State Marco Rubio and Treasury Secretary Scott Bessent have stepped up their calls for China to use its influence to help reopen the strait, through which about 20% of the world's crude flowed before the war began.The State Department announced on Friday that it was sanctioning four entities, including three China-based firms, for providing sensitive satellite imagery that enables Iranian military strikes against US forces in the Middle East. Earlier, the Treasury Department moved to target Chinese oil refineries accused of purchasing oil from Tehran, as well as shippers of the oil. The sanctions cut off the companies from the US financial system and penalize anyone who does business with them.Beijing has called the sanctions "illegal unilateral pressure" and enacted a blocking statute — passed in 2021 and never used until now — that prohibits any Chinese entity from recognizing or complying with the sanctions.Ahead of Trump's arrival, Chinese Foreign Minister Wang Yi last week hosted his Iranian counterpart Abbas Araghchi in Beijing. The Chinese foreign minister used the moment to defend Iran's right to develop civilian nuclear energy.

Pakistan quietly sheltered Iranian military aircraft during US conflict: Report

PESHAWAR.(Agency)

Pakistan has allowed Iranian military aircraft to use its airfields during the recent Iran-US conflict, despite publicly positioning itself as a mediator between Tehran and Washington, according to US officials familiar with the matter.

Officials told CBS News that, shortly after President Donald Trump announced a ceasefire with Iran in early April, Tehran moved several aircraft to Pakistan Air Force Base Nur Khan near Rawalpindi, one of Pakistan's most strategically significant military installations.

Among them was reportedly an Iranian Air Force RC-130 reconnaissance aircraft, a surveillance variant of the Lockheed C-130 Hercules.Iran also moved at least one civilian aircraft into neighboring Afghanistan, officials said, in what appeared to be a broader effort to shield aviation assets from potential U.S. strikes as the conflict escalated.However, Pakistan denied the allegations.A senior Pakistani official told CBS News that claims about Iranian aircraft at Nur Khan Air

Base were "not true," arguing that such movements could not go unnoticed because the base is located in a densely populated urban area.In Afghanistan, an aviation official said an Iranian Mahan Air plane landed in Kabul shortly before hostilities began and remained stranded after Iranian airspace closed.The aircraft was later relocated to Herat Airport near the Iranian border after Pakistani airstrikes around Kabul during heightened tensions with the Taliban government. Taliban spokesman Zabihullah Mujahid denied any Iranian aircraft were being sheltered in Afghanistan.The revelations underscore Pakistan's delicate balancing act during the crisis. Islamabad has sought to maintain close ties with Washington while avoiding friction with Tehran and Beijing, its key strategic partners. China, which now supplies roughly 80% of Pakistan's major arms imports according to SIPRI data, has publicly praised Pakistan's role in facilitating indirect U.S.-Iran communications.Meanwhile, diplomatic efforts to stabilize the ceasefire remain fragile. Iranian state media said Tehran's latest proposal to end the conflict included demands for US reparations, recognition of Iranian sovereignty over the Strait of Hormuz, and the lifting of American sanctions.

Hantavirus Detected In 1 Spanish Evacuee From MV Hondius In Tenerife

WORLD.(Agency)

One of the 14 Spanish evacuees from the hantavirus-hit cruise ship MV Hondius on Sunday has tested preliminarily positive for the virus, Spanish Health Minister Monica Garcia has said. Garcia wrote on X on Monday (local time) that one of the Spanish passengers currently under isolation at Madrid's Gomez Ulla hospital had tested preliminarily positive in a PCR test conducted upon arrival. "The person remains in isolation, without symptoms and in general good health, under continued clinical observation in accordance with established safety and epidemiological protocols," she wrote.

The other 13 Spaniards tested provisionally negative, while final results were expected in the coming hours, the minister said.According to health authorities and the World Health Organization (WHO), the outbreak is believed to involve the Andes strain of hantavirus, a variant known for possible person-to-person transmission through close contact. The virus is typically transmitted through exposure to infected rodent urine or droppings.The Spanish evacuees were transferred to Madrid as part of an evacuation operation launched after the MV Hondius arrived in Spain's Canary Islands over the weekend, reports Xinhua news agency.Multiple confirmed and suspectd cases have so far been linked to the outbreak, including passengers transferred to several countries for treatment and monitoring.The final group of evacuees left the ship on Monday after the vessel briefly docked at the Port of Granadilla on the Spanish island of Tenerife due to adverse weather conditions. The ship later departed for Rotterdam in the Netherlands.Meanwhile, the European Commission said Monday that it is coordinating and supporting national authorities' response to a hantavirus outbreak, while the European Centre for Disease Prevention and Control (ECDC) assesses the risk to the general population in Europe as very low.Since Spain activated the EU Civil Protection Mechanism on May 6, the EU's Emergency Response Coordination Centre has been facilitating the safe evacuation of people aboard the MV Hondius cruise ship, which was anchored off Tenerife.

Five repatriation flights coordinated by the EU took place on Sunday and were carried out by France, Spain, the Netherlands, Greece and Ireland. A sixth and final flight, operated by the Netherlands, departed on Monday, according to the Commission.The EU is also mobilising response capabilities and stockpiles from its strategic reserve. A medical evacuation aircraft from the EU fleet, hosted by Norway.

Southern California mayor resigns, will plead guilty to acting as agent for Chinese government

TENERIFE.(Agency)

A Southern California mayor has agreed to plead guilty to acting as an illegal agent for the Chinese government, and has resigned from her city position, officials said Monday.Eileen Wang, the mayor of Arcadia, was charged in April with one count of acting in the United States as an illegal agent of a foreign government. She was accused of doing the bidding of Chinese officials, such as sharing articles favorable to Beijing, without prior notification to the U.S. government as required by law.

The 58-year-old was elected in November 2022 to a five-person city council, from which the mayor is selected on a rotating basis.City manager Dominic Lazzaretto said in a news release that no city finances or staff were involved."We want to be clear: this investigation concerns individual conduct, and the charges are for conduct that ceased after Ms. Wang was sworn into office in December 2022," he said.

Federal officials said she has agreed to plead guilty to the felony, which comes with a maximum sentence of 10 years in federal prison.ang's attorneys Jason Liang and Brian Sun said in a statement that she recognizes the seriousness of the charge and accepts responsibility for "past pesonal mistakes."

"She apologizes and is sorry for the mistakes she has made in her personal life," Wang's attorneys Jason Liang and Brian Sun said in a statement. "Her love and devotion for the Arcadia community have not changed and did not waver."According to her plea agreement, Wang and a colleague, Yaoning "Mike" Sun, worked on behalf of government officials for the People's Republic of China from the end of 2020 to 2022 to promote their interests by promoting pro-PRC propaganda in the U.S. Sun is serving a four-year sentence after he pleaded guilty to the same charge last October. He was also listed in campaign filings as the treasurer for Wang's 2022 election campaign.Wang and Sun operated the news website U.S. News Center, aimed at the Chinese American community, and were instructed by Chinese government officials to post pro-PRC content on it.In one instance in June 2021, a government official sent Wang a link to a letter to the editor published in the Los Angeles Times written by the the consul general of th People's Republic of China in Los Angeles.The piece refuted reports of the persecution, forced labor, and abuse of Uyghers in China's Xinjiang province, stating, "There has never been genocide in Xinjiang or forced labor in the region's cotton fields or any other sector."

Supreme Court halts order for Alabama to use US House map with two largely Black districts

WASHINGTON.(Agency)

The US Supreme Court on Monday set the stage for Alabama to eliminate one of two largely Black congressional districts before this year's midterm elections, creating an opening for Republicans to gain an additional U.S. House seat in a partisan battle for control of the closely divided chamber.The decision follows a Supreme Court ruling in April that struck down a majority-Black U.S. House district in Louisiana as an unconstitutional racial gerrymander, significantly weakening a provision of the federal Voting Rights Act.

Alabama officials had pointed to the Louisiana case as reason for the Supreme Court to end a judicial order to use a court-imposed House map until after the 2030 census. The high court on Monday overturned that order and directed a lower court to reconsider the case in light of the Louisiana decision. That could free the state to instead use a map approved in 2023 by the Republican-led legislature that includes only one district where Black residents comprise a majority.Anticipating a court reversal, Alabama officials recently enacted a law allowing it to void the results of a May 19 primary for some congressional districts and instead hold a new primary under the revised district boundaries. Alabama had asked for an expedited decision ahead of the primary.

Alabama Republicans praised the decision.

"Today, the Supreme Court vindicated the state's long-held position. Now, the power to draw Alabama's maps goes back to the people's elected representatives. That's our Legislature," Alabama Attorney General Steve Marshall said in a video statement. Marshall said his job was "to put the legislature in the best possible legal position to draw a congressional map that favors Republicans seven-to-zero." He concluded with the statement, "Stay tuned."Republican House Speaker Nathaniel Ledbetter called the decision "a massive victory not just for Alabama, but for conservatives across the country."In a dissent to Monday's brief ruling, Justice Sonia Sotomayor said the Louisiana case had reversed only one of the grounds upon which the Alabama case had been decided. Although the Voting

Rights Act violation is gone, Sotomayor said a lower court could still find that Alabama had intentionally discriminated against Black voters in violation of the 14th Amendment.

The decision was a setback for Black residents and groups that had waged a legal fight for several years to get a second Alabama congressional district where Black voters had an opportunity to elect a candidate of their choice."We are witnessing a return to Jim Crow. And anybody who is alarmed by these developments — as everybody should be — better be making a plan to vote in November to put an end to this madness while we still can," NAACP National President Derrick Johnson said in a statement.Deuel Ross, the NAACP Legal Defense Fund attorney who argued the Alabama case, said, "We will consider all of our options to fight to protect the rights of these voters and keep the court ordered map in place."Shalela Dowdy, a plaintiff in the Alabama redistricting case, said she was disappointed in the decision.

"For me, I feel like this is a step backwards towards the Jim Crow era for congressional representation. The state is not going to stop here," Dowdy said, predicting Alabama will eventually go after the remaining district.

NEWS BOX

IPL 2026: Axar Patel fined for slow over-rate after PBKS vs DC

New Delhi. (Agency)
Delhi Capitals captain Axar Patel has been fined Rs 12 lakh after his team maintained a slow over-rate during their Indian Premier League 2026 clash against Punjab Kings in Dharamshala on Monday, May 11. The penalty came despite Delhi pulling off a thrilling three-wicket victory to keep their fading playoff hopes alive.
The IPL confirmed the sanction in an official media advisory after Match No. 55 of the season at the Himachal Pradesh Cricket Association Stadium.Delhi Capitals captain Axar Patel has been fined after his team maintained a slow over-rate during Match No. 55 of TATA Indian Premier League (IPL) 2026 against Punjab Kings," the statement said.The league further clarified that this was Delhi Capitals' first over-rate offence of the season under Article 2.22 of the IPL Code of Conduct, which deals with minimum over-rate violations. As a result, Axar received a

financial penalty of Rs 12 lakh.
While the fine will be a minor setback, Axar would take greater satisfaction from Delhi's dramatic win in a must-win encounter.
Axar and Miller rescue Delhi in tense chase
Chasing a formidable 211-run target, Delhi Capitals found themselves in serious trouble at 74 for 4 after Punjab Kings made early inroads. However, captain Axar led from the front with a composed yet aggressive 56, stabilising the innings when his side desperately needed momentum.David Miller then provided the finishing punch with a counter-attacking 51 as Delhi clawed their way back into the contest. Contributions from Ashutosh Sharma and Madhav Tiwari ensured the chase was completed in just 19 overs, with DC finishing on 216 for 7.
Earlier, Punjab Kings had posted 210 for 5 after a strong batting performance. Priyansh Arya gave them a flying start with a 33-ball 56, while Prabhsimran Singh chipped in with 18 in a 78-run opening stand.After the openers departed, PBKS skipper Shreyas Iyer anchored the innings superbly with an unbeaten 59 off 36 deliveries. Cooper Connolly also made an important contribution with 38 off 27 balls.

French Open: Stan Wawrinka, Gael Monfils given wildcard entries for Roland Garros

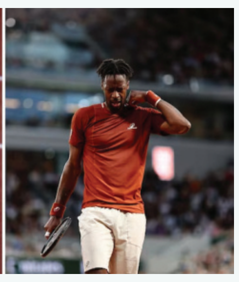

MANCHESTER. (Agency)
Daniel Dubois showed up late, got knocked down early and still beat Fabio Wardley to become a two-time heavyweight champion on Saturday.Dubois stopped Wardley in the 11th round to win the WBO heavyweight title at the Co-op Live arena after reportedly being delayed by traow without going down before referee Howard Foster halted the bout early in the 11th.
It's the first professional loss for Wardley (20-1-1, 19 KOs). He was making his first title defense.He's a durable guy... a great warrior," Dubois said. "It was an honor to be in the ring with him."Dubois lost his IBF belt to Oleksandr Usyk via a fifth-round knockout at Wembley Stadium last July. It was his second loss to Usyk.
Dubois could be on a collision course with rising star Moses Itauma, who was ringside. WBO president Gustavo Olivieri has said after Itauma's demolition of Jermaine Franklin he'll recommend the British southpaw become the WBO mandatory challenger.Frank Warren, the promoter for both Dubois and Wardley, said in the ring, however, that there's a rematch clause in the contract.Usyk holds the WBA, WBC and IBF belts. The 39-year-old Ukrainian's next bout is against former kickboxing champion Rico Verhoeven on May 23 at the Pyramids of Giza in Egypt.
Chelli stuns Morrell on undercard
London light heavyweight Zak Chelli scored a big upset by stopping Cuban southpaw David Morrell in the 10th round. Despite slipping to World No. 125, Wawrinka remains a revered figure in Paris, where he owns a strong record and has consistently produced some of his best tennis. Across 20 previous appearances, he has reached the final twice and the semi-finals once, building a lasting connection with the tournament.Monfils' inclusion carries a similarly emotional weight, particularly for the home crowd.The 39-year-old Frenchman has long been one of the most entertaining and charismatic players on tour. Ranked No. 222, Monfils will make yet another appearance at his home Grand Slam, where his electrifying athleticism and crowd-pleasing style made him a fan favourite for nearly two decades.

No mat, no mercy: Vinesh Phogat vs wrestling federation latest episode explained

☛ **The dispute between Vinesh Phogat and the Wrestling Federation of India has evolved into a major governance battle. As both sides continue to defend their positions, the standoff has raised larger questions about how international clearances and domestic federation regulations intersect in Indian sport.**

New Delhi. (Agency)
Vinesh Phogat's comeback attempt hit a wall on Monday, and she made sure the world knew it. The three-time Olympian travelled to the National Open Ranking Tournament in Gonda, Uttar Pradesh, for what would have been her first competitive bout since retiring after the Paris Olympics. She did not compete.Upon arriving at the venue, she was neither allowed to complete her verification nor permitted to use the training hall — effectively shutting the door before she could step anywhere near the mat. In a post on X, she was blunt: "I don't want any special privileges, I just want to compete on merit."On the same day, she also formally responded to WFI's show-cause notice — issued just two days earlier — asserting she remains eligible to compete and will submit a detailed reply within the prescribed 14-day period. The standoff between one of India's most decorated wrestlers and the Wrestling Federation of India (WFI) has now deepened into a full-blown governance crisis, with no resolution in sight.The latest flashpoint came in May 2026 when Vinesh arrived at the National Open Ranking Tournament in Gonda expecting to compete, only to be informed by WFI that she was ineligible.
Despite being informed she was ineligible to compete, Vinesh met WFI president Sanjay Singh at the venue and later addressed the media, strongly rejecting the federation's stance."If I had violated any rule, then NADA India would have given me a show-cause notice. Or they would have banned me. Or WADA would have given me a show-cause notice," she said.
WHERE IT ALL BEGAN?
The roots of the dispute trace back to the 2024 Paris Olympics, where Vinesh was disqualified from the women's 50kg final for failing to make weight. She subsequently announced her retirement from wrestling, but ambiguity soon emerged over whether that retirement had been formally processed

through official channels.
While her husband later stated that she had not formally retired through the required procedures, WFI maintained that communication from United World Wrestling (UWW) in December 2024 confirmed she had informed the International Testing Agency (ITA) of her retirement.The situation shifted again in December 2025 when Vinesh officially informed UWW, the Sports Authority of India (SAI), and WFI of her intention to return to competition.Around the same time, WFI flagged a missed whereabouts filing dated December 18, 2025, which Vinesh attributed to personal circumstances, including her responsibilities as an elected MLA."I had missed one whereabouts. And there are three of them. I had become a mother at that time. I had an assembly session. I forgot to update. I even apologised to WADA for that. They gave me a clean chit. They told me that I can participate in any international event," she said.Vinesh also said she had undergone multiple doping tests after announcing her return and had cleared each of them."Even after that, I got my doping test done twice. It's not like I came to the competition after avoiding my doping test. I got my doping test and came clean," she said.
"I have always been clean in sports. And I am not taking anyone's right. I am completely clean."

IPL playoff scenario: Punjab Kings enter danger zone, Delhi Capitals cling on

New Delhi. (Agency)
The playoff race in IPL 2026 is intensifying with every passing match. On Sunday, Lucknow Super Giants became the first team to be eliminated from playoff contention, before Mumbai Indians followed them out of the race. However, eight teams are still battling for the remaining four spots.On Monday, Delhi Capitals were on the verge of becoming the third team to be knocked out, but Axar Patel's side kept their hopes alive with a thrilling three-wicket win over Punjab Kings at the HPCA Stadium.With 15 matches still left in the league stage, no team can afford to relax not even table-toppers Royal Challengers Bengaluru, who could also find themselves under pressure from teams closely chasing them. Sides like Kolkata Knight Riders and Chennai Super Kings endured difficult starts to their campaigns before staging strong recoveries. PBKS, meanwhile, were unbeaten in their first seven matches, but four consecutive defeats have suddenly left

them searching for answers.As the league phase enters its decisive stretch, the playoff battle is only expected to get tighter, with every result likely to have a major impact on the standings.The 'One foot in the door' zone – RCB, SRH, GT
Royal Challengers Bengaluru, Sunrisers Hyderabad and Gujarat Titans are all locked on 14 points from 11 matches, putting them firmly in contention for the playoffs. In the previous six IPL seasons featuring 10 teams, 14 points was enough for RCB to qualify in 2024, showing that seven wins can realistically secure a playoff berth.RCB, SRH and GT now need just one more victory each to confirm their place in the playoffs. Notably, no team with 16 points in a 10-team IPL season has ever failed to qualify for the playoffs.
Delhi Capitals hanging by a thread
When it comes to qualifying with 14 points, Delhi Capitals have only one possible route to the playoffs. However, even victories in their remaining two matches would not guarantee qualification, as net run rate could become the deciding factor.
That is where the Capitals are at a major disadvantage, with a net run rate of -0.993, especially considering that the other teams in the top six all have positive net run rates.

Axar Patel, David Miller redemption party keeps DC afloat in Dharamshala thriller

Dharamshala. (Agency)
Somewhere between Priyansh Arya launching sixes into the hills and Delhi Capitals collapsing again inside the Powerplay, this match had started looking like another one of those IPL 2026 nights where DC would quietly disappear from the playoff race.Delhi Capitals pulled off the highest successful chase in the history of the HPCA Stadium, hunting down 211 in just 19 overs against Punjab Kings, thanks largely to two players who had spent most of this season dealing with criticism instead of applause: Axar Patel and David Miller.The conditions in Dharamshala almost guaranteed madness. At that altitude, even mishits can disappear into the stands and bowlers rarely feel fully in control once the ball starts flying.
Punjab understood that quickly.
Priyansh Arya came out swinging from the very first over, smashing Mitchell Starc for 22 runs and completely setting the tone for Punjab's innings. The young opener hammered 56 off just 33 balls with six sixes as Delhi's pacers

struggled badly whenever they pitched the ball up during the Powerplay.At 72/0 after six overs, Punjab looked ready to push well beyond 220.Delhi slowly dragged themselves back into the contest after changing their lengths and attacking the surface harder. Auqib Nabi played a major role in that shift, using hard lengths smartly to disrupt Punjab's momentum after the explosive start.
Debutant Madhav Tiwari then added another big moment by dismissing Priyansh for his maiden IPL wicket, while Delhi's bowlers managed to stop Punjab from completely running away with the innings during the middle overs.
Even then, 210 still looked a massive target once Delhi's chase began unraveling in familiar fashion.Abishek Porel, KL Rahul and Sahil Parakh were all back in the pavilion inside the first six overs as DC stumbled to 47/3, miles behind Punjab's own Powerplay start.That was when Axar finally produced the innings Delhi had been desperately waiting for all season.

IPL Play of the Day: PBKS bowling sways in Dharamshala's winds, hurts playoff hopes

Dharamshala. (Agency)
With the bat swinging freely in the Dharamshala breeze, Punjab Kings bowlers seemed more focused on throwing the bowl down the hill of the HPCA Stadium in Dharamshala than testing the shaky middle order of Delhi Capitals. The side led by Shreyas Iyer gave away 17 runs in wides and 1 no ball as they faltered in their defence against the struggling DC on Monday, May 11.PBKS' bowling unit unravelled under pressure, turning a defendable total into yet another collapse in execution in a rapidly fading campaign. Their inability to control lines, build sustained pressure, or seize key moments exposed the recurring flaws that have plagued Punjab throughout the season
The 18 extras alone reflected the chaos in their bowling plans. Add to that the dropped chances, inconsistent lengths and PBKS once again found themselves losing control of a game they had firmly gripped in the powerplay.PBKS succumbed to their fourth successive defeat after a magical unbeaten start in the 2026 season of the Indian Premier League."I don't want to beat around the bush. I'll just say fielding

and bowling," Iyer said after the game against DC.PBKS BOWLING FAILS TO CAPITALISE
Punjab's bowling has been a persistent concern all season. They have picked up the fewest wickets among all teams in the competition, a worrying statistic that has consistently exposed their inability to break partnerships in crucial phases. Their problems have only worsened with poor fielding support, as PBKS also lead the charts for most dropped catches this season.Against Delhi, their lack of penetration after the powerplay came to hurt them. PBKS had DC reeling at 33 for 3 early in the chase, with the seamers extracting a bit of movement under lights and forcing mistakes. But once the ball softened, Punjab's attack lost direction completely.The biggest turning point came when PBKS failed to capitalise after Tristan Stubbs' run-out. With Delhi at 74 for 4, Axar Patel was handed a lifeline on 25 when Arshdeep Singh dropped a regulation chance. Punjab's inability to convert half-chances into wickets has repeatedly cost them this season, and this miss proved equally damaging.Before this match, Axar had managed only 44 runs off 59 balls across the season at a strike rate of 74.57. Yet PBKS allowed him to settle through loose lines and poor execution in the middle overs.

IPL, GT vs SRH: Gujarat Titans host SRH as playoff race enters decisive phase

☛ **IPL, GT vs SRH: Third-placed Gujarat Titans host second-placed Sunrisers Hyderabad in a high-stakes IPL 2026 clash in Ahmedabad on Tuesday, with the playoff race heating up and the battle for a top-two finish gathering pace.**

NEW DELHI. (Agency)
IThe IPL 2026 play-off race has reached a critical stage and Tuesday's clash between Sunrisers Hyderabad and Gujarat Titans in Ahmedabad could have a huge say in how the top four eventually shape up. With Royal Challengers Bengaluru, SRH and GT all tied on 14 points, net run rate is becoming increasingly important, making every game and every over count in the closing stages of the league phase.SRH heads into the contest in second place after hitting form at the right time. Their commanding 33-run win over Punjab Kings once again showcased the strength of their batting after they piled up 235 for 4 in Hyderabad. Even so, Pat Cummins' side know there is little margin for error left in the tournament, with the play-off race remaining too close for comfort.GT, on the other hand, have quietly turned their season around after a slow beginning. Their emphatic 77-run victory over Rajasthan Royals lifted them to third on the table and reinforced the feeling that Shubman Gill's side is beginning to find its best rhythm at the business end of the season.FOR SRH, BALANCE IS THE KEY
SRH have once again established themselves as one of the most dangerous batting sides in the tournament. The top-order combination of Abhishek Sharma, Travis Head, Ishan Kishan and Heinrich Klaasen has consistently put opposition attacks under pressure with their fearless approach.Their aggressive intent is reflected in the numbers. SRH have crossed the 200-run mark eight times this season, including a mammoth 249 against Mumbai Indians, underlining the

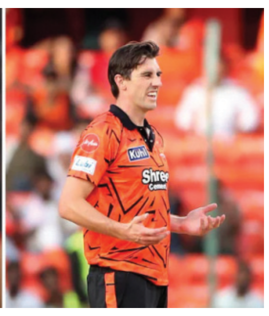

explosive nature of their batting unit.
The return of captain Pat Cummins after injury has also strengthened the bowling attack considerably. Cummins has brought intensity and aggression back into the side, while Sri Lankan pacer Eshan Malinga has emerged as one of the standout performers of the season. With 16 wickets to his name, Malinga has regularly delivered breakthroughs and impressed with his control during pressure situations.At the same time, SRH's aggressive batting approach has occasionally exposed their vulnerabilities. Early wickets have often put pressure on a middle order that has looked fragile at times, while fielding lapses have also prevented the side from fully dominating matches.
SHUBMAN LEADS GT's CHARGE
Much of Gujarat's revival has revolved around skipper Shubman Gill and Sai Sudharsan, who have given the side consistency and stability at the top. GT's batting philosophy has largely centred around building a platform before attacking in the latter half of the innings, an approach that has worked effectively both while chasing and setting totals.

THE PHOTON NEWS

www.thephotonnews.com
Wednesday, 13 May 2026

Sonakshi Sinha

On Her Character In System: 'Neha Is Layered, Flawed And Constantly Evolving'

The much-awaited legal drama System, starring Sonakshi Sinha and Jyotika, will soon drop on Amazon Prime Video. System revolves around two women whose lives exist at opposite ends of the social spectrum. Sonakshi's Neha Rajvansh is a high-profile public prosecutor who moves with authority and confidence, while Jyotika's Sarika Rawat works quietly as a courtroom stenographer, navigating a far more constrained reality.Their worlds collide within the same judicial space, and what begins as a professional overlap gradually spirals into something far more personal. The intersection of their lives sets off a chain reaction that challenges their beliefs, choices and sense of identity. Through the journeys of Neha and Sarika, System looks at how truth can be shaped, contested, and, at times, distorted.

Speaking about her character and its world in the film, Sonakshi shared, "What stayed with me the most was Neha as a character, she's layered, she's flawed, and she's constantly evolving. And then the world of the film feels very real and relevant. The questions it raises about access to justice and how differently it can look depending on where you stand in society, and that's what really pulled me in."Over the years, Sonakshi has steadily moved towards roles that push her beyond conventional spaces, from commercial entertainers to more emotionally intense and morally layered characters. Reflecting on that evolution, Sonakshi said, "I think it's been a very organic journey."

She added, "Dabangg was my introduction, Akira allowed me to explore a very physical and intense space, and System is far more internal and layered. Over time, I've been drawn to characters that challenge me in different ways, and right now I'm really enjoying exploring roles that have emotional depth and moral complexity."

Created and directed by Ashwiny Iyer Tiwari and produced under the banner of Baweja Studios, System features Sonakshi Sinha, Jyotika, and Ashutosh Gowariker in lead roles. The upcoming Original movie is set to premiere exclusively on Prime Video across India and in over 240 countries and territories worldwide on May 22, 2026.

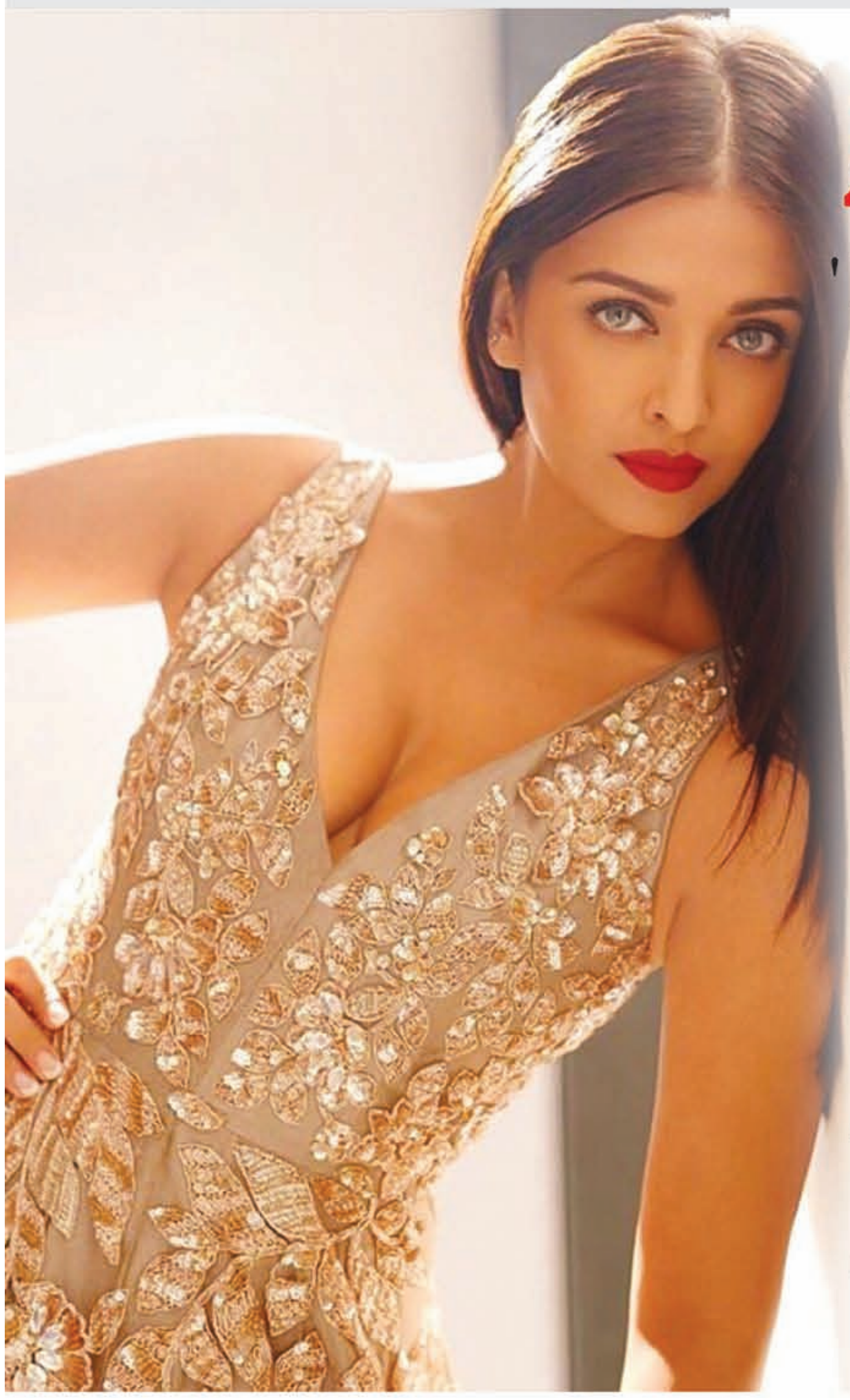

Aishwarya Rai

'Redeemed Herself': Sufi Motiwala Says 'Pressure To Outdo' Reason Behind Tame Cannes Looks

The 79th edition of the annual Cannes Film Festival is all set to kick-start on May 12 in the French Riviera. Apart from debutants like Tara Sutaria, Ammy Virk and Sufi Motiwala, the film festival will see a bevy of Indian celebrities returning to it. Revisiting the gala is also Aishwarya Rai Bachchan as the global ambassador for L'Oréal Paris.The former beauty pageant winner has attended the festival over 20 times since her debut in 2002 for the screening of Devdas. She happened to turn very Cannes appearance into a global fashion moment, raising the bar with her commanding red carpet presence, until the last few years when she faced criticism from those who felt her fashion outings had lost their earlier edge.

Needless to say, all eyes are set on the diva's looks this week! Speaking exclusively to News18, fashion commentator Sufi breaks down what he thinks went wrong with her choices in the recent past. "It's the pressure of outdoing herself. Since the beginning of Aishwarya at Cannes, she had set a standard so high. I feel that's something even the MET Gala is suffering from," he opines."It has reached a point of exhaustion. First, she did the saree look [in 2002], then she became our Cinderella and then she did the purple lipstick. Every year, she pulled things out of herself that are expressive and creative and at the same time, fashionable and perfect. It's really hard," he adds.

Aishwarya's purple lips in the 2016 edition of the festival drew mixed reviews. Talking about it, Sufi tells us, "That year, they thought of going ten levels above and gag it but that didn't translate for the audience. But you've to give them grace. And then, a few years ago, when she tried to go extra with the FSPs, there was an idea even then but it wasn't executed perfectly."

But in Sufi's words, she managed to 'redeem' herself last year with two looks – a Kadwa Benarasi saree and a black velvet gown. "Last year what she did with Manish Malhotra and Gaurav Gupta, it beautifully reflected where she's in her life at this stage – ever so fashionable, obviously, but all the more put together and not trying to be anyone but herself. It was so much fun!" Sufi says.

Kubbra Sait On Her Small Role In Salman Khan's Ready: 'Would Never Have Become Kuku In Sacred Games If…'

Before becoming the unforgettable Kuku in Sacred Games, Kubbra Sait was just another hopeful newcomer trying to find her place in Mumbai. In a recent video, the actress took a nostalgic trip down memory lane and opened up about bagging her very first film, Ready, directed by Anees Bazmee and headlined by Salman Khan.

The actress, who played the small role of a maid in the Salman Khan starrer, recalled going for the audition wearing a short black dress and waiting anxiously for Anees Bazmee's approval. Recalling how she initially had no dialogues in the film, Kubbra shared that it was Salman who suggested adding a quirky twist to her character by making her speak broken English.

Talking about her experience, Kubbra Sait shared, "This audition is the audition where I wore, like, a short black dress and waited for Anees Bazmee to walk into the office and give me a nod of approval. This was an audition where I was now going to be playing a maid in the film Ready, and I am so excited about this.

The crazy self-belief I always had while doing this film, because this film was a new experience for me. Like, I had never done a film. Also, I did not actually have any lines in the film at all, but then, like, Salman Khan, he was like, 'Why don't you make her like the maid who talks in broken language, like in broken English?' And Anees sir really liked the idea, and that's why I have lines in the film."

The actress candidly shared how many people around her believed she was "mad" and "impatient" for accepting such a small role in a big commercial film and said, "Every person told me I was mad, I was mental, and I was impatient for doing Sunaina Kapoor's role in Ready. But if I had not done Ready, if I were not mad enough to do Ready, I would have never been Kuku."

Arjun Kapoor Celebrates 14 Years In Bollywood, Says Ishaqzaade's Parma 'Still Feels Like The Beginning'

Actor Arjun Kapoor celebrated 14 years in Bollywood as his debut drama "Ishaqzaade" completed one more year of being released on Monday.Dropping a few sketches of his popular scenes from the drama, Arjun claimed that his character Parma still feels like the beginning of his cinematic journey, which he intends to take forward with exciting projects ahead.

Arjun penned on his official Instagram handle, "14 years later, Parma still feels like the beginning of everything. #Ishaqzaade was the start of my journey as an actor, in cinema and with all of you…And it continues (red heart emoji) (sic)."Helmed and directed by Habib Faisal, "Ishaqzaade" has been backed by Aditya Chopra under the banner of Yash Raj Films.

With Parineeti Chopra as the female lead, the romantic actioner further starred Gauahar Khan, Natasha Rastogi, Anil Rastogi, and Shashank Khaitan in ancillary roles, along with others.

"Ishaqzaade" is an official remake of the 2009 Bengali drama "Dujone".

Set against the backdrop of a fictional town of Almor in Uttar Pradesh, the drama shares the journey of Parma Chauhan (Played by Arjun) and Zoya Qureshi (Played by Parineeti), who belong to rival political families. Their passionate romance ends up shaking the deeply rooted religious divides in the society.While the film marked Arjun's primary appearance on the big screen, it was Parineeti's second project after her debut with "Ladies vs Ricky Bahl" in 2011.

Shifting our focus to Arjun's recent projects, he last appeared in the romantic comedy "Mere Husband Ki Biwi", co-starring Rakul Preet Singh and Bhumi Pednekar. The movie failed to perform well at the box office.

Arjun has yet to announce his next project.Additionally, he was also recently seen as the primary antagonist in Rohit Shetty's "Singham Again".He ended up receiving a lot of acclaim for his performance in the cop drama.